स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार
16 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 2
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 294 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ धक्का-मुक्की

ईरान ने की अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि

पश्चिम एशिया संघर्ष खत्म

तेहरान। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष को रोकने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता हो गया

- होर्मुज से नाकाबंदी हटाएंगे ट्रंप
- 19 जून को होंगे शांति समझौते पर हस्ताक्षर

है। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि तेहरान अंतिम समझौते के लिए प्रस्तावित 60 दिनों की वार्ता अवधि में तभी प्रवेश करेगा, जब वह युद्ध समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्तियों को जारी करने संबंधी वॉशिंगटन की प्रतिबद्धताओं का सत्यापन कर लेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और तेहरान के बीच शांति समझौता पूरा होने का एलान करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। ईरान के सरकारी प्रेस टीवी के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि समझौते के आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह का आयोजन शुक्रवार को होगा, जिसके बाद समझौता ज्ञापन सार्वजनिक किया जाएगा।

ईरान ने समझौते को बताया अपनी जीत

काजेम गरीबाबादी ने कहा, जिस दुश्मन ने अपने नापाक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए हमला किया था, वह अपने सभी लक्ष्यों में विफल रहा और इस्लामी गणराज्य ईरान ने युद्ध में बड़ी जीत हासिल की। यह समझौता ज्ञापन केवल कूटनीति का परिणाम नहीं है, बल्कि यह ईरान की सैन्य उपलब्धियों का भी ऋणी है। यह उन शहीदों के पवित्र खून का ऋणी है जिन्हें हमने व्यवस्था के दुश्मनों का सामना करते हुए खोया। आधिकारिक हस्ताक्षर के बाद समझौता ज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा। शुक्रवार को आधिकारिक हस्ताक्षर होंगे और दोनों प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख वार्ता के भविष्य के ढांचे को तय करने के लिए चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले चरण की वार्ता शुरू करने से पहले ईरान यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका ने युद्ध समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और संपत्तियां जारी करने संबंधी अपनी जिम्मेदारियां पूरी की हैं या नहीं। गरीबाबादी ने प्रेस टीवी के हवाले से कहा, 60 दिनों की वार्ता में प्रवेश करना अमेरिका द्वारा इन प्रतिबद्धताओं को पूरा किए जाने पर निर्भर करेगा।

ट्रंप ने की घोषणा

यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच शांति समझौता पूरा होने की घोषणा की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो चुका है। सभी को बधाई। मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के खोलने की पूरी अनुमति देता हूं और साथ ही अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को तत्काल हटाने की भी अनुमति देता हूं। दुनिया के जहाजों, अपने इंजन चालू कर दीजिए। तेल को निकलने दीजिए।

सहमति का स्वागत, टिकाऊ समझौते की आशा : मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के एलान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसका स्वागत किया और कहा कि उम्मीद है कि इससे दुनिया में स्थिरता आएगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।

पीएम मोदी बोले- टेक्नोलॉजी हमारे संबंधों का आधार

भारत-स्लोवाकिया के बीच कई अहम समझौते

ब्रातिस्लावा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्लोवाकियाई समकक्ष रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई। दोनों के अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया। साझा वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री और मैंने हमारे सहयोग को नई दिशा और नई गति देने के बारे में विस्तार से चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी में हुई प्रगति हमारे लिए संतोष की बात है। हालाँकि, हमारी क्षमताएं बहुत अधिक हैं और हमारी आकांक्षाएं उससे भी कहीं अधिक हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे आत्मीयता भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं। भारत स्लोवाकिया के संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है। मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का शुभ अवसर मिला। मेरी ये यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है।

टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि, इंडिया-ईयू, एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। हम इसके जल्द से जल्द इम्प्लीमेंटेशन के लिए काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है। डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आज किए गए समझौते इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनाएंगे।

'लगातार 12 वर्षों तक बने रहना किसी राजनीतिक चमत्कार जैसा'

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा, जाहिर है, मैं राजनीतिक स्थिरता का जिक्र किए बिना नहीं रह सकता, जिसका प्रतिनिधित्व आप भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर करते हैं और मैं आपको इस बात के लिए बधाई देता हूं कि आप भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री हैं, क्योंकि इतने मुश्किल माहौल में और इतनी सारी राजनीतिक पार्टियों वाले व्यापक परिवेश में लगातार 12 वर्षों तक बने रहना किसी राजनीतिक चमत्कार जैसा है। मैं आपको इसके लिए बधाई देना चाहता हूं।

अयोध्या में ट्रस्ट के संदिग्ध 8-10 कर्मियों से एसआईटी ने की 6 घंटे गहन पूछताछ

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) सोमवार दोपहर 3 बजे अयोध्या

- एसआईटी ने अयोध्या पहुंचने से पहले योगी से की मुलाकात

पहुंची। टीम सीधे राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय गई और वहां जांच शुरू की। भास्कर सूत्रों के मुताबिक, टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, आमंत्रित सदस्य गोपाल राव से जानकारी ली। चोरी के मामले में जिन कर्मचारियों पर शक है, उन्हें ट्रस्ट के एक कमरे में बैठाया गया था। ऐसे करीब 8 से 10 कर्मचारी थे। इन लोगों से करीब 6 घंटे पूछताछ की। टीम रात 9 बजे रवाना हो गई। आगे टीम उन आईपीएस अधिकारी से भी जानकारी लेगी, जो दिल्ली से गुप्त जांच के लिए आए हैं। टीम में लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत, आईजी किरन एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नीलरतन शामिल हैं। अयोध्या पहुंचने से पहले एसआईटी ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इधर, राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा- अब मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच और सुधार दोनों पर काम किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं का भरोसा बना रहे।

अब तक 5 आरोपियों के नाम आए सामने

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। लवकुश और अनुकल्प पुलिस हिरासत में हैं।

रिलायंस के दो ग्रुप एमडी गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत अपराधों के लिए रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप (आरएएजी) के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश सेठ और गौतम भाईलाल दोषी को गिरफ़्तार किया है। जांच एजेंसी ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की चल रही जांच के सिलसिले में सतीश सेठ को मेसर्ज रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और अन्य के ख़िलाफ़ दर्ज ईसीआईआर में गिरफ़्तार किया है। गौतम दोषी को मेसर्ज रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और अन्य के खिलाफ़ दर्ज ईसीआईआर में गिरफ़्तार किया गया है। ईडी के मुताबिक, सतीश सेठ लंबे समय से आरएएजी से जुड़े रहे हैं और ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहते हुए उन्होंने ग्रुप की कई कंपनियों के अहम कमर्शियल और फाइनेंशियल फैसलों पर कंट्रोल रखा है। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर और उससे जुड़े सेक्टर में काम करने वाली ग्रुप की कई कंपनियों में डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया है।

टेलीग्राम गैंग का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

- नीट री-एग्जाम पेपर लीक के नाम पर साइबर ठगी

अहमदाबाद/जयुपर। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को राजस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पर टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा कर छात्रों और अभिभावकों से कथित ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, जांच में यह पता लगने के बाद कि कुछ लोग टेलीग्राम के माध्यम से री-नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र और परीक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी होने का दावा कर रहे थे, मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2) और 54 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(D) के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कई टेलीग्राम चैनल, टेलीग्राम आईडी और ऑनलाइन समूह बनाए थे, जिनमें री-नीट प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने संबंधी संदेश प्रसारित किए जाते थे। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों और उनके अभिभावकों को विज्ञापनों, पोस्ट और संदेशों के जरिए निशाना बनाया जाता था। इन माध्यमों से परीक्षा से संबंधित सामग्री और अन्य लाभ उपलब्ध कराने के दावे किए जाते थे। साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार छात्रों और अभिभावकों से प्रश्नपत्र और गोपनीय जानकारी उपलब्ध कराने के नाम पर पैसे लिए जाते थे। जांच एजेंसी का आरोप है कि इन चैनलों का उपयोग भ्रामक जानकारी फैलाने और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया गया।

कुमकुम भाग्य फेम संचिता ने की आत्महत्या

मुंबई। टीवी की मशहूर अभिनेत्री संचिता उगले का 30 साल की उम्र में निधन हो गया। मुंबई के नालासोपारा में मौजूद उनके घर में फंदे से लटका उनका शव मिला। घटना रविवार शाम करीब 6.30 से 7.30 बजे के बीच की बताई जा रही है। संचिता नालासोपारा पूर्व के आचोले गांव में अपने माता-पिता और 15 वर्षीय बहन के साथ रहती थीं। रविवार शाम घर में अकेली होने के दौरान उन्होंने कथित रूप से सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन अभिनेत्री को फौरन महानगर पालिका के तुलिंज अस्पताल ले गए।

भारत में वेलनेस अब शौक नहीं, नई जीवनशैली है

नई दिल्ली। 'इलाज से बेहतर रोकथाम है।' 16वीं शताब्दी में, डच दार्शनिक डेसिडेरियस इरास्मस ने यह अमर वाक्य गढ़ा था। हालांकि भारत सहित दुनियाभर में कुछ समय पहले तक हेल्थकेयर पर होने वाला खर्च काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक था। यानी लोग बीमार पड़ने पर ही डॉक्टरों के पास जाते थे। लेकिन अब यह सोच बदल रही है। खासकर 2019 की महामारी के बाद सेहत के प्रति जागरूकता में बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे डिस्पोजेबल आय में वृद्धि और डिजिटल साधनों की उपलब्धता बढ़ना भी बड़ी वजह है। बीते दशक में प्रिवेंटिव केयर पर खर्च कुल इलाज खर्च के 10 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत पर पहुंच गया है। फिटनेस, अच्छा स्वास्थ्य और जीवनशैली के बेहतर विकल्प तेजी से अपनाए जा रहे हैं। लोग नाश्ते से पहले स्लीप स्कोर देख रहे हैं, लंच में प्रोटीन ग्राम गिन रहे हैं, स्मार्टवॉच से हार्टबीट ट्रैक कर रहे हैं और एआई बेस्ड फिटनेस कोचिंग तक ले रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जहां वैश्विक स्तर पर केवल 12 प्रतिशत लोग ही सचेत रूप से स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए सक्रिय हैं, वहीं करीब 50 प्रतिशत भारतीय इस दिशा में कदम उठा रहे हैं। करीब 74 प्रतिशत लोग अब बीमार पड़ने पर इलाज कराने के बजाय वेलनेस प्रोग्राम, हेल्थ कोचिंग और नियमित निगरानी जैसी निवारक (प्रिवेंटिव केयर) सेवाओं को प्राथमिकता देते हैं।

अभिषेक बनर्जी से ईडी की पूछताछ

कोलकाता। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता में ईडी ऑफिस पहुंच गए हैं। ईडी अभिषेक से कैश-फॉर-स्कूल-जॉब स्कैम में पूछताछ की जा रही है। उन्हें 3 जून को नोटिस जारी कर 15 जून की दोपहर 12 बजे तक एजेंसी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। इस मामले में सीबीआई और ईडी दोनों की चार्जशीट में अभिषेक का नाम है। इससे पहले रविवार को विधायकों के फर्जी साइन मामले में सीआईडी ने अभिषेक से 8 घंटे पूछताछ की थी। इस मामले में अभिषेक को फिर से 16 जून को सीआईडी के सामने पेश होना है।

ऐतिहासिक पल | नोएडा से लखनऊ गए किसान, सीएम से मुलाकात

एयरपोर्ट के लिए दी जमीन, भरी पहली उड़ान

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकास के लिए जिन ग्रामीणों की जमीन ली गई थी, वे सोमवार को एक ऐतिहासिक पल का हिस्सा बने। उन्होंने

- 170 यात्रियों में किसान और महिलाएं रहीं शामिल

नए शुरू हुए एयरपोर्ट से लखनऊ जाने वाली पहली पैसेंजर फ्लाइट में उड़ान भरी। नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान सुबह 8.30 पर लखनऊ के लिए रवाना हुई इसमें एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार गए, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। एक यात्री अबरार खान ने कहा, हम नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ जाने वाली पहली फ्लाइट में सफर करके बहुत खुश और आभारी हैं। हमने जो सोचा था, वह आज हमारे सामने सच हो रहा है। खान ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री की तरफ से पहली फ्लाइट का हिस्सा बनने का न्योता मिला था। उन्होंने कहा कि यह सम्मान की बात है। पास के ही एक गांव की रहने वाली महिला हेरा रशीद ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। फ्लाइट में सवार लगभग 65 साल के एक किसान ने बताया कि उन्होंने एयरपोर्ट के लिए अपनी 30 बीघा जमीन दी थी और वे डेवलपमेंट देखकर खुश हैं। एक और महिला यात्री ने कहा कि पहली फ्लाइट का हिस्सा बनने का मौका ग्रामीणों के लिए गर्व की बात है। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि पैसेंजर सर्विस की शुरुआत न सिर्फ एक हवाई रूट की शुरुआत है, बल्कि एयरपोर्ट के सफर में किसानों के योगदान की झलक भी है।

पायलट की ड्रेस में बच्ची ने मोहा

नोएडा एयरपोर्ट की शुरुआत के पहले दिन एक खूबसूरत तस्वीर सामने आई है, जिसने हर किसी का मन मोह लिया। लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट पहुंची एक नन्ही बच्ची पायलट की ड्रेस में आई थी। क्यूट बच्ची को देख सभी की निगाहें इसी पर टिक गईं। बच्ची की पायलट की ड्रेस में बहुत क्यूट लग रही थी।

लखनऊ में सीएम योगी से किसानों की मुलाकात

जानकारी के मुताबिक, लखनऊ से निकली फ्लाइट सुबह 8ः05 पर जेवर एयरपोर्ट के रनवे पर उतरी। इस फ्लाइट में आए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट आई फ्लाइट यात्रियों को लेकर बंगलुरू के लिए रवाना हुई। वहीं, नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान सुबह 8.30 पर लखनऊ के लिए रवाना हुई इसमें एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार शामिल हैं, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

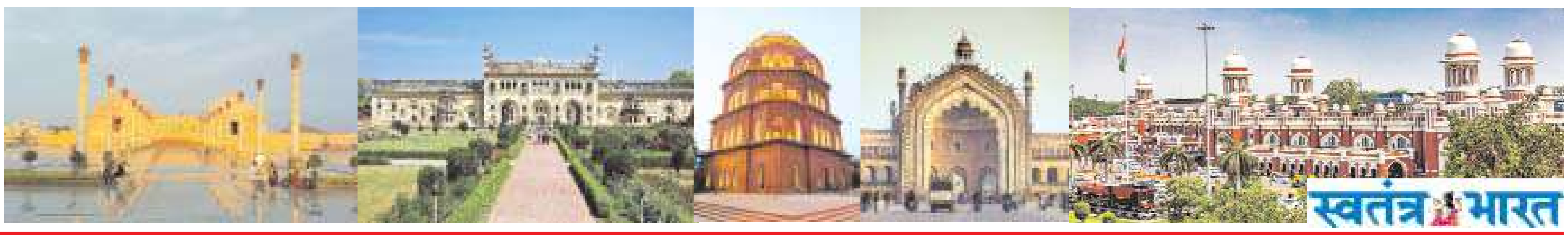

स्वतंत्रता संग्राम पर्यटन सर्किट से जुड़ेगा वाराणसी का करखियांव

18 एकड़ में विकसित होगा स्मृति परिसर, शहीदों की विरासत को मिलेगा नया आयाम, पर्यटन और राष्ट्रीय चेतना का बनेगा केंद्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन के नक्शे पर स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में वाराणसी के पिंडरा विकासखंड स्थित करखियांव गांव को स्वतंत्रता संग्राम पर्यटन सर्किट के तहत विकसित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पर्यटन विभाग ने 18.26 करोड़ रुपये की प्रस्तावित लागत में से पहली किस्त के रूप में आठ करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे इस स्मृति एवं पर्यटन परिसर में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान को संरक्षित किया जाएगा। यहां आधुनिक पर्यटक सुविधाओं के साथ-साथ शहीदों की स्मृतियों को सहेजने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। गांव के 26 शहीदों की याद में एक म्यूरल पार्क का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें उनकी वीरगाथाओं को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा 26 स्मृति स्तंभ भी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक स्तंभ एक शहीद का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में परिसर में स्थित झील का इको-टूरिज्म के रूप में विकास भी किया जाएगा। बाबतपुर एयरपोर्ट के नजदीक होने के कारण यह स्थान भविष्य में एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभर सकता है। करखियांव गांव का स्वतंत्रता आंदोलन में विशेष योगदान रहा है। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर भारत की आजादी तक इस गांव के लोगों ने विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय

इतिहास के अनुसार, जिले में सबसे अधिक स्वतंत्रता सेनानी इसी गांव से थे। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं का भी यह गांव साक्षी रहा है। अब इस परियोजना के माध्यम से यहां के वीरों के बलिदान और संघर्ष की गाथा को देश और दुनिया तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन को इतिहास, संस्कृति और राष्ट निर्माण की प्रेरणाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। करखियांव के विकास से नई पीढ़ी को देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा मिलेगी तथा यह स्थल पर्यटन के साथ-साथ राष्ट्रीय चेतना का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सर्किट के अंतर्गत करखियांव को नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की विस्तृत योजना तैयार की गई है। यहां आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा और स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को आकर्षक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित होंगे।

किसानों ने मुख्यमंत्री से की उचित मुआवजे की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना से प्रभावित किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर भूमि अधिग्रहण से उत्पन्न समस्याओं के समाधान तथा उचित मुआवजे की मांग की है। किसानों का कहना है कि एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए उनकी उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे खेती-किसानी, सिंचाई व्यवस्था, आवागमन और भविष्य की आजीविका प्रभावित होगी। ज्ञापन में किसानों ने मांग की है कि एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पर्याप्त चौड़ाई की सर्विस रोड का निर्माण कराया जाए, ताकि किसान अपने खेतों तक आसानी से पहुंच सकें। इसके अलावा जिन किसानों की भूमि परियोजना में अधिग्रहित की गई है, उन्हें स्थानीय आवागमन के लिए टोल टैक्स से पूर्ण छूट देने की मांग भी उठाई गई है। किसानों ने वर्तमान बाजार मूल्य के अनुरूप उचित एवं न्यायसंगत मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र में भविष्य में होने वाले विकास और भूमि मूल्यों में संभावित वृद्धि को भी मुआवजा निर्धारण में शामिल किया जाना चाहिए।

वेव्स डॉक बाजार 2026 के लिए 12 परियोजनाओं का चयन

एनएफडीसी देगा तीन उत्कृष्ट परियोजनाओं को नकद अनुदान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएफडीसी) ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) के दौरान आयोजित होने वाले वेव्स डॉक बाजार 2026 के दूसरे संस्करण के लिए 'वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स' के तहत चयनित परियोजनाओं की घोषणा कर दी है। 16 से 18 जून तक मुंबई स्थित एनएफडीसी मुख्यालय में आयोजित होने वाले इस आयोजन में वृत्तचित्र, लघु फिल्म और एनिमेशन जगत से जुड़े फिल्मकारों, निर्माताओं, प्रसारकों, वितरकों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साझा मंच मिलेगा। इस वर्ष 19 देशों और 35 भाषाओं से प्राप्त 155 वैश्विक प्रविष्टियों में से कुल 12 परियोजनाओं का चयन किया गया है। इनमें चार परियोजनाएं 'वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब' के लिए चुनी गई हैं, जबकि आठ परियोजनाओं को 'वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स' लाइन-अप में स्थान मिला है। इन परियोजनाओं को उद्योग के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिलने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वितरण और प्रदर्शन के अवसर भी उपलब्ध होंगे। एनएफडीसी ने उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वेव्स डॉक बाजार 2026 में भाग लेने वाली तीन सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं के लिए तीन लाख रुपये का नकद अनुदान देने की भी घोषणा की है। यह अनुदान उन परियोजनाओं को प्रदान किया जाएगा, जिनमें रचनात्मकता, प्रभावी कहानी कहने की क्षमता और वैश्विक दर्शकों से जुड़ने की संभावनाएं होंगी। चयनित सभी 12 परियोजनाएं 16 जून को आयोजित 'ओपन पिच सेशन' में हिस्सा लेंगी, जहां फिल्मकार खरीदारों, वितरकों, प्रसारणकर्ताओं और फिल्म महोत्सवों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी परियोजनाओं को प्रस्तुत करेंगे। इससे उन्हें सहयोग और व्यवसायिक साझेदारी के नए अवसर प्राप्त होंगे। वेव्स डॉक बाजार के दूसरे संस्करण की एक प्रमुख विशेषता 'व्यूइंग रूम' भी होगी। यह एक डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से फिल्मकार उद्योग जगत के पेशेवरों को अपना काम दिखा सकेंगे। इस वर्ष 'व्यूइंग रूम' में 19 देशों की 35 भाषाओं की 155 परियोजनाएं प्रदर्शित की जाएंगी, जिससे विश्वभर की विविध वृत्तचित्र कहानियों और दृष्टिकोणों से परिचित होने का अवसर मिलेगा। 'वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब' के लिए चुनी गई फिल्मों में नंदन सक्सेना और कविता बहल की 'अदियू दिल्ली', इंद्रजीत मोरे की 'इट टेक्स अ विलेज', अशोक मीणा की 'कुंचोक एंड हिज मेनी मून्स' और करिश्मा राव की 'ऑन अ गुड नोट' शामिल हैं। वहीं 'वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स 2026' के लिए मनकप नोकवोहम की 'बाय द होम', सान्या आनंद की 'दो चार दिन', डिंगकु थिंगनाम की 'एचे', हरीश के.एम. की 'रसनिष्पति', अरस्तु जाकिया की 'राइज', मधुरिमा मैती की 'द गर्ल बिनीथ द सन', रामेश्वर भट्ट की 'तुरु' और अस्मिता पाल की 'टुकरो टुकरो पृथिबी' का चयन किया गया है। एनएफडीसी ने कहा कि चयनित परियोजनाएं समकालीन वृत्तचित्र निर्माण की विविधता, रचनात्मकता और सशक्त अभिव्यक्ति को दर्शाती हैं तथा उभरते फिल्मकारों को वैश्विक बाजार और दर्शकों से जोड़ने की उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं।

खबर एक नज़र

भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। ज्येष्ठ माह के पावन शनिवार को नीलमथा स्थित विजयनगर चौराहे पर बाबा नीम करौली के भक्त मलखान यादव द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा नीम करौली, भगवान श्रीराम और हनुमान जी की पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं और राहगीरों को पूरी, सब्जी, चावल, छोला व बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रंजीत यादव, पूर्व विधायक अमरीश सिंह समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पूरे आयोजन में जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

महाकाली भुइय्यन माता मंदिर में 24वें विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। कटरा मकबूलगंज स्थित श्री श्री महाकाली भुइय्यन माता के प्राचीन मंदिर में मूर्ति स्थापना दिवस के अवसर पर 24वें विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया गया। लगभग 100 वर्ष पुराने इस मंदिर में माता की मूर्तियां विराजमान हैं। इस अवसर पर माता का भव्य श्रृंगार, हवन, कन्या भोज एवं आरती का आयोजन किया गया। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में करीब 5000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार तिवारी, सचिव विकास श्रीवास्तव 'बंटी' एवं मीडिया प्रभारी विवेक शिवाजी नागवंशी 'रॉकी' ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सभी सदस्यों एवं क्षेत्रीय श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा।

'नागरिक देवो भवः' के मंत्र के साथ मिशन 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा

स्वतंत्र भारत लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी प्रदेशव्यापी संवाद अभियान चला रहे हैं। कानपुर, ललितपुर, झांसी, जालौन, लखनऊ और वाराणसी सहित विभिन्न जिलों के दौरे के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद किया। भाजपा का कहना है कि यह अभियान संगठन को मजबूत करने और मिशन 2027 की तैयारियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अभियान का मुख्य संदेश 'नागरिक देवो भवः' और जनसेवा को केंद्र में रखना है।

युवा क्रिकेटरों को मिलेगी एआई आधारित ट्रेनिंग

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। युवा क्रिकेटरों को आधुनिक और तकनीक आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए एआई संचालित क्रिकेट ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म काबुनी है। यह प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों के प्रदर्शन का विश्लेषण कर सुधार के लिए सुझाव देता है। इससे छोटे शहरों और दूरदराज क्षेत्रों के खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रशिक्षण और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा।

21वें विशाल भंडारे का आयोजन आज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उ.प्र. जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन द्वारा मंगलवार, 16 जून 2026 को विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। एसोसिएशन की ओर से विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, पत्रकारों एवं समाज के प्रतिष्ठित लोगों को आमंत्रण-पत्र भेजकर कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, ज्येष्ठ माह के सातवें मंगलवार के अवसर पर आयोजित होने वाला यह भंडारा पिछले 21 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समन्वय, सांस्कृतिक विरासत और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। भंडारा दोपहर 12.15 बजे से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मुख्य द्वार, आर्यन रेस्टोरेंट के पीछे, हजरतगंज, लखनऊ में आयोजित होगा। आयोजकों ने सभी धर्मों और समुदायों के लोगों से कार्यक्रम में सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण करने तथा सामाजिक एकता के इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पूर्वी विधायक ओपी श्रीवास्तव ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

शंकरपुरवा प्रथम वार्ड, इंदिरा नगर वार्ड और इंदिरा प्रियदर्शनी वार्ड को मिली विकास कार्यों की सौगात

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ के लोकप्रिय सांसद एवं देश के यशस्वी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रेरणा एवं विकासोन्मुखी नीतियों तथा प्रदेश के कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद एवं कुशल मार्गदर्शन में लखनऊ पूर्वी विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव ने रविवार को त्वरित आर्थिक विकास योजना 2025-26 एवं विधायक निधि की चतुर्थ किश्त 2025-26 के अंतर्गत कुल 66.55 लाख रूपए की लागत से चार महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ शंकरपुरवा प्रथम वार्ड स्थित जाहिरापुर क्षेत्र की जनता कॉलोनी में हुआ, जहां10.10 लाख रूपए की लागत से संगीता देवी के आवास से शिवदेवी सिंह के आवास तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह कार्य क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन

एवं जल निकासी की सुविधा उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष नरेंद्र देवड़ी भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत शंकरपुरवा प्रथम वार्ड के अतरौली क्षेत्र में 28.44 लाख रूपए की लागत से विमलेश गौतम के मकान से वेदव्यास के आवास, सिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर, शिव विहार कॉलोनी होते हुए धर्मवीर सिंह के मकान तक कच्ची सड़क पर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह परियोजना लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही थी। विधायक निधि की चतुर्थ किश्त 2025-26 के अंतर्गत इन्दिरा नगर वार्ड के ईश्वरपुरी कॉलोनी (सेक्टर-12) स्थित पार्क में 16.31 लाख रूपए की लागत से बाउंड्रीवाल मरम्मत, प्लास्टर, रंगाई-पुताई, गेट एवं पाथवे निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राममोहन अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इन्दिरा प्रियदर्शिनी वार्ड स्थित मानस इन्क्लेव कॉलोनी में 11.70 लाख रूपए की लागत से विवेकानन्द पार्क के सौन्दर्यीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि रामकुमार वर्मा सहित क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक ओपी श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गति निरंतर तेज हो रही है। लखनऊ पूर्वी विधानसभा में सड़क, नाली, पार्क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने सभी सम्मानित नागरिकों, देवतुल्य कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं जनप्रतिनिधियों का कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

महिलाओं से खाद्य, तेल ईंधन बचत की अपील

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर महिला मोर्चा संयोजिका बिन्दु श्रीवास्तव के नेतृत्व में महानगर उपाध्यक्ष, पूर्व महानगर अध्यक्ष (महिला मोर्चा) सीता नेगी और महानगर कार्यकारिणी सदस्य नम्रता सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में कम तेल एवं ईंधन की बचत करते हुए पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के विषय में उनके विचारों से सभी बहनों को अवगत कराया। मीडिया प्रभारी ओपी तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर उत्तर मंडल पाचं की सभी बहनों ने अपने हाथों से घर पर स्वयं से बनाई गई विभिन्न डिशों (व्यंजनों) को प्रस्तुत किया। सभी बहनों का प्रदर्शन बहुत सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में मंडल की पदाधिकारी बहनों मीरा पाण्डेय, लक्ष्मी कश्यप, जया पाण्डेय, पूनम राय सहित महिला मोर्चा की कई बहनों ने हिस्सा लिया। मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी ने सभी मातृ शक्तियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने और सफ्ल बनाने की सराहना की।

अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इरिटम और आईआईएम के बीच एमओयू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। अनुसंधान, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान (इरिटम) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता इरिटम के अभिव्यक्ति सभागार में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में संपन्न हुआ, जिसमें दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर इरिटम के महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर और आईआईएम के निदेशक एम.पी. गुप्ता ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम के दौरान दोनों संस्थानों ने इसे क्षमता निर्माण, नेतृत्व विकास और अनुसंधान को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान और भारतीय प्रबंधन संस्थान के बीच शैक्षणिक सहयोग को और गहरा करेगा। इसके तहत संयुक्त शोध परियोजनाओं, ज्ञान संसाधनों के आदान-प्रदान और विशेषज्ञता साझा करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक प्रबंधन विकास कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे रेल और परिवहन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों की दक्षता और नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया जा सके। समझौते के अंतर्गत भविष्य में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की संभावना भी शामिल है, जिससे अनुसंधान और नवाचार को संस्थागत रूप दिया जा सके। इस पहल को विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इरिटम के महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर ने कहा कि यह सहयोग रेलवे अधिकारियों की प्रबंधकीय और नेतृत्व क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इससे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भविष्य के कुशल नेतृत्वकर्ताओं के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। आईआईएम के निदेशक एम.पी. गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक संगठनों के बीच इस प्रकार के सहयोग से न केवल नवाचार को बढ़ावा मिलेगा बल्कि सतत अधिगम और रणनीतिक सोच को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को व्यावसायिक उत्कृष्टता और निरंतर सीखने की भावना को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह समझौता प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा और इसके माध्यम से दोनों संस्थान मिलकर शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाओं को विकसित करेंगे।

एनएसयूआई ने सौरभ सौजन्य को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया

छात्र मुद्दों पर संघर्ष को मिली मान्यता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और छात्र हितों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए श्री सौरभ सौजन्य को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष अनस रहमान द्वारा की गई। संगठन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सौरभ सौजन्य लंबे समय से छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से फीस वृद्धि, छात्रवृत्ति में अनियमितता, रोजगार के सीमित अवसर, शिक्षा के बढ़ते निजीकरण और छात्र अधिकारों से जुड़े मामलों पर लगातार आवाज उठाई है। उनकी सक्रिय भागीदारी और जमीनी स्तर पर संगठनात्मक कार्यों में निरंतरता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। सौरभ सौजन्य पूर्व में कृषि छात्र संघ के निर्वाचित अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने छात्र समस्याओं के समाधान और शैक्षिक संस्थानों में पारदर्शिता की मांग को लेकर कई अभियान चलाए। संगठन के भीतर उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में रही है जो छात्रों की समस्याओं को केवल उठाते ही नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए सक्रिय प्रयास भी करते हैं। एनएसयूआई नेतृत्व का मानना है कि इस नियुक्ति से संगठन को प्रदेश में और मजबूती मिलेगी तथा छात्र हितों की लड़ाई को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। संगठन ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अधिक जागरूकता और संघर्ष की आवश्यकता है, जिसमें युवा नेतृत्व की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद संगठन ने सौरभ सौजन्य से अपेक्षा जताई है कि वे एनएसयूआई की विचारधारा को और सशक्त बनाते हुए छात्र हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। साथ ही उनसे यह भी अपेक्षा की गई है कि वे संगठन के कार्यक्रमों को गांव-गांव और कॉलेज स्तर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, ताकि अधिक से अधिक छात्र संगठन से जुड़ सकें और अपनी समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठा सकें।

सीएमएस छात्रा को मिला 'इंस्पायर-मानक अवार्ड'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अशर्फाबाद कैम्पस की कक्षा-11 की छात्रा हूरिया किरात इरफान को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'इंस्पायर-मानक अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि, उत्कृष्ट ज्ञान और अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए प्रदान किया गया है। इसके साथ ही छात्रा को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी गई है, जिससे वह समाजोपयोगी विज्ञान मॉडल तैयार कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगी। सी.एम.एस. के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतिष्ठित अवार्ड के लिए देशभर के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 10 लाख विज्ञान परियोजनाएं और प्रविष्टियां भेजी गई थीं, जिनमें चयनित होकर सीएमएस की छात्रा ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी प्रतिस्पर्धा में चयनित होना विद्यालय और छात्रा दोनों के लिए गर्व का विषय है। सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय अपने विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिसके चलते सीएमएस के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं और विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

अजय राय ने काशी में पंचकोशी परिक्रमा कर लिया धार्मिक एवं सेवा का संकल्प

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी में सनातन परंपरा के अनुसार पंचकोशी परिक्रमा का संकल्प लेकर विस्तृत धार्मिक यात्रा की। यह यात्रा काशी के प्रमुख शिव मंदिरों, शक्ति पीठों और ऐतिहासिक तीर्थ स्थलों से होकर गुज़री, जिसमें उन्होंने पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की शांति और जनकल्याण की कामना की। यात्रा की शुरुआत मैदागीन स्थित बड़ा गणेश मंदिर में दर्शन और आशीर्वाद लेने के साथ हुई, जहां उन्होंने विघ्नहर्ता गणेश से सफल और निर्विघ्न यात्रा की प्रार्थना की। इसके बाद वे काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचे और वहां विधिवत दर्शन कर सुरक्षा एवं बाधा-मुक्त जीवन की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने मणिकर्णिका घाट पर मणिकर्णिकेश्वर महादेव और शक्ति स्वरूपा माता मणिकर्णिका के दर्शन किए। वहीं चक्रपुष्करिणी कुंड (मणिकर्णिका कुंड) का पूजन कर पंचकोशी परिक्रमा की औपचारिक

शुरुआत की गई। यात्रा के पहले पड़ाव में वे स्कंदवा पहुंचे, जहां काशी के प्राचीन और स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण कर्दमेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। अजय राय ने कहा कि इस भूमि की आध्यात्मिक ऊर्जा और आस्था मन को विशेष शांति प्रदान करती है। दूसरे पड़ाव में राजातालाब स्थित मां भीमचंडी मंदिर में दर्शन-पूजन किया गया। यहां उन्होंने शक्ति स्वरूपा मां से समस्त प्रदेश और देशवासियों की रक्षा की प्रार्थना की। तीसरे पड़ाव पर यात्रा वरुणा नदी के तट पर स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जिसे त्रेतायुग में भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित माना जाता है। यहां उन्होंने शिवलिंग का दर्शन कर पूजा की और इसे आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बताया। चौथे पड़ाव पर शिवपुर क्षेत्र में कपिलेश्वर महादेव और पंचपंडवा के दर्शन किए गए। यहां स्थानीय श्रद्धालुओं और संतों से भी उनकी मुलाकात हुई, जिन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया और जनसेवा के कार्यों में निरंतर बने रहने का संदेश दिया। अंतिम पड़ाव कपिलधारा में कपिल महामुनि द्वारा स्थापित कपिलेश्वर महादेव के दर्शन के साथ यह पंचकोशी परिक्रमा संपन्न हुई। यहां अजय राय ने विधिवत वंदन कर इस यात्रा को पूर्ण किया और कहा कि काशी की यह पावन भूमि केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सेवा और मानवता का भी प्रतीक है। पूरी यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि काशी की जनता की सेवा ही उनका परम धर्म है और यह संकल्प आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महादेव, माता मणिकर्णिका और बाबा काल भैरव से उन्होंने देश और प्रदेश की सुरक्षा, शांति और समृद्धि की कामना की है।

स्वतंत्र भारत

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, युवती की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सोमवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज करीब 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री वाला मकान पूरी तरह ढह गया और ईंटें बिखर गईं। हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर फायर ब्रिगेड, बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस विस्फोट के कारणों की जांच कर रही है। पटाखा फैक्ट्री के आसपास कोई दूसरा मकान नहीं था, लेकिन धमाके की आवाज सुनकर गांववाले मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार, यह विस्फोट ग्राम देवती निवासी मो. शफीक (26) की पटाखा फैक्ट्री में हुआ। फैक्ट्र का लाइसेंसधारी है और यह गांव के बाहर स्थित है। आसपास आबादी नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। हादसे में मारिया (22) और मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान मारिया की मौत हो गई। वह फैक्ट्री मालिक की भांजी थी। मोहित की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है। मोहित गांव का रहने वाला है। घटना के समय वह जानवर चरा रहा था और फैक्ट्री के पास पानी पीने आया था। शुरुआती जांच में किसी अन्य के हताहत होने की जानकारी नहीं है। घटना के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। आसपास के लोगों के मुताबिक, हादसा करीब सुबह 11:30 बजे हुआ। विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज करीब डेढ़ से दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि अगर यह हादसा शाम के समय होता, जब लोगों की आवाजाही ज्यादा रहती है, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। जनहानि कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली। आग की गंभीरता को देखते हुए पीजीआई फायर स्टेशन से दो अतिरिक्त फायर टेंडर और हजरतगंज से एक एमडीआरवी (मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल) समेत कई वाहन मौके पर भेजे गए। फायर कर्मियों ने लगातार पानी डालकर आग पर काबू पाया और संभावित खतरे को रोका। हादसे के बाद एहतियात के तौर पर 5 से ज्यादा एंबुलेंस भी मौके पर तैनात की गई

1995 से चल रही थी फैक्ट्री

फैक्ट्री संचालक मो. शफीकके परिवार के अतीक ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि पटाखा बनाने का काम वर्ष 1995 से कर रहे हैं। पहले उनके पिता फैक्ट्री चलाते थे। करीब तीन साल पहले पिता के निधन के बाद उनके भाई शफीक यह काम देख रहे हैं। फैक्ट्री उनकी निजी जमीन पर बनी हुई थी। अतीक के अनुसार, हादसे के समय फैक्ट्री परिसर में मजदूर सूरज और भांजी मारिया मौजूद थी। मारिया गर्मी की छुट्टियों में घर आई हुई थी और घूमते हुए फैक्ट्री गई थी। सूरज फैक्ट्री के बाहर पेड़ों के पास बर्तन साफ कर रहा था, इसलिए वह विस्फोट की चपेट में नहीं आया। शफीक घर पर टाइल्स का काम देखने आए थे। स्थानीय युवक मोहित पास में भैंस चरा रहा था। वह परिसर में लगे नल से पानी पीने आया था। विस्फोट के दौरान ईंट का टुकड़ा लगने से वह घायल हो गया। अतीक ने बताया कि फैक्ट्री में तीन कमरे में थे। एक कमरे पटाखा बनाए जाते थे। दूसरे में स्टॉक रखा जाता था। तीसरे में तैयार पटाखा रखा जाता था। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब तीन से चार किलोग्राम बारूद मौजूद था।

> **डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद का बयान**
>
> ग्राम देवती, थाना नगराम में एक लाइसेंसी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर स्थानीय पुलिस और फायर बिग्रेड पहुंची। आग पर काबू पाया गया। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

जेसीबी से हटाया जा रहा मलबा

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) भी मौके पर पहुंचा। टीम ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सुरक्षा के लिए पूरे इलाके को निगरानी में रखा गया है। प्रशासन की निगरानी में जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। राहत और बचाव टीम मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की आशंका को देखते हुए तलाशी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, मलबा हटने के बाद नुकसान का सही आकलन किया जा सकेगा।

साधु-संतों ने की अखिलेश से भेंट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। हरियाणा राज्य के राई, सोनीपत के प्राचीन शिव मंदिर के महंत पूज्यनीय प्रेमपुरी के नेतृत्व में आए सोमवार को दो दर्जन से अधिक साधु-संतों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भेंटकर उनके दीर्घायु जीवन एवं विधानसभा चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दिया। महंत प्रेमपुरी महाराज के साथ स्वामी दयानंद गिरी भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने साधु-संतों का अभिनंदन करते हुए कहा कि नेताजी और हमें साधु-संतों का आशीर्वाद सदैव मिलता रहा है। साधु-संत और पुजारी हमारे पूजनीय हैं। हिन्दुस्तानियत की यह खासियत है कि यहां सभी एक दूसरे का सम्मान करते हैं। संविधान में सबका सम्मान एवं अधिकार सुरक्षित है। महंत प्रेमपुरी महराज तथा स्वामी दयानंद गिरि ने कहा कि भाजपा राज में आस्था के नाम पर सिर्फ वोट की राजनीति हो रही है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं। आध्यात्मिक स्थलों की मूलप्रकृति को विकृत किया जा रहा है।

इलाज, आवास और हर जरूरत में सरकार आपके साथ

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री का भरोसा

स्वतंत्र भारत लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हर जरूरतमंद नागरिक के साथ खड़ी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आर्थिक सहायता, चिकित्सा, आवास या किसी अन्य जनसमस्या के समाधान में सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और किसी भी पात्र व्यक्ति को निराश नहीं होने दिया जाएगा।गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से सीधे मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने एक-एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं,

प्रार्थना पत्रों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पहुंचे थे, जिन्होंने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि मरीजों का समुचित उपचार सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोग उपचार का अनुमानित खर्च तैयार कराएं और मरीज की देखभाल करें, जबकि इलाज की व्यवस्था सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाए जाएं ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।जनता दर्शन में कई लोग प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास की मांग लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार लगातार पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध करा रही है और किसी भी जरूरतमंद को आवास से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पात्रता की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जलवायु परिवर्तन के बीच वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका पर हेल्पएज इंडिया की राष्ट्रीय रिपोर्ट जारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर हेल्पएज इंडिया ने अपनी राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट क्लाइमेट रेजिलिएंट एजिंग देखभाल, गरिमा और सहभागिता सुनिश्चित करना का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में आयोजित कार्यक्रम में किया। इस अवसर पर डॉ. हीरालाल (आईएएस), प्रो. हर्ष शर्मा, डॉ. अल्का शर्मा, श्री श्यामपाल सिंह और श्री अनूप पंत सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में करीब 250 वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह अध्ययन देश के 10 राज्यों के 20 जिलों में 2,224 वरिष्ठ नागरिकों पर आधारित है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उससे निपटने में बुजुर्गों की भूमिका, अनुभव और आवश्यकताओं का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में सामने आया है कि पिछले कुछ वर्षों में वरिष्ठ नागरिकों को हीटवेव, बाढ़ और सूखे जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपने अनुभव, पारिवारिक सहयोग और सामुदायिक समर्थन के जरिए बेहतर अनुकूलन क्षमता और धैर्य का परिचय दिया है। हेल्पएज इंडिया के राज्य प्रमुख श्री अनूप पंत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक केवल सहायता प्राप्त करने वाले वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे अपने अनुभव और ज्ञान से समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ी नीतियों और कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही हैं, जबकि परिवार और समुदाय उनकी देखभाल में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता को और मजबूत किया जाए ताकि वरिष्ठ नागरिक सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जी सकें। हेल्पएज इंडिया के बारे में रिपोर्ट में बताया गया है कि संस्था पिछले 48 वर्षों से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, देखभाल, आजीविका, आपदा राहत और डिजिटल सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही है और इसे संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार तथा भारत सरकार के वयोश्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

बीपी की दवाएं असर न करें तो जीवनशैली बदलना जरूरी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन में सामने आया है कि कई दवाओं के संयोजन के बावजूद उपचार-

- डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के अध्ययन में खुलासा

प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप (रेसिस्टेंट हाइपरटेंशन) के मरीजों में रक्तचाप पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो पा रहा है। ऐसे मामलों में विशेषज्ञों ने दवाओं के साथ जीवनशैली में बदलाव को अत्यंत आवश्यक बताया है। इस अध्ययन में 18 महीने के दौरान 94 मरीजों को शामिल किया गया, जिनमें तीन अलग-अलग वर्ग की दवाओं के बावजूद रक्तचाप नियंत्रित नहीं हो पा रहा था। मरीजों की औसत आयु लगभग 55 वर्ष थी और इनमें करीब 64 प्रतिशत पुरुष शामिल थे। चार दवाओं के संयोजन के बाद भी 12 सप्ताह के उपचार में केवल 42.6 प्रतिशत मरीज ही लक्ष्य रक्तचाप स्तर तक पहुंच सके। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मरीजों में हृदयाघात, स्ट्रोक और किडनी फेल होने का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में अधिक होता है। यह अध्ययन कार्डियोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है और इसे राष्ट्रीय जर्नल में स्थान मिला है। अध्ययनकर्ता प्रो. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि यदि दवाओं के बावजूद रक्तचाप नियंत्रित नहीं हो रहा है तो नियमित फॉलोअप के साथ जीवनशैली में बदलाव बेहद जरूरी है। उन्होंने नमक का सीमित सेवन, वजन नियंत्रण, नियमित शारीरिक गतिविधि और तनाव प्रबंधन को महत्वपूर्ण उपाय बताया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार लखनऊ में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग हर तीसरे व्यक्ति को उच्च रक्तचाप की समस्या है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। शहरी क्षेत्रों में किए गए एक अन्य अध्ययन में लगभग 29 प्रतिशत लोगों में हाइपरटेंशन पाया गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि असंतुलित आहार, व्यायाम की कमी, बढ़ता वजन, तनाव, शराब और तंबाकू का सेवन, डायबिटीज, किडनी रोग और स्लीप एपनिया इसके प्रमुख कारण हैं।

बसपा को भी इंडिया गंठबंधन में लाने की कोशिश

पांच सवाल

डॉ. सीपी राय
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

लखनऊ। प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, विपक्षी एकता और 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सीपी राय से विशेष बातचीत की गई। उन्होंने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार को घेरा। साथ ही कांग्रेस संगठन के विस्तार, समाजवादी पार्टी के साथ तालमेल और विपक्षी एकजुटता की रणनीति पर भी खुलकर अपनी बात रखी।

आप 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को किस नजरिए से देखते हैं?

जनता अब पहले से अधिक जागरूक हो चुकी है। भले ही विपक्ष की बातें मुख्यधारा के मीडिया में कम दिखाई दें, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से हर सूचना लोगों तक पहुंच रही है। अब कोई भी मुद्दा जनता से छिपा नहीं रह सकता।

कांग्रेस किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है?

प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था गंभीर मुद्दे हैं। वहीं मुद्दे रहेंगे, जिन पर जनता का समर्थन मिले और संगठन मजबूत होकर उभरे।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर क्या स्थिति है?

दोनों दलों के बीच सीटों और वोटों को लेकर यदि कहीं छोटे-मोटे मतभेद हैं भी, तो उन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरना है।

क्या बहुजन समाज पार्टी को भी विपक्षी गठबंधन में शामिल करने की कोशिश हो रही है?

हां, मायावती जी और बसपा को भी साथ लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विपक्षी एकता समय की मांग है और इस दिशा में संवाद जारी है।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठा रही है?

कांग्रेस आंतरिक मतभेदों को दूर करने के साथ-साथ सृजन, विजन और व्यापक जैसे कार्यक्रम चला रही है। ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं, जिससे पार्टी की सक्रियता बढ़ रही है।

– भृगु नागर

बरसात से पहले जलभराव रोकने और निर्बाध बिजली आपूर्ति के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने सोमवार को वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध

- वाराणसी में ए. के. शर्मा ने की नगर विकास व ऊर्जा विभाग की समीक्षा

ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगरों में स्वच्छता, बेहतर जलनिकासी व्यवस्था और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।नगर विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नालियों, नालों और जलनिकासी तंत्र की व्यापक सफाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति किसी भी क्षेत्र में उत्पन्न न होने पाए। इसके लिए सभी नगर निकाय समय रहते आवश्यक तैयारियां पूरी कर लें और संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी करें।उन्होंने शहरों की स्वच्छता एवं सुंदरता बढ़ाने के लिए सड़क किनारे तथा डिवाइडरों के आसपास फैली गंदगी को हटाने, पौधरोपण अभियान चलाने और सार्वजनिक स्थलों के सुंदरीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण किसी भी शहर की पहचान होता है तथा नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने के लिए नगर निकायों को पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना चाहिए।बैठक में मंत्री ने विभिन्न निर्माणाधीन एवं संचालित विकास परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही नगर विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान ए. के. शर्मा ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, खराब ट्रांसफार्मरों के त्वरित प्रतिस्थापन और वितरण प्रणाली में सुधार से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को निरंतर, निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने कहा कि गर्मी और मानसून के मौसम में बिजली की मांग बढ़ने के साथ-साथ तकनीकी चुनौतियां भी सामने आती हैं, इसलिए विभाग को पहले से तैयारी कर संभावित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष बल देते हुए 1912 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करने और उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि नगर विकास और ऊर्जा विभाग ऐसी सेवाएं प्रदान करते हैं जिनका सीधा संबंध आम नागरिकों के दैनिक जीवन से है। इसलिए अधिकारियों को संवेदनशीलता, जवाबदेही और समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि जनता को बेहतर और सुगम सेवाएं मिल सकें।बैठक में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, नगर विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा, गलत संगत और अभिभावकों की लापरवाही से अपराध की राह पर बढ़ रहे बच्चे

बच्चों को अपराध और नशे के दलदल में धकेल रही अभिभावकों की अनदेखी

विवेक सिंह

स्वतंत्र भारत लखनऊ। आज के दौर में तेजी से अमीर बनने की चाह, दिखावटी और लग्जरी लाइफस्टाइल का आकर्षण तथा गलत संगति कई किशोरों और युवाओं का

- बच्चों के साथ मित्रवत संवाद, विश्वास और समय देना बेहद जरूरी

भविष्य अंधकारमय बना रही है। खास तौर से अभिभावकों द्वारा बच्चों की गतिविधियों, मित्र मंडली, मोबाइल फोन और दिनचर्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने के कारण कोई बच्चा अपराध की दुनिया में कदम रख रहा है तो कोई नशे की गिरफ्त में अपना आत्मविश्वास खोकर आत्मघाती कदम तक उठा रहा है। स्थिति यह है कि परिवार द्वारा निगरानी में लापरवाही कई बच्चों को धीरे-धीरे नशे और अपराध की राह पर ले जा रही है। ऐसा ही मामला चिनहट थाने में सामने आया है जहां संरक्षण में लिए गए दो बाल अपचारियों शिवा और मोंटी (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वे मात्र 14 और 15 वर्ष की आयु के हैं और नशे की लत ने उन्हें चोरी करने के लिए मजबूर कर दिया। एक वर्ष पहले छह महीने के लिए वह बाल सुधार गृह भी जा चुके हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि नशा न मिलने पर उन्हें बेचैनी होने लगती है, इसलिए वे रात में रेकी कर छोटी-मोटी चोरियों को अंजाम देते हैं। इन बाल अपचारियों ने बताया कि व्हाइटनर, बीयर, शराब या जो भी नशीला पदार्थ उन्हें आसानी से मिल जाए उसका सेवन कर लेते हैं। विशेष रूप से व्हाइटनर कम कीमत और आसान उपलब्धता के कारण नशे के आदी बच्चों की पहली पसंद बन चुका है। उनका दावा था कि क्षेत्र में सैकड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में नशे की गिरफ्त में हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी जैसी घटनाओं में शामिल हो रहे हैं। हालांकि बच्चों की संस्था बाल कल्याण समिति सी डब्ल्यू सी के काउंसलर द्वारा ऐसे बच्चों की समय-समय पर काउंसलिंग भी की जाती रही है, जो कि वर्तमान समय में वृहद स्तर पर किए जाने की आवश्यकता है। चिनहट क्षेत्र में ऐसे मामले भी सामने आए, जहां किशोरों को बहला-फुसलाकर अपने ही घर से सोने-चांदी के जेवर या अन्य कीमती सामान चोरी कर लाने के लिए उकसाया गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर दो वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन यह घटना समाज और परिवार दोनों के लिए गंभीर चेतावनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अभिभावक समय-समय पर बच्चों की मित्र मंडली, मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, विद्यालय की उपस्थिति, दिनचर्या और खर्चों पर सजग निगरानी रखें, तो ऐसी अनेक घटनाओं को रोका जा सकता है। यह जानना भी आवश्यक है कि बच्चा किन लोगों के संपर्क में है, उसकी बातचीत किनसे होती है, वह विद्यालय वास्तव में जा रहा है या नहीं, बार-बार पैसे क्यों मांग रहा है और उसके व्यवहार या स्वास्थ्य में कोई असामान्य परिवर्तन तो नहीं आ रहा। बच्चों के साथ मित्रवत संवाद, विश्वास और समय देना बेहद जरूरी है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों पर स्नेह के साथ ही अनुशासन और निगरानी भी रखें, उनकी जिज्ञासाओं को समझें, नियमित संवाद करें और उनके जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर संवेदनशील नजर बनाए रखें। यही सतर्कता, संवाद और निगरानी बच्चों को सही दिशा दे सकती है और उन्हें एक सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य प्रदान कर सकती है।

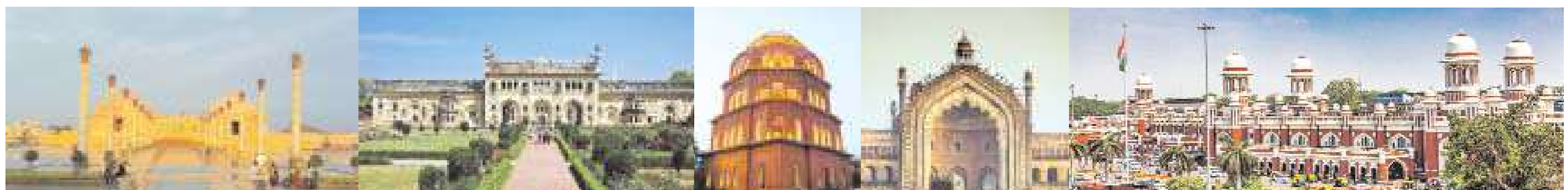

एलडीए ने मार्ग बहाल नहीं कराया तो स्थानीय जनता करेगी प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सुल्तानपुर रोड स्थित ओमैक्स रेजिडेंसी आर-1 पर स्थानीय जनता

-बिल्डर पर सार्वजनिक सड़क और नाले पर कब्जे का आरोप

-स्थानीय निवासियों ने दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी

का आरोप है कि उसने तथ्यों को छिपाकर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से मानचित्र स्वीकृत कराया है। इसके चलते सार्वजनिक 60 फीट चौड़ी सड़क एवं नाले पर बिल्डर ने अतिक्रमण किया है,जिसके चलते सरस्वतीपुरम, लल्लन सिंह नगर, आदर्श नगर, सरसवां और अर्जुनगंज के स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना-प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।
स्थानीय निवासियों का आरोप है कि

सुल्तानपुर रोड से ओमैक्स रेजिडेंसी आर-1 होते हुए ईमार क्षेत्र तक जाने वाली 60 फीट चौड़ी सार्वजनिक सड़क और नाले का निर्माण पूर्व में एलडीए द्वारा कराया गया था। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत वर्ष 2017 में प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सड़क एलडीए द्वारा लगभग 1.43 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कराई गई थी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि संबंधित सड़क का खसरा संख्या 497 (प) में दर्ज है, जबकि ओमैक्स रेजिडेंसी के बैनामे में खसरा संख्या 497 (स) अंकित है। इसके बावजूद कथित रूप से गलत तथ्यों के आधार पर स्वीकृत मानचित्र में केवल खसरा संख्या 497 दर्शाकर अधिकारियों को गुमराह किया गया और सार्वजनिक मार्ग पर कब्जे का प्रयास किया गया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि इस मामले को लेकर विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भी समय-समय पर शासन और प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। विधायक राजेश्वर सिंह ने वर्ष 2023 में प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की थी। निरीक्षण रिपोर्ट में सड़क और नाले को क्षतिग्रस्त पाए जाने तथा अतिक्रमण की आशंका जताई गई थी। इसके अलावा विधायक पंकज मलिक, मंत्री धर्मपाल सिंह, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, विधायक जय देवी तथा मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा भी सड़क, नाले और कथित अतिक्रमण के संबंध में पत्राचार एवं शिकायतें की गई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बावजूद एलडीए के स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।
निवासियों का कहना है कि सड़क और नाले के पुनर्निर्माण के लिए उनका संघर्ष वर्ष 2014 से जारी है, लेकिन अब भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने मांग की है कि ओमैक्स रेजिडेंसी के पक्ष में स्वीकृत मानचित्र की निष्पक्ष जांच कर उसे निरस्त किया जाए, सार्वजनिक सड़क एवं नाले को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क और नाले का निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराया जाए। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों और कंपनी की होगी। उन्होंने जनहित में तत्काल हस्तक्षेप कर सार्वजनिक मार्ग को बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में एलडीए के मुख्य नगर नियोजक केके गौतम से जब ओमैक्स रेजिडेंसी के स्वीकृत मानचित्र को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया वो छुट्टी पर हैं।

भाजपा लोकतंत्र के लिए खतरा : अखिलेश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र के लिए खतरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने पर उतारू है। समाजवादी पार्टी की पूरी जिम्मेदारी लोकतंत्र बचाने की है। अगर ऐसा नहीं होता है तो 2027 का उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव अंतिम चुनाव होगा।
सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आए नेताओं, कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता एकजुट होकर पूरी ताकत से लोकतंत्र को बचाने के लिए जुटें। वोटर लिस्ट और बूथ पर पूरा ध्यान लगाएं। सभी कार्यकर्ताओं की भाषा और व्यवहार शिष्ट हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सत्ता से बाहर जाना तय है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को बूथ-बूथ पर सतर्कता बरतनी है। जनता को भाजपा की नाकामियों की जानकारी देना है। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा हर स्तर पर घोटाला कर रही है। भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता त्रस्त है। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं।
भूमाफियाओं को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा नकारात्मक और साम्प्रदायिक राजनीति करती है। भाजपा पीडीए की दुश्मन हैं। भाजपा ने पीडीए का आरक्षण छीना। पीडीए के खिलाफ झूठे मुकदमें लगाएं। प्रताड़ित किया। पीडीए के लोगों का फर्जी एनकाउंटर किया गया। उन्होंने कहा कि पीडीए बड़ी ताकत है। पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है, इसीलिए भाजपा घबराई हुई है। भाजपा पीडीए के खिलाफ साजिश कर रही है। समाजवादी पार्टी प्रेम, दया, अपनापन पीडीए का एजेंडा है।
अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों को धोखा दिया है। किसानों को खाद-बीज का संकट है। बिजली नहीं मिल रही है। डीजल की कीमते बढ़ने से खेती का लागत मूल्य बढ़ गया है। भाजपा सरकार में किसान आत्महत्या करने पर मजबूर है। भाजपा ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। गांव-गांव में बड़ी संख्या में पढ़े लिखे नौजवान बेरोजगार हैं। सरकार जानबूझकर भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करा देती है। भाजपा ने नौजवानों से झूठे वादे किए थे। भाजपा का भ्रष्ट-शासन काल दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश में आईआईटी बननी चाहिए परन्तु एसआईटी बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हर दिन हत्या, लूट, महिला अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार में महिलाओं का सम्मान सुरक्षित नहीं है। भाजपा ने दस साल के शासनकाल में लोककल्याण का कोई कार्य नहीं किया है। निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार और लूट हो रही है। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के विकास का रास्ता दिखाया था। एक्सप्रेस-वे, आईटी सिटी, स्टेडियम, सड़के बनाने का काम किया लेकिन दो कार्यकाल में भाजपा विकास के रास्ते पर एक कदम नहीं चल पायी।

84 सहायक लेखाधिकारी बने कोषाधिकारी/लेखाधिकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्त एवं लेखा सेवा के अंतर्गत बड़ी पदोन्नति करते हुए 84 सहायक लेखाधिकारियों को कोषाधिकारी/लेखाधिकारी पद पर पदोन्नत करने का आदेश जारी किया है। वित्त (सेवाएं) अनुभाग-2 द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार इन अधिकारियों को समूह-'ख' के कोषाधिकारी/लेखाधिकारी पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पदोन्नति का लाभ मिलेगा। वित्त विभाग के अनुसार इन पदोन्नतियों के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज में गठित चयन समिति की बैठक 19 मई 2026 को आयोजित हुई थी।
आयोग ने अपनी संस्तुति 2 जून 2026 को शासन को भेजी, जिसके बाद राज्यपाल की स्वीकृति से पदोन्नति आदेश जारी किया गया। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में गीता पुष्कर, बृजेश कुमार यादव, संजय कुमार सिंह, विवेक कुमार सेठी, उमा शंकर सिंह, लक्ष्मी प्रसाद यादव, राजेश कुमार निगम, मुनीश कुमार श्रीवास्तव, संजीव यादव, अशहर हुसैन जाफरी, भोला नाथ मौर्य, सुशील कुमार, रियाज अहमद समेत कुल 84 अधिकारी शामिल हैं। ये अधिकारी वर्तमान में विभिन्न विभागों, निदेशालयों, मंडलीय कार्यालयों तथा जिला स्तरीय कार्यालयों में सहायक लेखाधिकारी के रूप में कार्यरत थे। शासनादेश में कहा गया है कि पदोन्नत अधिकारी कार्यभार ग्रहण करने के बाद इसकी सूचना शासन और कोषागार निदेशालय को उपलब्ध कराएंगे। साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा नियमावली-1992 के तहत दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जाएगा।
वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि नवपदोन्नत अधिकारियों की नई तैनाती से संबंधित आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। यह पदोन्नति किसी लंबित याचिका अथवा प्रत्यावेदन पर होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। आदेश पर वित्त विभाग की सचिव संदीप कौर के हस्ताक्षर हैं।

पीएम आवास योजना में गरीबों के हक पर अमीरों का डाका

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना में उत्तर

-गरीब के लिए छत नहीं, चहेतों के लिए डबल आवास: आप

-427 लोगों को दो-दो पीएम आवास मिलना भ्रष्टाचार के संगठित सिंडिकेट का सबूत

प्रदेश के 427 लाभार्थियों द्वारा अलग-अलग निवास और पहचान दिखाकर दो-दो आवास हासिल करने के खुलासे पर आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ योजना में गड़बड़ी नहीं बल्कि गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों की खुली लूट है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की जांच में सामने आया यह मामला साबित करता है कि प्रदेश में सुशासन और पारदर्शिता के दावे केवल कागजों और विज्ञापनों तक सीमित हैं। जबकि जमीन पर भ्रष्टाचार का संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन उत्तर प्रदेश में इसका लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक पहुंचने के बजाय फर्जीवाड़े और साठगांठ का शिकार हो गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की जांच में प्रदेश के 427 ऐसे लोगों की पहचान हुई है, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) दोनों का लाभ उठाकर दो-दो आवास हासिल कर लिए। ललितपुर में 50, बांदा में 26, सीतापुर और प्रतापगढ़ में 21-21 मामलों का सामने आना बताता है कि यह कोई इक्का-दुक्का गलती नहीं बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि आज उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और विभागीय अधिकारी रिकवरी और कार्रवाई की बातें कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह फर्जीवाड़ा हो रहा था, जब अलग-अलग पते और पहचान दिखाकर आवेदन स्वीकृत किए जा रहे थे, तब सरकार की डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था, सत्यापन तंत्र और जांच एजेंसियां आखिर क्या कर रही थीं। बिना विभागीय अधिकारियों, स्थानीय प्रभावशाली लोगों और राजनीतिक संरक्षण के इतना बड़ा खेल संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में दोहरे आवास लेने के 8047 मामलों में उत्तर प्रदेश सातवें स्थान पर पहुंच गया है। यह योगी सरकार के पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के दावों पर कुठाराघात है। जिस प्रदेश का गरीब परिवार वर्षों तक एक पक्के मकान की उम्मीद में सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाता रहता है, उसी प्रदेश में कुछ लोग दो-दो सरकारी आवास लेकर गरीबों के हिस्से का अधिकार हड़प लेते हैं। यह केवल सरकारी धन की बर्बादी नहीं बल्कि हजारों गरीब परिवारों के सपनों और अधिकारों की चोरी है। उन्होंने कहा जहां प्रदेश का गरीब, मजदूर और जरूरतमंद परिवार एक अदद पक्के मकान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते-काटते थक जा रहा है, वहीं दूसरी ओर साठगांठ करके 427 लोग दो-दो बार आवास का लाभ उठा ले रहे हैं। यह सिर्फ तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि उन हजारों गरीब परिवारों के हक पर सीधा डाका है जो आज भी खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। अंत में दुबे ने मांग की कि प्रधानमंत्री आवास योजना में हुए इस पूरे घोटाले की समयबद्ध, निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। केवल छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर मामले को दबाने की कोशिश न की जाए बल्कि इस पूरे नेटवर्क के पीछे बैठे बड़े अधिकारियों, जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों और सफेदपोश संरक्षणकर्ताओं की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में गरीबों के हक पर कोई डाका डालने की हिम्मत न कर सके।

संविदा कर्मियों की मौतों पर संघर्ष समिति ने जताई चिंता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने भीषण गर्मी के दौरान प्रदेश में लगातार बढ़ रहे विद्युत फाल्ट, दुर्घटनाओं तथा संविदा कर्मियों की हो रही मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संघर्ष समिति का मानना है कि बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों को हटाए जाने से उत्पन्न जनशक्ति संकट ही वर्तमान गंभीर परिस्थितियों का प्रमुख कारण है।
संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण प्रदेश में विद्युत मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है और आने वाले दिनों में यह 36,000 मेगावाट तक पहुंच सकती है। दूसरी ओर, निजीकरण की प्रक्रिया

-हटाए गए संविदा कर्मियों की तत्काल बहाली की मांग

के दौरान 45 प्रतिशत से अधिक संविदा कर्मियों को कार्य से अलग कर दिया गया है। साथ ही, नियमित कर्मचारियों एवं अभियंताओं के विरुद्ध सामान्य धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के कारण बड़े पैमाने पर अनुशासनात्मक एवं उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां की गई हैं। उन्होंने कहा कि मार्च 2023 के आंदोलन के उपरांत माननीय ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा द्वारा उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां वापस लेने के निर्देश दिए जाने के बावजूद आज तक उन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। संघर्ष समिति ने कहा कि संविदा कर्मियों की संख्या में भारी कमी आने से विद्युत फाल्टों के निस्तारण में अत्यधिक विलंब हो रहा है। अनेक स्थानों पर घंटों तक फाल्ट ठीक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, पिछले 37 दिनों के दौरान कार्यस्थलों पर हुई दुर्घटनाओं में 22 से अधिक संविदा कर्मियों की मृत्यु हो चुकी है तथा 14 से अधिक संविदा कर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि यह सब पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की हठधर्मिता का परिणाम है।

उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं ऊर्जा मंत्री द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद हटाए गए संविदा कर्मियों की बहाली नहीं की जा रही है तथा मार्च 2023 के आंदोलन के दौरान एवं उसके बाद की गई उत्पीड़नात्मक कार्रवाईयां भी वापस नहीं ली जा रही हैं।

स्वतंत्र भारत

वर्गीकृत

सूचना

सूचित है - मेरी पुत्री अनिका सिंह का नाम आधार कार्ड में तितिक्षा सिंह दर्ज है जबकि संशोधित नाम 'अनिका सिंह' (जन्मतिथि 16/07/2012) है कृपया संशोधन करें- मुकेश कुमार सिंह (45 वर्ष) पुत्र समरेश बहादुर सिंह निवासी-281/518/B-3 अमीर नगर, राजेंद्र नगर, लखनऊ।

सी.आर.- 523/L-37

सार्वजनिक सूचना

मैं, सैयद फखरुल इमाम पुत्र सैयद अजहर इमाम, नि.- 544D/212, रोशनाबाद कॉलोनी, अहिरन खेड़ा, लखनऊ (उ.प्र.), अपने पुत्र सैयद एविज इमाम को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में किसी भी कृत्य के वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा।

सी.आर.- 526/L-44

सूचना

सूचित करता हूं कि मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम आनंद कुमार यादव दर्ज होने से त्रुटिवश छूट गया है अतः मेरे सर्विस रिकॉर्ड में पुत्र का नाम अंकित किया जाए। घसीटेलाल पुत्र स्वर्गीय उदन सिंह, ग्राम सरोसा भरोसा पोस्ट मौंदा जिला लखनऊ।

सी.आर.- 527/L-38

सूचना

मेरा शैक्षणिक प्रमाणपत्र में नाम NOOR MIAN अंकित है जबकि सही नाम NOOR MIYAN है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। नूर मियां पुत्र शफीउल्ला नि.मो. बाबुजई, शाहजहांपुर यूपी।

सी.आर.-524/ D-25

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम PRANITA SARKAR था जो अब बदलकर PRANITA SAUGATA BASAK हो गया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।
PRANITA SAUGATA BASAK W/o SAUGATA BASAK C 10/2 PRAYAG VIHAR SHANKARGARH PRAYAGRAJ POWER GENERATION COMPANY LOHGARA JASRA PRAMAGRAJ U.P.

सी.आर.-522/ D-38

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम कान्हा राय पुत्र प्रभात कुमार राय जैसा कि उसके शैक्षिक अभिलेख व आधार कार्ड न0-462877029809 में अंकित है। मैं अपने पुत्र के स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण अपने ज्योतिषाचार्य के अनुसार उसका नाम शिवांश राय पुत्र प्रभात कुमार राय रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को शिवांश राय पुत्र प्रभात कुमार राय के नाम से जाना व पहचाना जाय।
एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।
रेखा राय, पुत्र - शिवांश राय, माता - रेखा राय, पिता - प्रभात कुमार राय , ग्राम- कसारी पोस्ट-खुरहट जनपद- मऊ।

सी.आर.-522/ D

कार्यालय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, (प्रशासन) लखनऊ

पत्रांक : 941/सा.प्र./एआरटीओ/निविदा/टेण्डर/2026 दिनांक 15 जून, 2026

निविदा/टेण्डर

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप परिवहन आयुक्त (यात्रीकर)/प्रभारी प्रवर्तन, उत्तर प्रदेश के कार्यालयादेश संख्या-260 स्टोर्स/इन्फ/2026-28/स्टोर्स/इन्फ/2022 दिनांक 10 जून, 2026 के अनुपालन में संभागीय परिवहन अधिकारी, लखनऊ के प्रयोगार्थ एक वाहन किराये पर लिया जाना है। वाहन टैक्सी के रूप में पंजीकृत होना अनिवार्य है। वाहन में चालक/ईंधन/रख-रखाव/मरम्मत के समस्त खर्च वाहन स्वामी द्वारा वहन किया जायेगा।
अतएव इच्छुक वाहन स्वामी अपनी वाहन किराये पर दिये जाने हेतु अपना कोटेशन/प्रस्ताव वाहन के समस्त प्रपत्र व प्रतिमाह किराया सहित बंद लिफाफे में संभागीय परिवहन कार्यालय, लखनऊ में दिनांक 22-06-2026 की सायं 04:00 बजे तक श्री विनोद कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ सहायक (काउन्टर संख्या-09) को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। निविदाएं उसी दिनांक को खोली जायेगी।
इस तिथि के पश्चात किसी कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा। नियम एवं शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) लखनऊ।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरि. मु. सिग. एवं दू. सं. अभि./नि.-I/लखनऊ, कार्यालय संकुल, निर्माण संगठन उ.रे. चारबाग लखनऊ-226004, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित प्रपत्र पर ई-निविदा दो पैकेट प्रणाली के तहत निम्नलिखित कार्य के हेतु आमंत्रित की जा रही है-

1	कार्य का नाम एवं स्थान	लखनऊ डिवीजन के BDKN-SLN, SLN-PKX, MBDP-PHV, RBL-RUM और RBL-GANG सेक्शन के बीच 05 स्टेशनों पर [illegible] से संबंधित इन्डोर और आउटडोर सिग्नलिंग कार्य का प्रावधान, [illegible] ... इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में जोड़ और परिवर्तन और [illegible] स्टेशन पर इनडोर सिग्नलिंग कार्य।
2	पूरा होने की अवधि	12 (बारह) महीने (स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से)
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 16,08,96,311.96 (रुपये सोलह करोड़ छियानवे हजार तीन सौ ग्यारह और पैसा छियानवे केवल)
4	निविदा दस्तावेज राशि एवं धरोहर राशि	₹ शून्य एवं धरोहर राशि आई आर ई पी एस पर एम आई टी में उल्लिखित है।
5	ऑफर की वैधता	90 दिन निविदा खुलने की तिथि से
6	निविदा बंद होने तथा निविदा खुलने की तारीख एवं समय	07.07.2026 को 11:30 बजे तक आई आर ई पी एस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर निविदा अपलोड की जा सकती है। बोली द्वारा ई-टेंडर में भाग ले सकता है. निविदा 07.07.2026 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
7	वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	विस्तृत ई-टेंडर नोटिस उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आई आर ई पी एस की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 16.06.2026 से 07.07.2026 तक 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। ई-टेंडर में भाग लेने की इच्छा रखने वाले बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से खुद को पंजीकृत करें. जिसके लिए उन्हें आईटी अधिनियम-2000 के तहत CCA द्वारा जारी तृतीय श्रेणी डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं हुआ है) प्राप्त करना होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना को उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

निविदा सूचना संख्या:- 287-सिगनली -इलखनऊनिविदा01/26 दिनांक: 15.06.2026 2042/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड प्रथम, 57-जार्ज टाउन, प्रयागराज।

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना, दिनांक 16.06.2026

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. T. No. 03/ETD-I(P)/2026-2027- विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, प्रयागराज के अन्तर्गत नवनिर्मित एवं परिचालित पारेषण उपकेन्द्रों हेतु 06 नग 5G, 6GB RAM, 128 GB Storage etc. मोबाईल क्रय करने हेतु। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 590/-जी0एस0टी0 सहित। धरोहर धनराशि रू0 1000/-(रूपया एक हजार मात्र)।

ई-निविदा की अन्तिम तिथि 23.06.2026 समय 04.00 बजे।

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनायें वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेंगी।

(इं0 राकेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पत्रांक-553-वि0पा0खं0प्रथम0 प्रया0 ई-टेण्डर नोटिस दिनांक-15.06.2026

कार्यालय नगर पालिका परिषद भिनगा, जनपद-श्रावस्ती।

संख्या : 92/1 न0पा0परि0 भिनगा/ई-टेण्डर सूचना/2026-27 दिनांक : 15 जून 2026

ई-निविदा सूचना

15वां वित्त आयोग योजना अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत कार्यों को कराये जाने हेतु नगर पालिका परिषद भिनगा की ई-निविदा सूचना संख्या 92/N.P.P.BHINGA/E-Tender/2026-27 दिनांक 15 जून, 2026 के माध्यम से निम्न तालिका अनुसार निविदा दर प्रतिशत /Item Rate के आधार पर आमंत्रित की जाती है, जिसकी तकनीकि बिड दिनांक 01 जुलाई 2026 प्रातः 11:00 खोली जायेगी। ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से निम्न प्रकार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	विवरण	तिथि एवं समय
1.	वेबसाईट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	दिनांक- 16.06.2026 से
2.	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	दिनांक- 16.06.2026 से
3.	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की अंतिम तिथि व समय	दिनांक- 30.06.2026 अपरान्ह 05:00 बजे तक
4.	प्राप्त ई-निविदाओं को खोलने की तिथि व समय	दिनांक- 01.07.2026 प्रातः 11:00 बजे

1. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
2. अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(डॉ0 अनीता शुक्ला)
अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद भिनगा
जनपद-श्रावस्ती।

(इरफान अहमद)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद भिनगा
जनपद-श्रावस्ती।

अदालती सूचना ता.पेशी 24.06.2026 हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप) न्यायालय सिविल जज जू.डि.त्वरित न्यायालय कोर्ट सं. 41 शाहजहांपुर परिवाद वाद सं. 848 वर्ष 2025 अंतर्गत धारा 85, 115 (2), 352, 351 (3), बी.एन. एस. व 3/4 डी.पी.एक्ट थाना रौजा श्रीमती शालिनी पत्नी अमित राठौर पुत्री स्व.विजयपाल राठौर निवासी मोहल्ला रेलवे कालोनी रौजा थाना रौजा जनपद शाहजहांपुर...प्रार्थिनी/परिवादिनी बनामः-1-अमित राठौर पुत्र यशपाल राठौर (पति) 2-यशपाल राठौर पुत्र नामालूम (ससुर) 3-श्रीमती ओमवती पत्नी यशपाल राठौर (सास) 4-सुमन पाल राठौर पुत्र यशपाल राठौर (जेठ) 5-श्रीमती कविता राठौर पुत्री यशपाल राठौर (ननद) 6-अजय कुमार पुत्र नामालूम (नन्दोई) सर्वनिवासीगण ग्राम गुलड़िया जाफरपुर थाना जहानाबाद जिला पीलीभीत...प्रतिवादीगण। चूंकि उपरिनिमांकित श्रीमती शालिनी वादिनी उक्त ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है अतएव आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन 2026 के माह 06 के 24 दिवस को 10 बजे के पूर्वान्ह में स्वंय या सम्येक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने उक्त आवेदन एक पक्षीय से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026ई.के माह 06 के 12 दिवस को निकाली गई। न्यायालय के ओदशानुसार मुन्सरिम/रीडर सिविल जज जू.डि.त्वरित न्यायालय कोर्ट सं. 41 शाहजहांपुर।

सी.आर.-524/ D-CN

चोरी की एफआईआर न होने पर आत्मदाह का प्रयास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। हरदोई की रहने वाली मां-बेटी सोमवार को लखनऊ में विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंचीं। लेकिन पुलिस ने दोनों के हाथों से पेट्रोल से भरी बोतल छीन ली। हैं। पुलिस दोनों को हजरतगंज थाने ले गई। पूछताछ में बताया कि वह संडीला क्षेत्र की निवासी हैं। बेटी का कहना है कि चाचा ने घर में चोरी किया। बाद में पर मारपीट भी की। लेकिन संडीला थाने में पुलिस एफआईआर नहीं दर्ज कर रही है। वह पिछले एक महीने से संडीला थाने के चक्कर लगा रही हैं। इसलिए हमें न्याय के लिए लखनऊ आना पड़ा है। पुलिस ने दोनों को समझा-बुझाकर घर भेज दिया है। इसके बाद पीड़ित की तहरीर पर संडीला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। चाचा ने की चोरीः पीड़ित पीड़िता का कहना है कि हमारे चाचा ने चोरी की है। लेकिन हमारी स्द्धक्र नहीं लिखी जा रही है। पीड़िता का कहना है कि हमारे चाचा ने चोरी की है। लेकिन हमारी FIR नहीं लिखी जा रही है। न्याय न मिलने का आरोप, शिकायत लेकर पहुंचीं राजधानी लखनऊ पहुंचने वाली मिथिलेश कुमारी, पत्नी स्वर्गीय देवदार, निवासी ग्राम ककरहिया मजरा भण्डोली, थाना संडीला, जनपद हरदोई की रहने वाली है। महिला का कहना है कि गांव के मकान में हुई चोरी और संपत्ति विवाद के मामले में स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हो रही है। खुद को असुरक्षित महसूस करने और न्याय नहीं मिलने से परेशान होकर वे अपनी बात शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए लखनऊ आई थीं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक हस्तलिखित प्रार्थना पत्र में महिलाओं ने आरोप लगाया है कि उनके घर में चोरी हुई थी, विरोध करने पर मारपीट की गई और जहर देने तक की कोशिश की गई। उन्होंने स्थानीय पुलिस पर प्रभावशाली लोगों के दबाव में उचित कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया है। पत्र में मुख्यमंत्री, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

थाने पर एक महीने से लगा रही थी चक्कर

बताया जा रहा है कि पीड़ित पक्ष का कहना है कि स्थानीय पुलिस से कई बार गुहार लगाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। इससे परेशान होकर परिवार ने विधानसभा के सामने आत्मदाह जैसा कदम उठाने का प्रयास किया। पुलिस ने कहा- सभी आरोपों की होगी जांच हजरतगंज पुलिस के अनुसार दोनों महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उनके आरोपों और दावों की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है तथा हरदोई पुलिस से संपर्क कर मामले के तथ्यों का सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दोनों महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सामान्य है। मामले में नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एएनटीएफ की टीम ने झांसी व मेरठ से 7 तस्करों को किया गिरफ्तार

झांसी में 350 किलो गांजा जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.80 करोड़

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश और अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था व अपराध)के निर्देशन में पुलिस महानिरीक्षक, एएनटीएफ लखनऊ के पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अभियान के

■ **हापुड़ जिले में करीब एक कुंतल जिसकी कीमत 60 लाख बताई जा रही**

तहत सोमवार को उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में झांसी की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करी में शामिल चार सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से करीब 350 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.80 करोड़ बताई गई है। इसके साथ ही एक ट्रक, एक स्विफ्ट डिजायर कार, 8 मोबाइल फोन और 9,550 नकद भी बरामद किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की

तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 111 किलो 641 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख बताई गई है। साथ ही एक हुंडई क्रेटा कार, 3 मोबाइल फोन समेत नकदी भी जब्त किए गए हैं। झांसी यूनिट के मुखिया ने बताया कि यह कार्रवाई थाना रक्सा क्षेत्र के सिजवाहे तिराहे के पास एनएच-44 के पास से मुन्ना लाल झा, बालगोविन्द ओझा, ,संजय अग्रवाल और संजय गौर तीनों तस्कर (शिवपुरी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। इनके पास से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर झांसी, ग्वालियर, शिवपुरी और आसपास के क्षेत्रों में फुटकर में सप्लाई करते थे। इस बार वे ट्रक में कागज के गत्तों की आड़ में गांजा छिपाकर ले जा रहे थे, जबकि स्विफ्ट डिजायर कार से उसकी निगरानी की जा रही थी।इस संबंध में थाना रक्सा में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेरठ से 3 तस्कर गिरफ्तार, 111 किलो गांजा बरामद

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की मेरठ टीम ने यह कार्रवाई जनपद हापुड़ के थाना सिम्भावली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे के पास सर्विस लेन पर की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू सिंह उर्फ सोनवेर सिंह, विनोद कुमार और राहुल के रूप में हुई है, जो सभी जनपद हापुड़ के रहने वाले हैं।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे किराए की गाड़ी लेकर उड़ीसा के जंगलों से गांजा लाते थे और उसे हापुड़ व आसपास के जिलों में बेचकर मुनाफा कमाते थे। इस बार भी वे क्रेटा कार में गांजा लेकर सप्लाई के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।पुलिस ने इस मामले में थाना सिम्भावली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

खबर एक नजर

लखनऊ-कानपुर रोड पर युवक ने वाहनों पर बरसाए ईंट-पत्थर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक युवक ने कानपुर रोड पर जमकर उत्पात मचाया। उसने राहगीरों और वाहनों पर ईंट-पत्थर बरसाए, जिससे एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई वाहनों के शीशे टूट गए। आरोपी युवक घायल की बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक के साथ कार में मौजूद तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। इस मामले में घायल बाइक सवार की पत्नी ने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लखनऊ पुलिस कर्मियों की 30 जून तक छुट्टियां रद्द

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टी 30 जून तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस संबंध में सोमवार को पुलिस कमिश्नरेट की ओर से पत्र जारी किया गया है। सयुंक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जून माह में प्रस्तावित विभिन्न त्योहारों एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसको सकुशल और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के मद्देनजर सभी पुलिस कर्मियों की 30 जून तक की छुट्टी रद्द कर दी गई है। उन्होंने अपने आदेश में यह भी कहा है कि विषम परिस्थिति में पुलिस कर्मी अपने वरिष्ठ अधिकारी को सूचित करें और उनके अनुमति के बाद ही छुट्टी स्वीकृति की जाएगी।

नीम के पेड़ से फंदे के सहारे लगाई फांसी, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के काकोरी इलाके में 42 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव नीम के पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पूरा मामला काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव का है। मृतक की पहचान बहरू गांव निवासी संतू (42) पुत्र मगली के रूप में हुई है। ग्रामीण बताते हैं कि संतू गांव में अकेले रहते थे। उनकी पत्नी और पुत्र का काफी समय पहले निधन हो चुका था, जिसके बाद से वह अकेले रह रहे थे। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक नीम के पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका देखा। सूचना मिलने पर काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। संतू द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पत्नी और पुत्र की मौत के बाद संतू लंबे समय से अकेले रह रहे थे। उनका कोई निकट परिजन भी नहीं था। इसी वजह से ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया किया मानवीय आधार पर अंतिम संस्कार की अनुमति मांगी। गांव के बुजुर्गों और स्थानीय लोगों की सहमति के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच पूरी की जा रही है।

किसान को अज्ञात वाहन ने रौंदा, दो दिनों बाद हुई जानकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पारा इलाके में 12 जून को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई थी। मृतक दो उन्नाव से पारा थानाक्षेत्र स्थित बुद्धेश्वर मंदिर के पास रिश्तेदारी में आया था। इस दौरान हादसा हो गया। परिजन जब मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंचे तब उन्हें घटना की जानकारी हुई। परिजनों के अनुसार प्रियंक कुमार वर्मा खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी सरिता देवी और दो छोटे बच्चे हैं। इनमें एक बच्चा महज पांच महीने का है। प्रियंक के जीजा सतीश कुमार ने बताया कि 12 जून को प्रियंक लखनऊ के बुद्धेश्वर मंदिर के पास पहुंचे थे। वह पैदल थे। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और उनकी तलाश शुरू की। बाद में पारा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे तो जानकारी मिली कि उनका एक्सीडेंट हो गया था। वहीं पुलिस पूरे मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

डिप्टी सीएम के कमरे की एसी में लगी आग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानभवन के प्रथम तल पर सोमवार को एयर कंडीशनर (एसी) की यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के कक्ष में लगे एसी की यूनिट में लगी। धुआं उठता देख विधानभवन के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। अग्निशमन कर्मियों को भी बुलाया गया। समय रहते आग बुझा दिए जाने के कारण कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और न ही किसी के हताहत होने की सूचना है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण एसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, एक माह पहले हुई थी शादी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, वाल्मीकि मोहल्ला निवासी अंजली वाल्मीकि (22) की शादी करीब एक माह पहले लवकुश नगर, सेक्टर-22, गाजीपुर निवासी दिव्यांशु (अंशु) वाल्मीकि के साथ हुई थी। शादी के बाद अंजली मायके आई हुई थी। मृतका के भाई विशाल ने बताया कि रविवार शाम अंजली की फोन पर अपने पति से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह घर के ऊपरी हिस्से में बने टीनशेड के कमरे में चली गई। काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो परिजन उसे देखने पहुंचे। वहां अंजली दुपट्टे के सहारे एंगल से बंधे फंदे से लटकी मिली। परिजन उसे तत्काल नीचे उतारकर इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आई है। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौ-तस्करों ने पुलिस टीम पर की फायरिंग

जवाबी कार्रवाई में दो के पैर में लगी गोली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कानपुर के जूही थाना क्षेत्र में रविवार देर रात गौ तस्करों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में दो सगे भाइयों के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से एक गोवंश, तमंचा, चापड़ और अन्य सामान बरामद किया गया है। घायल दोनों आरोपितों को उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि क्राइम ब्रांच और एडीसीपी ऑपरेशन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग रावतपुर क्षेत्र से गोवंश खरीदकर परमपुरवा रेलवे ट्रैक के पास ले जाते हैं और वहां उनका वध करते हैं। सूचना के आधार पर जूही पुलिस की तीन टीमों को आरोपितों की तलाश में लगाया गया।योजनाबद्ध तरीके से पुलिस टीम रेलवे ट्रैक के पास पहुंची तो वहां एक गोवंश के साथ चार लोग दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस को देखकर सभी भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर चमनगंज निवासी मोहम्मद आमिर और रायपुरवा निवासी श्यामजी तिवारी को पकड़ लिया। जबकि परमपुरवा निवासी सगे भाई चांद आलम और रेहान उर्फ सद्दाम अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपितों की तलाश शुरू की। कुछ देर बाद दोनों भाई रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों में छिपे मिले। पुलिस के मुताबिक घिरता देख दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने मौके से एक गोवंश को सुरक्षित बरामद कर लिया। साथ ही आरोपितों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, चापड़, प्लास्टिक की बोरी और अन्य सामान भी बरामद किया गया है। घायल आरोपितों को पुलिस अभिरक्षा में हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित पहले भी गौ तस्करी के मामलों में जेल जा चुके हैं। उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में भी पुलिस टीमों को लगाया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शूटरों की व्यवस्था कराने वाला गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या के मामले में एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने सोमवार तड़के आलमबाग बस स्टेशन के पास से हत्या की साजिश में शामिल एक लाख रुपए के इनामी आरोपी गंगाराम यादव को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, 27 मई 2026 को पीजीआई इलाके में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

■ **प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में नाम आने के बाद से था फरार, घोषित था एक लाख का ईनाम**

इस मामले में थाना पीजीआई में मुकदमा दर्ज कर एसटीएफ की विभिन्न टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया गया था। इससे पहले 31 मई को एसटीएफ मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। शूटरों समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी थी। एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली कि मामले में वांछित और एक लाख रुपए का इनामी आरोपी गंगाराम यादव आलमबाग बस अड्डे के पास मौजूद है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में गंगाराम यादव ने बताया कि उसने दिनेश कुमार यादव और उसके चालक मुकर्रबीन उर्फ मुबीन के कहने पर हत्या के लिए शूटरों की व्यवस्था कराई थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी हत्या की साजिश में अहम भूमिका निभाने वालों में शामिल है। गिरफ्तार आरोपी को पीजीआई थाने में दर्ज हत्या के मुकदमे में दाखिल कर दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। एसटीएफ अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

रोडवेज की बस ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सोमवार निगोहां थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 9 बजे रोडवेज बस ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। रायबरेली से लखनऊ जा रही रोडवेज बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में घुस गई। बस ने सामने से आ रही बाइक और एक कार को टक्कर मार दी। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। घटना के बाद बस चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान पिंटू (निवासी छोटीखेड़ा, थाना बछरावां, रायबरेली) रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रायबरेली डिपो की बस यूपी 33 एटी 6494 रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रही थी। निगोहां क्षेत्र के दखिना शेखपुर स्थित अपना ढाबा के पास बस अचानक अनियंत्रित हो गई। बस डिवाइडर तोड़ते हुए लखनऊ से रायबरेली जाने वाली लेन में पहुंच गई और इस दौरान सामने से आ रही बाइक यूपी 33 बीई 0883 और स्विफ्ट डिजायर कार यूपी 32 टीएन 0480 को जोरदार टक्कर मार दी। वहीं पुलिस ने तीनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बस की टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई स्विफ्ट डिजायर कार सड़क किनारे लगे हाईटेंशन लाइन के डबल पोल से जा टकराई। गनीमत रही कि बिजली लाइन से जुड़ी कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, जिससे हादसा और गंभीर होने से बच गया।

बेटे के पास सो रहे अधेड़ की गोली मारकर हत्या

बेटा घटना से रहा अनजान, पुलिस छानबीन में जुटी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र स्थित बेनियाबाग हरिजन बस्ती में सोमवार तड़के अज्ञात बदमाशों ने सो रहे एक अधेड़ सफाईकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। हैरत की बात यह रही कि मृतक के बगल में सो रहा उसका बेटा वारदात से अनजान रहा। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से पुलिस को दो खोखे भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान राजन (60) मिर्जापुर जिले के नारायणपुर निवासी के रूप में हुई है। राजन सफाईकर्मी थे और उनकी दो पत्नियां हैं। पहली पत्नी उनके साथ नारायणपुर में रहती है, जबकि दूसरी पत्नी बेनियाबाग हरिजन बस्ती में रहती है। दूसरी पत्नी के बेटे की 20 जून को सगाई प्रस्तावित है। इसी कार्यक्रम की तैयारियों में शामिल होने

के लिए राजन कुछ दिन पहले वाराणसी आए थे।बताया गया कि रविवार रात भोजन करने के बाद राजन अपनी दूसरी पत्नी के बेटे के साथ घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। सोमवार भोर में मोटरसाइकिल से पहुंचे हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले में राजन के सिर में तीन और पेट में दो गोलियां लगीं। गोली चलने की आवाज और राजन की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।सूचना पर चौक थाना पुलिस के साथ डीसीपी काशी जोन, एडीसीपी तथा एसीपी दशाश्वमेध भी घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल ने बताया कि बेनियाबाग मलिन बस्ती में राजन नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मामले की गहन जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि चार दिन पहले भी राजन पर हमला करने की कोशिश की गई थी। उस समय वह घर के बाहर सो रहे थे। मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध युवक उनके पास पहुंचे थे, लेकिन आहट मिलने पर राजन की नींद खुल गई। उनके शोर मचाने पर परिजन बाहर निकल आए, जिसके बाद दोनों युवक मौके से भाग निकले थे। इस घटना के बाद पुलिस पुराने विवादों और पूर्व हमले के एंगल को भी जांच के दायरे में लेकर पड़ताल कर रही है।

प्रदेशभर में यातायात नियमों के उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक राज्यव्यापी विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। यह अभियान पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के निर्देश में और अपर पुलिस महानिदेशक ए सतीश गणेश (यातायात निदेशालय) के पर्यवेक्षण में प्रदेशभर में संचालित किया गया। यह विशेष अभियान बीते 09 मई 2026 से 14 जून 2026 तक प्रत्येक सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) को चलाया गया। इसका उद्देश्य यातायात नियमों के उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई करने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के परिप्रेक्ष्य में मद्यपान कर वाहन चलाना, मॉडिफाइड साइलेंसर/प्रेशर हॉर्न/हूटर के जरिए ध्वनि प्रदूषण फैलाना, बिना एचएसआरपी वाहन चलाना तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना शामिल था। अभियान के दौरान प्रदेश के सभी प्रमुख टोल प्लाजाओं और महत्वपूर्ण मार्गों पर विशेष चेकिंग टीमें तैनात की

गईं। प्रत्येक लेन पर अलग-अलग टीमों की तैनाती की गई, जिन्हें टॉर्च, रिफ्लेक्टिव जैकेट, बॉडी वॉर्न कैमरा, लाउड हेलर और ब्रेथ एनालाइजर जैसे उपकरण उपलब्ध कराए गए ताकि जांच प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी बनी रहे। इस अभियान में यातायात पुलिस के साथ-साथ नागरिक पुलिस और परिवहन विभाग के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों का भी सहयोग लिया गया। कुल 135 टोल प्लाजाओं पर 3,645 पुलिसकर्मी तैनात रहे, जिनमें निरीक्षक, उपनिरीक्षक, पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मी तथा होमगार्ड शामिल थे। अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने मीट एंड ग्रीट पहल के तहत यात्रियों, विशेषकर महिलाओं से संवाद किया, उनकी यात्रा संबंधी समस्याओं को सुना और सहायता प्रदान की। इसका उद्देश्य प्रवर्तन के साथ-साथ नागरिकों के प्रति संवेदनशील पुलिसिंग को बढ़ावा देने के साथ ही, निर्माण सामग्री ढोने वाले डंपर और ट्रकों की एचएसआरपी के तहत मौके पर जांच की गई। बिना वैध नंबर प्लेट, मॉडिफाइड साइलेंसर या हूटर का उपयोग करने वालों तथा नाबालिग चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार, अभियान अवधि में कुल 10,24,030 वाहनों की जांच की गई। इनमें मद्यपान कर वाहन चलाने के 13,431 मामले, ध्वनि प्रदूषण से जुड़े 28,477 मामले, बिना एचएसआरपी के 33,616 मामले और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के 930 मामले सामने आए। कुल मिलाकर 76,454 चालान किए गए और लगभग 56.91 करोड़ का जुर्माना लगाया गया।

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत नशे में वाहन चलाना एक दंडनीय अपराध है। पहली बार पकड़े जाने पर भारी जुर्माना और जेल का प्रावधान है, जबकि दोबारा अपराध करने पर सजा और जुर्माना दोनों बढ़ जाते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, ध्वनि प्रदूषण न फैलाएं, अपने वाहनों में वैध एचएसआरपी लगवाएं और नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति बिल्कुल न दें। पुलिस ने इसे केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी बताया है।

चित्रकूट जा रहे तीन दोस्तों की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर अमावस्या के अवसर पर चित्रकूट दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीसरे की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 12 बजे बिसंडा थाना क्षेत्र के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर तीनों दोस्तों की बाइक अनियंत्रित होकर किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और एक्सप्रेसवे एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदौसा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतकों की पहचान संजय (30 वर्ष), रामबाबू पटेल (35 वर्ष) और अरविंद रैकवार (35 वर्ष) निवासी ग्राम कोर्रही, थाना बिसंडा, जनपद बांदा के रूप में हुई है। बताया गया कि तीनों आपस में घनिष्ठ मित्र थे और अमावस्या पर चित्रकूट जा रहे थे।क्षेत्राधिकारी यातायात सौरभ सिंह ने सोमवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण बाइक की तेज रफ्तार तेज थी।हादसे के संबंध में सीओ ने बताया कि बाइक सवार तीनों युवक चित्रकूट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर सामने से जा रहे किसी अज्ञात वाहन से उनकी टक्कर हो गई। दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, हादसे के बाद फरार अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

■ **बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन से भिड़ी बाइक**

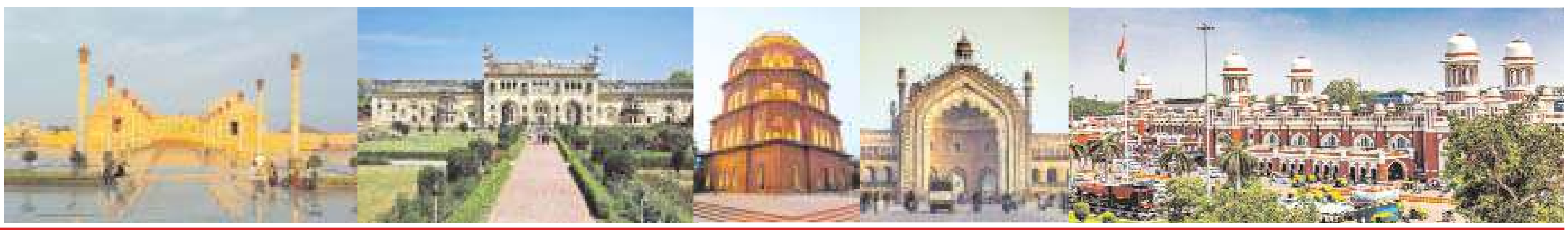

एलडीए वरूण विहार व नैमिष नगर योजना को एक साथ करेगा लांच

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण अपनी

–३१०० से अधिक आवासीय भूखण्डों के लिए खुलेगा ऑनलाइन पंजीकरण

–एलडीए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयार की लांचिंग की रूपरेखा

वरूण विहार व नैमिष नगर योजना को एक साथ लांच करेगा। इन योजनाओं के 2-2 सेक्टरों में लगभग 3100 आवासीय भूखण्डों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा।

ये भूखण्ड 72 वर्गमीटर से लेकर 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सोमवार को पारिजात सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करके लांचिंग की रूपरेखा तैयार की। साथ ही दोनों योजनाओं में 18 मीटर से 45 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान रोड का कार्य शुरू कराने के निर्देश दिये। बैठक में सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह व एसडीएम संगीता राघव समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि आगरा एक्सप्रेस-वे पर लगभग 6,580 एकड़ क्षेत्रफल में वरूण विहार योजना विकसित की जाएगी। जिसके लिए सदर व सरोजनीनगर तहसील के ग्राम-भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना की भूमि जुटायी जा रही है। योजना में लगभग 3.5 लाख की आबादी को आवासीय सुविधा मिलेगी। साथ ही शहर के उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा व लॉजिस्टिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास होगा।

वरूण विहार में लांच होंगे 1926 भूखण्ड

वरूण विहार में 800 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में ग्रीन बेल्ट, पार्क व वॉटर बॉडीज विकसित की जाएगी, जिसमें 1 अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स व सेंट्रल पार्क होगा। इसके अलावा 300 एकड़ क्षेत्रफल में लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जाएगा। उपाध्यक्ष ने बताया कि वरूण विहार योजना में प्रथम चरण में कुल 1926 आवासीय भूखण्ड लांच किये जाएंगे। इसमें कैलाश खण्ड के 1218 और काशी खण्ड के 708 भूखण्ड शामिल हैं।

नैमिष नगर में 1179 भूखण्डों का खुलेगा पंजीकरण

आई0आई0एम0 रोड पर लगभग 3600 एकड़ क्षेत्रफल में प्रस्तावित नैमिष नगर योजना लखनऊ के उत्तरी हिस्से का विकास मॉडल बनेगी। जिसके लिए बी0के0टी0 तहसील के ग्राम-भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फरूखाबाद, कोड़री भौली, कमलाबाद, कमलापुर, पलहरी, गोपरामऊ, बारूमऊ, धतिंगरा, सैदापुर, पश्चिम गांव, धोबैला, उमरभारी व दुग्गौर की जमीन जुटायी जा रही है। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि नैमिष नगर योजना में प्रथम चरण में कुल 1179 भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। इसमें ब्रह्मा खण्ड के 669 और भूमि खण्ड के 510 भूखण्ड शामिल होंगे।

बिजली चोरी में पांच के खिलाफ एफआरआई दर्ज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबंध निदेशक के निर्देशन में बड़े विद्युत बकायेदारों एवं विद्युत चोरी में संलिप्त उपभोक्ताओं पर विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई करते हुये प्राथमिकी भी स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई।

अधिशासी अभियंता रेड असेसमेंट एण्ड कलेक्शन अमौसी क्षेत्र के द्वारा विद्युत चोरी रोकथाम व लाइन लॉस को कम करने हेतु पूर्व चयनित सक्सेस स्टोरी फीडरों मं विभागीय टीम और विजलेंस टीम द्वारा सघन मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया जिसमें 38 सयोजनों को चेक किया गया, जिसमें से 2 उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत चोरी करते पाये गये। इन दोनों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गयी। उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देष्य से वर्तमान में रेड टीम गोमती नगर द्वारा विद्युत चोरी संभावित क्षेत्रों में भ्रमण एवं सघन चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में रेड टीम द्वारा को उपकेन्द्र सेक्टर-4 के अन्तर्गत 28 परिसरों को चेक किया गया,जिसमें कोई भी उपभोक्ता अवैध रूप से विद्युत का उपभोग करते नहीं पाया गया। अधिशासी अभियंता रेड जानकीपुरम जोन के निर्देशन में आज बिजली चोरी रोकने के लिए एक बड़ा संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में सहायक अभियंता,अवर अभियंता रेड और प्रवर्तन दल विजिलेंस टीम की संयुक्त टीम शामिल रही। संयुक्त टीम द्वारा नेवाज गंज दसौली कुर्सी रोड एवं पैकरा मऊ क्षेत्रों में ताबड़तोड़ छापेमारी और सघन जांच की गई। इस दौरान कुल 55 उपभोक्ताओं के परिसरों को चेक किया गया। जांच में 2 उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास कर अवैध रूप से भारी मात्रा में बिजली चोरी करते हुए पाए गए। दोनों आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की गई है लखनऊ मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र आरडीएसओ/तालकटोरा/न्यू कैंट एवं अन्य उपकेन्द्रों पर आयोजित सेफ्टी ट्रेनिंग कार्यक्रम में एसएसओ एवं लाइन स्टाफ को विद्युत सुरक्षा मानकों, कार्य से पूर्व सुरक्षा प्रक्रिया के पालन, शटडाउन प्रोटोकॉल तथा सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने, शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्त करने तथा कर्मचारियों एवं विद्युत परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। लखनऊ मध्य क्षेत्र के अंतर्गत आज हुसैनगंज क्षेत्र में विद्युत चोरी की रोकथाम एवं राजस्व संरक्षण हेतु विशेष मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया। विद्युत चोरी रोको अभियान के अन्तर्गत 1 उपभोक्ता के घर विद्युत चोरी पकड़ी गई जिनके विरूद्ध विभागीय नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

भूखंड स्वामियों को मुआवजा बांटा नहीं, जमीन का अधिग्रहण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। एलडीए का एक दल ने सोमवार को ग्राम पल्हरी में सड़क की नाप कर उसका

बिना मुआवजा दिये हमारे प्लाट एलडीए ने ले लिए

निशान लगाने के लिए गया। जहां पर प्लाट खरीदने वाले तथा पल्हरी के कुछ ग्रामीण, जिनके घर सड़क में आ रहे हैं, वे सभी पहुंच गये। सभी ने अपना तर्क रखा कि अभी तो 50 दिन आपत्ति के लिए एलडीए ने दे रखा है। लोग अपनी आपत्ति लगा रहे हैं। जो लोग रिट दाखिल किये हैं उसमें तारीख पड़ी हुई है। कुछ प्लाट वालों को स्टे मिल गया है। उन्होंने अपने स्टे अधिकारियों को दिखाये। अधिकारियों का कहना था कि अभी हम केवल निशान लगा रहे हैं। भूखंड स्वामियों और पल्हरी निवासियों का कहना था कि हमसे हमारी जमीन को लेने की कोई बात हुई नहीं। पैसा तय नहीं हुआ। पैसा जो एलडीए दे रहा है, वह खेती की जमीन के रेट से दे रहा है। हम लोगों की मांग मार्केट वैल्यू के हिसाब से पैसा देने की है। जब तक हमारी जमीन का पैसा हमें नहीं मिलता तब तक एलडीए कैसे इस जमीन को जबरदस्ती ले सकता है। इस तरह का तर्क-वितर्क काफी देर तक चलता रहा। अधिकारी इस बात में लगे रहे कि जमीन अब विभाग लेकर रहेगा। किसानों का तर्क है कि जब तक हमें हमारी जमीन का मुआवजा नहीं मिल जाता तब तक विभाग कैसे मेरी जमीन ले सकता है। जबकि अभी यह मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बात का जबरदस्त रोष प्लाट खरीदने वाले और किसानों में देखने को मिला। वे सभी वर्तमान सरकार को भी कोसते नजर आये जो इस मुद्दे पर संज्ञान नहीं ले रहा है। उनका कहना था कि हमने अपनी सारी पूंजी लगा दी, लोन लिया तब एक छोटा सा प्लाट ले पाये। सालों पहले हम लोगों ने काफी मंहगा प्लाट लिया। एलडीए 125 रूपये पर स्क्वायर फिट रेट दे रहा है। अगर जमीन लेना आवश्यक है तो हम लोगों को मार्केट वैल्यू के हिसाब से मुआवजा मिले, जिससे हम लोग कहीं और जमीन खरीद कर घर बना सकें। जो लोग जमीन खरीद कर और अपना मकान बना कर कई सालों से रह रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा घोटाले के आरोपियों को किया जाए गिरफ्तार : संजय सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को वाराणसी में आयोजित

–२०० करोड़ से ज्यादा चढ़ावे की चोरी, ५० से अधिक कर्मचारी शामिल

प्रेस वार्ता में राम मंदिर ट्रस्ट, दानपात्र चोरी, चढ़ावे में कथित भ्रष्टाचार और जमीन खरीद मामले को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि प्रभु श्रीराम के नाम पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे में करोड़ों रुपये की चोरी के मामले सामने आने के बाद अब एक और बड़ा घोटाला उजागर हुआ है, जिसमें 2 करोड़ 92 लाख 86 हजार रुपये मूल्य की नजूल जमीन को 24 करोड़ रुपये में खरीदा गया। संजय सिंह ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों की गिरफ्तारी, ट्रस्ट को भंग करने और ईमानदार लोगों को जिम्मेदारी सौंपने की मांग की। संजय सिंह ने कहा कि आज बाबा विश्वनाथ की धरती काशी से वह उन महापापियों का पर्दाफाश कर रहे हैं जो प्रभु श्री राम के नाम पर, राम मंदिर के नाम पर और श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे के नाम पर महापाप कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की गाटा संख्या 247 की 0.645 हेक्टेयर भूमि को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के उप जिलाधिकारी द्वारा 22 जुलाई 2024 को जारी दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि यह नजूल भूमि है। नजूल भूमि सरकारी जमीन होती है और उसका क्रय-विक्रय तब तक नहीं किया जा सकता जब तक उसे विधिवत फ्रीहोल्ड न किया गया हो। संजय सिंह ने कहा कि सरकारी अभिलेखों के अनुसार इस भूमि का मूल्य 2 करोड़ 92 लाख 86 हजार रुपये था, लेकिन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय द्वारा इसे 24 करोड़ रुपये में खरीद लिया गया। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति तीन करोड़ की जमीन को चार, छह, नौ या बारह करोड़ रुपये में खरीद ले तो भी सवाल उठ सकते हैं, लेकिन 2 करोड़ 92 लाख की जमीन को सीधे 24 करोड़ रुपये में खरीदना करोड़ों श्रद्धालुओं के चंदे की खुली लूट है। यह हिंदुओं की आस्था पर सीधा प्रहार है और उनके विश्वास की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस जमीन को बेचने वाले महंत मुरलीधर दास, चेला स्वर्गीय बाबा पूरन दास हैं, जबकि खरीददार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय हैं। इस सौदे में मिथिलेश्वर दास और मुकेश दास गवाह बने। उन्होंने बताया कि जमीन की खरीद 2 अप्रैल 2024 को हुई, जबकि उसके बाद भी 22 जुलाई 2024 को उप जिलाधिकारी द्वारा सत्यापित दस्तावेज में इसे नजूल भूमि बताया गया। इससे पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे में चोरी का आंकड़ा 200 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है। 50 से अधिक कर्मचारी इस मामले में लिप्त पाए गए हैं। कुंभ के दौरान प्रतिदिन 15 से 20 लाख रुपये तक की चोरी होने की बातें सामने आईं। अब तक नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और उनके घरों से नकदी भी बरामद हुई है। इसके बावजूद मुख्य जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

गोमांस तस्करी में प्रयुक्त विक्रम टैम्पो जब्त

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। गोवध निवारण अधिनियम के उल्लंघन और गोमांस परिवहन में प्रयुक्त वाहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए न्यायालय ने एक विक्रम टैम्पो को राज्य के पक्ष में अधिहृत (कन्फिस्केट) करने का आदेश पारित किया है। यह आदेश थाना बिजनौर में दर्ज गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित मुकदमे की सुनवाई के बाद दिया गया। पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत आख्या के अनुसार थाना बिजनौर में दर्ज मुकदमा संख्या 248/2024, धारा 3/5/8 उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम 1955 (यथासंशोधित अधिनियम 2020) के अंतर्गत जांच के दौरान पाया गया कि वाहन संख्या यूपी32 सीजेड8178 (विक्रम टैम्पो) का उपयोग गोमांस के अवैध परिवहन में किया गया था। पुलिस का आरोप था कि वाहन को जानबूझकर गोवध निवारण अधिनियम और उससे संबंधित नियमावली के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अपराध में प्रयोग किया गया, जिसके चलते उसे राज्य के पक्ष में अधिहृत किए जाने की मांग न्यायालय से की गई। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने वाहन के पंजीकृत स्वामी तथा विक्रय अनुबंध के आधार पर वाहन के संभावित क्रेता एवं कब्जाधारकों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने और स्वामित्व संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया। इसके बावजूद किसी भी व्यक्ति ने न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर वाहन पर अपना दावा अथवा स्वामित्व प्रस्तुत नहीं किया। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से उपस्थित संयुक्त निदेशक अभियोजन अवधेश कुमार सिंह ने न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत करते हुए कहा कि उपलब्ध साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि वाहन का उपयोग अवैध गतिविधि में किया गया था। उन्होंने वाहन को राज्य के पक्ष में अधिहृत किए जाने की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली में उपलब्ध अभिलेखों, पुलिस रिपोर्ट तथा अभियोजन पक्ष के तर्कों का परीक्षण करने के बाद पाया कि वाहन का उपयोग गोमांस परिवहन में किया गया था और उसके संबंध में कोई वैध दावा भी प्रस्तुत नहीं किया गया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद गौरा बरहज, जनपद- देवरिया

पत्रांकः 3692/2026न0पा0परि0 (2026–27) दिनांकः 12–06–2026

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

इससे सम्बन्धित सभी फर्मों/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड से नगर पालिका परिषद गौरा बरहज सीमान्तर्गत सी0सी0 रोड एवं 01 अदद् क्रासिंग निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ठेकेदार स्थल निरीक्षण कर नगर पालिका अवर अभियन्ता द्वारा निर्दिष्ट किये गये निम्नलिखित कार्य हेतु शील बन्द निविदा (दर) **दिनांक–20–06–2026 को मध्याह्न 01:00 बजे तक** कार्यालय नगर पालिका परिषद गौरा बरहज पर रखे गये निविदा पेटिका में जमा करना सुनिश्चित करें। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दर दाताओं की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा **अपराह्न 02:00 बजे** खोली जायेगी। इच्छुक व्यक्ति/ फर्म/ठेकेदार **दिनांक– 19–06–2026 को सायं 04 बजे तक** निविदा प्रपत्र नगर पालिका कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त करेंगे।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि (जी0एस0टी0 सहित)	आगणन की धनराशि (जी0एस0टी0 रहित)	जमानत धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	सज्जाद के मकान से बड़ी मस्जिद तक सी0सी0 रोड एवं 01 अदद् क्रासिंग निर्माण कार्य, वार्ड संख्या–22 आजाद नगर दक्षिणी पूर्वी।	451000.00	382008.00	38201.00	400.00	30 दिवस

नियम / शर्तेः–

1. निविदा दाता द्वारा निविदा प्रपत्र की हार्ड कापी, धरोहर धनराशि, निविदा शुल्क, नगरपालिका परिषद गौरा बरहज कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।
2. निविदादाताओ को अनिवार्य रूप से जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी अद्यतन हैसियत व चरित्र प्रमाण पत्र, ठेकेदारी पंजीयन प्रमाण पत्र, श्रम विभाग पंजीयन, जी0एस0टी0 पंजीयन, 3 वर्ष का अद्यतन आई0टी0आर0, पैन कार्ड की छायाप्रति, प्रश्नगत कार्य की प्रकृति के अनुसार (समान आगणन का) अनुभव प्रमाण पत्र, टी0–6 (मूल प्रति 100 रू0 के स्टाम्प पर निर्धारित प्रारूप के अनुसार) एवं बिड कैपेसिटी शत प्रतिशत (मूल प्रति 10 रू0 के स्टाम्प पेपर पर संलग्न प्रारूप के अनुसार) नोटरी अभिप्रमणित निविदा के साथ स्वप्रमाणित प्रति अपलोड करना अनिवार्य होगा।
3. आयकर, लेबर सेस, जी0एस0टी0 के अलावा अन्य सभी देयों की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार की होगी।
4. निविदा के साथ अग्रिम जमानत के रूप में 10 प्रतिशत धनराशि एन0एस0सी0/के0वी0पी0/एफ0डी0आर0 आदि जो अधिशासी अधिकारी के नगरपालिका परिषद गौरा बरहज के पदनाम बंधक होगा को संलग्न कर उसका उल्लेख निविदा प्रपत्र पर करते हुए मूल रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। स्थलवार धरोहर धनराशि नगद या आनलाईन जमा करने पर जमा प्रमाण पत्र/यू0टी0आर0 प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक है अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। पुनः स्पष्ट किया जाता है कि निर्धारित धरोहर धनराशि का जमा प्रमाण पत्र (यू0टी0आर0 प्रमाण पत्र) संलग्न न किये जाने पर निविदा विचारणीय नहीं होगी।
5. प्राप्त निविदाओ के नगरपालिका परिषद गौरा बरहज कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी / सक्षम अधिकारी द्वारा खोला जायेगा।
6. किसी भी निविदादाता की सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
7. पूर्व की निविदाओं के साथ जमा धरोहर धनराशि का समायोजन नहीं किया जायेगा।
8. निविदा प्राप्ति अथवा खोले जाने की तिथि में यदि कार्यालय बन्द होता है तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय एवं स्थान पर खोली जायेगी तथा निविदाओ की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी।
9. कार्य कराये जाने के उपरान्त फर्म/ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत बिलों से आयकर, बिक्रीकर, सेस आदि कर के अलावा अन्य सभी देयो की जिम्मेदारी सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार की होगी।
10. स्वीकृत आगणनों में जी0एस0टी0 का प्रवधान भविष्य में जारी शासन के आदेशो के अनुपालन में मान्य होगा।
11. निविदा मूल्य, नगद जमा रसीद/बैंक ड्राफ्ट निविदा में दर्शायी जायेगी।
12. यह कि टी–6 स्वघोषणा शपथ–पत्र रु 100/– एक (एक सौ रूपये) के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा साक्ष्यों की उपस्थिति में सत्यापित कराते हुए दिया जायेगा। जिसे निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।
13. आगणन में उल्लिखित आइटमों हेतु रेट अलग–अलग नहीं भरे जायेंगे, समस्त दर प्रतिशत में अंको एवं शब्दो में स्पष्ट रूप से भरें जायेंगे।
14. विभागीय दरों से कम दरों पर प्राप्त निविदाओं के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 11593/नौ–5–2021–142सा/2021 नगर विकास अनुभाग–5 दिनांक 07 जनवरी 2022 पूर्व में निर्गत है। विभागीय दर से 10 प्रतिशत कम प्राप्त हुई हो तो उस दशा में प्रथम 10 प्रतिशत तक के लिए परफारमेंस सिक्योरिटी 03 प्रतिशत ही रहेगी। परन्तु उसके पश्चात प्रत्येक 01 प्रतिशत नीचे दर हेतु 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा कराया जायेगा।
15. निविदा प्रपत्र की धनराशि नगर पालिका परिषद गौरा बरहज के एच0डी0एफ0सी0 बैंक बरहज में खुले खाता संख्या–50100221668707, आई0एफ0एस0सी0 कोड–HDFC0004157 में एवं निविदा मूल्य की धनराशि नगद जमा/आर0टी0जी0एस0 करके प्राप्ति रसीद निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है।
16. ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर कार्य पूर्ण न किये जाने की दशा में विलम्ब पर नियमानुसार अर्थ दण्ड देय होगा। एवं जामनत धनराशि जब्त करके ठेका निरस्त कर दिया जायेगा।
17. ठेकेदार को आगणन के अनुसार निर्माण कार्य करना होगा, निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि/कमी पाये जाने पर निविदा निरस्त कर फर्म/ठेकेदार द्वारा जमानत धनराशि को जब्त कर सूची में डालने की कार्यवाही की जायेगी।
18. फर्म/ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्यों की मासिक प्रगति, रिपोर्ट पालिका अवर अभियन्ता के माध्यम से प्रति माह अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने अथवा कार्य में विलम्ब होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा विधिक कार्यवाही जैसे ठेका निरस्तीकरण/अर्थदण्ड आरोपण की कार्यवाही की जा सकती है, इसमें फर्म/ठेकेदार को कोई आपत्ति नहीं होगी।
19. कार्य स्थल पर किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर जिला प्रशासन/न0पा0 द्वारा दिये गये आदेशों/निर्देशो का पालन ठेकेदार को करना होगा।
20. कार्य हेतु फर्म/ठेकेदार अथवा उसके सहयोगी द्वारा निविदा इत्यादि कार्य में व्यवधान, अभद्रता, दुर्व्यवहार इत्यादि करने में सम्बन्धित को ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) में करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट सम्बन्धित थाने में दर्ज करायी जायेगी।
21. जमानत की धनराशि, स्थल पर कार्य संतोष जनक पाये जाने पर अन्तिम भुगतान के पश्चात एक वर्ष व्यतीत हो जाने पर जमानत धनराशि वापस की जा सकेगी।
22. यह कि स्वीकृत कार्यों के तीन चरण की फोटोग्राफी, प्रथम–कार्य प्रारम्भ होने के पहले, द्वितीय– कार्य चलते समय एवं तृतीय– कार्य समाप्त होने के पश्चात स्थल का फोटोग्राफी देना अनिवार्य होगा।
23. एक या समस्त निविदाओ को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी अध्यक्ष / अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गौरा बरहज में निहित होगा।
24. निविदा स्वीकृत के पश्चात कार्यादेश प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर निर्धारित स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध सम्पादित कर कार्य प्रारम्भ करना अनिवार्य होगा, तथा नियत समय के अन्तर्गत पूर्ण करना आवश्यक है अन्यथा विलम्ब की दशा में जमानत धनराशि जब्त कर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। अनुबन्ध हेतु स्टाम्प पेपर (कोषागार) ट्रेजरी से सीधे क्रय करना अनिवार्य होगा।

(निरूपमा प्रताप)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, गौरा बरहज
देवरिया

(श्वेता जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, गौरा बरहज
देवरिया

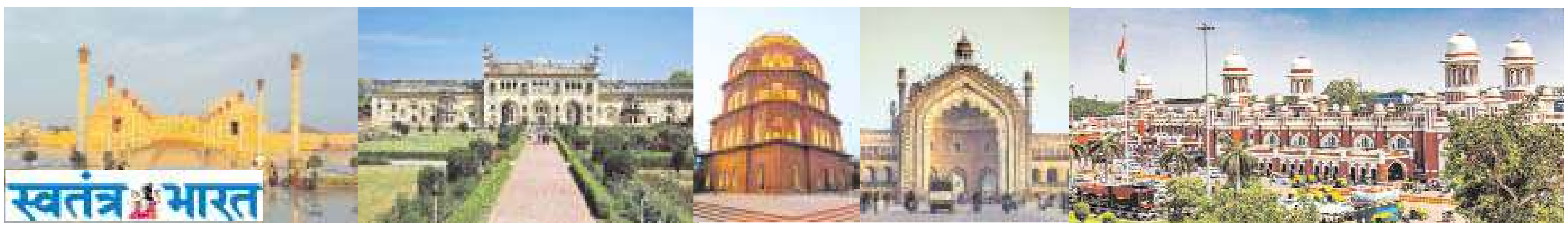
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

जन चौपाल में गूंजीं सीवर, पेयजल और सफाई की समस्याएं

महापौर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नगर निगम लखनऊ द्वारा संचालित जन चौपाल अभियान के अंतर्गत सोमवार को जोन-7 के शंकरपुरवा प्रथम वार्ड स्थित श्री राम लॉन, कुर्सी रोड में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। जन चौपाल में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर क्षेत्रीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और उनके समाधान की मांग की।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने सीवर व्यवस्था की खराब स्थिति, पेयजल आपूर्ति में आ रही दिक्कतों, नालियों की नियमित सफाई न होने, खाली प्लॉटों में कूड़ा डाले जाने तथा डोर-टू-डोर कूड़ा उठान व्यवस्था में कमियों से संबंधित शिकायतें महापौर के समक्ष रखीं। नागरिकों ने कहा कि कई स्थानों पर जल निकासी की समस्या बनी हुई है, जिससे लोगों को दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।महापौर सुषमा खर्कवाल ने जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है और जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।महापौर ने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि स्थानीय समस्याओं की जानकारी मौके पर ही प्राप्त कर उनका शीघ्र समाधान कराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में सफाई, जल निकासी और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।बैठक में खाली पड़े प्लॉटों में कूड़ा फेंके जाने की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई। इस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष केपी सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय कुमार राय, जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद सहित नगर निगम और जलकल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।जन चौपाल के समापन पर महापौर ने कहा कि नगर निगम नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है और जनता से प्राप्त सुझावों को विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा। उन्होंने लोगों से स्वच्छता और नगर विकास के अभियानों में सक्रिय सहयोग की भी अपील की।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगी करने वाले साइबर अपराधी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कानपुर कमिश्नरेट की शिवराजपुर पुलिस और साइबर क्राइम सेल ने सोमवार को एक ऐसे साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो खुद को पुलिस, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाता था। गिरोह के सदस्य वीडियो कॉल और मैसेजिंग एप के जरिए लोगों को झांसे में लेते थे और गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई का भय पैदा कर उनसे मोटी रकम वसूलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि अशरफ खान, सूरज कुमार, राजन कटियार, राजदीप, भीमरतन कुमार और कमल शामिल हैं। सभी को शिवराजपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक टैबलेट, दस बैंक पासबुक, दो चेकबुक और बारह डेबिट कार्ड बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया कि गिरोह साइबर ठगी से मिलने वाली रकम को सीधे अपने पास नहीं रखता था। पहले धनराशि अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, फिर उसे निकालकर क्रिप्टोकरेंसी यूएसडीटी में बदल दिया जाता था। इसके बाद टेलीग्राम पर पी-टू-पी ट्रेडिंग के माध्यम से रकम को दोबारा भारतीय मुद्रा में परिवर्तित किया जाता था, जिससे धन के स्रोत को छिपाया जा सके। वहीं डीसीपी पश्चिम एस.एम कासिम आबिदी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित लंबे समय से संगठित तरीके से साइबर अपराध में शामिल थे। जांच के दौरान ऐसे सैकड़ों बैंक खातों की जानकारी मिली है जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम के लेनदेन में किया गया। गिरोह के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह पिछले तीन वर्षों से सक्रिय होकर नेशनल साइबर क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और प्रतिबिंब पोर्टल पर इनके इस्तेमाल किए गए खातों से जुड़ी करीब ढाई हजार शिकायतें दर्ज मिली हैं। प्रारम्भिक जांच में करीब पंद्रह करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी का पता चला है। आरोपित ग्रामीण और कम पढ़े-लिखे लोगों को झांसा देकर बैंक खाता खुलवाने के लिए तैयार करते थे और बदले उन्हें कमीशन दिया जाता था। साइबर ठगों द्वारा इन्हीं खातों का उपयोग कर साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि को इधर-उधर करने के लिए किया जाता था। खाता फ्रीज होने या पुलिस की नजर पड़ने पर आरोपी पासबुक और एटीएम कार्ड नष्ट कर देते थे ताकि साक्ष्य मिटाए जा सकें। पुलिस के मुताबिक इस गिरोह के खिलाफ उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भी शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त की ओर से गिरोह का खुलासा करने वाली टीम को डीसीपी पश्चिम ने पच्चीस हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है।

खबर एक नजर

कड़े के लालच में दोस्त ने की दोस्त की हत्या, गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। नोएडा के थाना कासना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व मिले एसी मैकेनिक के जले हुए शव की गुत्थी को पुलिस ने आज सुलझाते हुए उसके ही दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान शहजाद उर्फ बिट्टू (19) निवासी गांव दौला राजपुर के रूप में हुई है। आरोपित ने सोने के कड़े हड़पने की नीयत से अपने मित्र की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में शव को जलाकर उसकी पहचान मिटाने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, तीन पीली धातु के कड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि बीते 12 जून को चीरसी गांव की नहर के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला था जो आंशिक रूप से जला हुआ था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। दनकौर थाना क्षेत्र के दौला राजपुर निवासी 23 वर्षीय हुजैफ पुत्र मुज्जमिल के रूप में हुई थी। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में अधिकारियों ने खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही साक्ष्यों के आधार पर मृतक के संपर्कों की जांच-पड़ताल की गई। पुलिस के मुताबिक मृतक हुजैफ और आरोपित शहजाद आपस में घनिष्ठ मित्र थे और दोनों नशे के आदी थे वह नया मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और एयर कंडीशनर का काम शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत थी। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई हत्या के बाद आरोपित कड़े लेकर वहां से भाग निकला। वहां उसने शव की पहचान मिटाने के उद्देश्य से अपनी बाइक से पेट्रोल निकाला और शव पर छिड़ककर आग लगा दी और जब लपटें तेज होने पर उसे डर लगा कि आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच सकते हैं। उसी डर से शव को नहर में फेंकने की योजना पूरी किए बिना ही वहां से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, तीन पीली धातु के कड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

ऑनर किलिंग में बहन का हत्यारा भाई 48 घंटे में गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र में ऑनर किलिंग मामले में युवती की हत्या के आरोपित भाई को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार युवती के कथित अवैध संबंधों का विरोध करने के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। आरोपित भाई सनी मोहम्मद के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक 12 जून को ग्राम सैन्जना मुस्लिम निवासी मुस्कान (20 वर्ष) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतका की मां की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुस्कान का अपनी मौसी के बेटे हशमत से प्रेम प्रसंग था और वह उससे निकाह करना चाहती थी। परिवार में इस संबंध को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपित भाई इस रिश्ते का लगातार विरोध कर रहा था। पुलिस के अनुसार घटना से एक दिन पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। 11 जून की रात नाराज भाई ने योजनाबद्ध तरीके से घर में रखे तमंचे से सो रही बहन के सिर में गोली मार दी और फरार हो गया। पुलिस ने 14 जून को आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि एक ऑनर किलिंग का केस है । पुलिस को रिपोर्ट हुआ कि गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सैजना मुस्लिम में एक युवती की गोलीमार कर हत्या कर दी गई है । पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक युवती का अपने मौसेरे भाई से प्रेम प्रसंग था जिसका मृतका का भाई विरोध करता था घटना से एक दिन पहले भी दोनों भाई बहन के बीच विवाद हुआ था । इसके बाद मृतका के भाई सनी मोहम्मद ने युवती की गोली मारकर हत्या कर दी और अवैध तमंचे और कारतूसों को कब्रिस्तान में छुपा कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया गय है।

साधू का हत्यारा एक लाख का इनामी इजराइल मुठभेड़ में ढेर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बांगरमऊ थाना पुलिस और एसओजी की टीम ने सोमवार को एक लाख रुपये के इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इस कार्रवाई में एसओजी का सिपाही घायल हुआ, जबकि एक गोली उपनिरीक्षक के बुलेटप्रुफ जैकेट में भी लगी है। इनामी बदमाश एक साधु की हत्या की वारदात के बाद से फरार चल रहा था। घटना के बाद एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि बांगरमऊ थाना क्षेत्र स्थित पूर्विया टोला कस्बा निवासी इसराइल उर्फ इजराइल ने बीती नौ जून को निर्माणाधीन मंदिर से तीन सौ मीटर दूर पार्षद अतीक की झोपड़ी में अपने साथियों के साथ मिलकर साधु मिलनदास की चाकू से गोदकर की हत्या कर दी थी। इस घटना में आरोपित यामीन, शफी, लल्ली और अली मोहम्मद को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपित इजराइल हत्या के बाद से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। एसपी ने बताया कि सोमवार तड़के बांगरमऊ थाना पुलिस एसओजी टीम के साथ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे हवाई पट्टी सर्विस रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस बीच सूचना मिली कि बाबा मिलन दास की हत्या में फरार इनामी आरोपित किसी साथी के इंतजार में ताजपुर अंडरपास के पास खड़ा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाश को आत्मसमर्पण के लिए कहा। लेकिन उसने आत्मसमर्पण करने के बजाए पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। बदमाश की गोली लगने से एसओजी सिपाही विकास भदौरिया घायल हो गये। वहीं, बांगरमऊ कस्बा चौकी प्रभारी न्यूटन कुमार सिंह के बुलेट प्रूफ जैकेट में गोली जा लगी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश और सिपाही को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने इनामी बदमाश इसराइल उर्फ इजराइल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, तमंचा मय कारतूस बरामद किया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पत्नी की खुदकुशी के बाद आहत पति ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में ससुरालियों पर लगाया गंभीर आरोप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। नोएडा में थाना सूरजपुर क्षेत्र के कस्बा निवासी ऑटो चालक ने सोमवार को पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस को उसके कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। पुलिस का दावा है कि तीन दिन पहले नॉलेज पार्क स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल की तीसरी मंजिल से कूद कर ऑटो चालक की पत्नी ने खुदकुशी की थी। उसकी पत्नी की परिजन उस पर गंभीर आरोप लगा रहे थे। इसके बाद से वह परेशान था।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मूलरूप से जनपद मेरठ के बाफर गांव का रहने वाला 21 वर्षीय सौरभ चौधरी सूरजपुर स्थिति एक कॉलोनी में अपनी मां के साथ रहता था। सौरभ ने सोमवार को अपने कमरे में पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस को सौरभ के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। पुलिस का दावा है कि उसने सुसाइड नोट में लिखा है कि पत्नी की मौत के बाद से वह काफी परेशान था। पत्नी के परिजन उस पर झूठा आरोप लगा रहे थे, जिससे परेशान होकर वह अपनी जान दे रहा है। उनके मुताबिक सौरभ की पत्नी पारुल ने तीन दिन पहले नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र मे स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल की तीसरी मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में पारुल के पिता ने पुलिस से शिकायत की थी। परिजनों ने पति और सास पर बेटी की दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया कि उनकी बेटी परेशान किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही थी।उन्होंने बताया कि पुलिस को सौरभ के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। सौरभ ने सुसाइड नोट में मां का फोटो बनाकर लिखा है कि मां मुझे माफ कर देना। बताया जा रहा है कि सुसाइड नोट में सौरभ ने पत्नी के परिजनों का भी जिक्र किया है, जिसमें उसने परेशान करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर सोमवार को यह बात वायरल हुई कि वह पुलिस हिरासत से भाग कर अपने घर गया था और आत्महत्या कर लिया। इस मामले में अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय संतोष कुमार ने बताया कि सौरभ को हिरासत में नहीं लिया गया था। ऐसे में उसके पुलिस हिरासत से भागने का बात पूरी तरह निराधार है।

स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में बड़ी गिरफ्तारी

वाराणसी से दबोचा गया हत्या के मुकदमे का आरोपी

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में स्कॉर्पियो सवार युवकों पर जानलेवा फायरिंग करने के चर्चित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने वाराणसी में छापेमारी कर मामले के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी पर पहले से हत्या जैसे गंभीर अपराध का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस की इस कार्रवाई को घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार 5 जून 2026 को खरगापुर निवासी शुभम त्रिपाठी ने थाना गोमतीनगर विस्तार में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उनकी तथा उनके मित्र अमित सिंह, अभिषेक मिश्रा, मिहिर सिंह और अमन सिंह की स्कॉर्पियो पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। आरोपियों ने वाहन पर कई राउंड गोलियां चलाई, जिससे स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा संख्या 104/2026 धारा 109 एवं 324(4) बीएनएस के तहत राहुल सिंह और अन्य तीन लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया।विवेचना के दौरान वाराणसी निवासी नीरज पाण्डेय का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। गोमतीनगर विस्तार पुलिस टीम वाराणसी पहुंची और थाना सिगरा पुलिस के सहयोग से तकनीकी निगरानी तथा स्थानीय सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने छित्तुपुर स्थित उसके आवास पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी नीरज पाण्डेय पुत्र दयानन्द पाण्डेय, नई पोखरी पिशाच मोचन, छित्तुपुर वाराणसी का निवासी है और उसकी उम्र लगभग 36 वर्ष बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में वाराणसी के कोतवाली थाने में हत्या और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धारा 302 एवं 201 के तहत मुकदमा दर्ज है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी को गिरफ्तार कर लखनऊ लाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।गोमतीनगर विस्तार पुलिस की इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक उमंग, हेड कांस्टेबल रामू यादव, आरक्षी विशाल सिंह तथा आरक्षी रवीन्द्र कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि राजधानी में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले और जानलेवा वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

जनता दर्शन में उमड़ी फरियादियों की भीड़

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मौके पर दिए कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिकायतकर्ता और फरियादी पहुंचे, जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक और जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उपमुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान पानी, नाली, सड़क, चकमार्ग, पुलिस से जुड़े विवाद, अतिक्रमण और अवैध निर्माण जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। इन मामलों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उपमुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता की और शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कार्यक्रम में कई जरूरतमंद लोगों ने अपनी आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी रखीं। मुरादाबाद की लज्जा देवी और सीतापुर के हीरा लाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर उपमुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को पात्रता की जांच कर नियमानुसार जल्द आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।इसी प्रकार अम्बेडकर नगर की प्रियंका ने अपने पति के उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की, जबकि बालामऊ निवासी अवधेश कुमार ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई। उपमुख्यमंत्री ने दोनों मामलों को संवेदनशीलता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जनता दर्शन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि वे जनता की समस्याओं को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी स्वयं को जनसेवक मानकर कार्य करें तथा प्रत्येक शिकायत का समाधान नियमों के अनुरूप और निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पर्यटन स्थलों के विकास को मिली रफ्तार

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों के विकास को नई गति देने में जुटी है। इसी क्रम में विभिन्न जनपदों में करोड़ों रुपये की लागत से पर्यटन एवं सांस्कृतिक महत्व की परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कराया जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि प्रदेश के लगभग सभी जनपदों में पर्यटन विकास एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए धनराशि जारी कर निर्माण कार्य शुरू करा दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य आस्था, संस्कृति और पर्यटन को प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए विकास को नई दिशा देना है।मंत्री ने बताया कि जनपद आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 197 करोड़ 27 लाख रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके सापेक्ष 144 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराए जा रहे इस कार्य में अब तक लगभग 76 प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल कर ली गई है। संग्रहालय के निर्माण पूर्ण होने के बाद यह प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आकर्षण केंद्रों में शामिल होगा।उन्होंने बताया कि राजधानी लखनऊ के ऐशबाग स्थित ऐतिहासिक रामलीला मैदान के सौंदर्यीकरण का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। लगभग 14 करोड़ 40 लाख रुपये की स्वीकृत परियोजना के लिए 12 करोड़ 34 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस परियोजना का लगभग 98 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। सौंदर्यीकरण के बाद यह परिसर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों के लिए और अधिक सुविधाजनक एवं आकर्षक बनेगा।जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी के सारनाथ स्थित ऐतिहासिक धमेक स्तूप पर लाइट एंड साउंड शो विकसित करने की योजना भी प्रगति पर है।

सपनों को पंख देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से सोमवार को लखनऊ के लिए पहली व्यावसायिक उड़ान रवाना हुई। इस ऐतिहासिक उड़ान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें वे किसान भी शामिल थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी भूमि दी थी। अपनी ही जमीन पर बने विश्वस्तरीय हवाई अड्डे से पहली बार विमान में बैठकर राजधानी पहुंचे किसानों के चेहरे पर खुशी, गर्व और भावुकता साफ दिखाई दी। किसानों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद किसानों ने कहा कि वर्षों पहले उन्होंने जिस भूमि को विकास के लिए समर्पित किया था, आज उसी भूमि पर बने एयरपोर्ट से उड़ान भरना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। किसानों का कहना था कि यह केवल हवाई यात्रा नहीं, बल्कि विकास में उनकी भागीदारी का प्रतीक है।जेवर निवासी पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत की गई थी। उन्होंने कहा कि पहली बार हवाई जहाज में सफर करने का अवसर मिला है, जो उनके जीवन का सबसे सुखद अनुभव है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सम्मान बढ़ाया है और उन्हें विकास यात्रा का सहभागी बनाया है।किसान धर्मवीर शर्मा ने कहा कि उनके गांव में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह साबित कर दिया है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उसकी प्राथमिकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों से किया गया हर वादा पूरा किया गया है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर बिहार ले गया युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र से लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप में एक युवक को बिहार के वैशाली जनपद से गिरफ्तार किया गया है। सर्विलांस सेल की मदद और लगातार की गई पुलिस कार्रवाई के बाद यह सफलता हासिल हुई। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 10 मई 2026 को किशोरी की मां ने गुडम्बा थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री बिना किसी सूचना के घर से चली गई है और वापस नहीं लौटी है। शिकायत के आधार पर थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 196/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज द्वारा की जा रही थी।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की सहायता ली। जांच में किशोरी और एक संदिग्ध युवक की लोकेशन बिहार के वैशाली जनपद में मिली। इसके बाद उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज, उपनिरीक्षक जय बहादुर राय, आरक्षी रघुवीर यादव और महिला आरक्षी ऋचा सिंह की टीम को किशोरी की बरामदगी के लिए बिहार रवाना किया गया।पुलिस टीम ने वैशाली जिले में लगातार पतारसी और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। सर्विलांस से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने दीघी कला पूर्वी क्षेत्र में दबिश देकर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही उसके साथ मौजूद सूरज वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी सूरज वर्मा पुत्र प्रभाशंकर वर्मा निवासी चन्दनापुर, थाना मसौली, जनपद बाराबंकी का रहने वाला है और उसकी उम्र 23 वर्ष बताई गई है।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह किशोरी से प्रेम करता है और शादी करने के उद्देश्य से उसे अपने साथ लेकर गया था। हालांकि पीड़िता के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने मामले में गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के बाद मामले में धारा 87 बीएनएस की बढ़ोत्तरी भी की गई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार नाबालिग पीड़िता को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया है तथा उसका चिकित्सकीय परीक्षण एवं बयान दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।गुडम्बा पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई से न केवल नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद किया गया, बल्कि मामले के आरोपी को भी कानून के शिकंजे में लाया गया। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी तथा ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

पर्यटन को प्रोत्साहन

पश्चिम एशिया में तीन महीने से भी अधिक समय से जारी जबर्दस्त अशांति के कारण पूरा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य संकटग्रस्त हो चुका है। भारत इसका अपवाद नहीं है जो आयात की जाने वाली महत्वपूर्ण वस्तुओं जैसे कच्चे तेल, गैस और उर्वरक के लिए काफी बढ़े दाम दे रहा है। इसीलिए खुद प्रधानमंत्री ने सोना न खरीदने, पेट्रोल डीजल बचाने और विदेश यात्राएं कम करने की सलाह दी है। लक्ष्य एक ही है कि विदेशी मुद्रा बचाई जाए। इसका एक बेहतर समाधान हो सकता है कि विदेशी मुद्रा की आमद ही बढ़ाई जाए। इसके लिए भारत के पास सबसे आसान रास्ता अपने पर्यटन उद्योग में संभावनाएं तलाशना है। यह सांस्कृतिक विविधता तथा अनूठी लोक संस्कृतियों का ऐसा समृद्ध देश है जिसका मुकाबला कोई अन्य देश नहीं कर सकता है। यदि इनकी ओर देश विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के और बेहतर उपाय किए जाएं तो जहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि और निखरेगी, वहीं इससे आय में भी बढ़ोतरी होगी। इससे विदेशी पूंजी अर्जित करने का नया रास्ता भी खुल सकेगा। अभी तक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक धरोहरों के स्थलों को पर्यटन का मुख्य केंद्र बनाया गया था जो काफी प्रभावी सिद्ध हुआ। दिल्ली का लाल किला, आगरा का ताजमहल, मुंबई का गेटवे ऑफ इंडिया, लखनऊ का इमामबाड़ा और राजस्थान के रणथंभौर, आंबेर के तथा अन्य किले इसी श्रेणी में आते हैं। इसी क्रम को बढ़ाते हुए लोक संस्कृति को भी पर्यटन के साथ जोड़ा जाए तो दोनों अभूतपूर्व ऊंचाई तक जा सकते हैं। यहां की घरेलू दस्तकारियां, अनूठे लोक नृत्य और ग्रामीण लोक व्यवहार वैसे भी विदेशी और देशी पर्यटकों को अपनी ओर खींचते रहे हैं। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अक्सर ऐसा देखने में आता रहा है। कृषि प्रधान देश होने से यहां की लोक संस्कृति को विशिष्ट आयाम मिलता है। देश के सकल घरेल उत्पाद के आंकड़ों के अनुसार कृषि क्षेत्र के मुकाबले सेवा क्षेत्र से और अधिक आय प्राप्त होती है और इस क्षेत्र में पर्यटन की मुख्य भागीदारी है। इसलिए सेवा क्षेत्र की विविधताओं का पर्यटन से जुड़ाव आर्थिक गतिविधियों के नए आयाम निश्चित रूप से खोलेगा। इसके अलावा हमारे यहां की लोक संस्कृति का प्रचार-प्रसार विदेशों तक होगा और भारत के प्रति विदेशियों का आकर्षण और बढ़ेगा। अच्छा हो यदि केंद्र और राज्य सरकारें पर्यटन को प्रोत्साहन के लिए मिलकर नीतियां और कार्यक्रम बनाएं तथा उनको अमल में लाएं।

उपयोगी योजना

ऊर्जा संकट और ऊर्जा बचाने की बढ़ती जरूरत के आज के समय में उत्तर प्रदेश सरकार एक उपयोगी कदम उठाने जा रही है जिसके अंतर्गत एक लाख से अधिक लघु बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मकसद है कि ग्रामीण परिवार कम लागत में अपने घरों पर ही मिनी बायोगैस संयंत्र लगाकर रसोईगैस के खर्च में बड़ी कमी ला सकें। इस योजना के अनुसार 25 से 50 हजार रुपए की लागत में लघु बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा सकेंगे। इससे गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट का उपयोग कर स्वच्छ ईंधन तो तैयार होगा ही, साथ में किसानों को जैविक खाद भी बड़े पैमाने पर प्राप्त होगी। इसके अलावा ग्रामीणों को रसायनमुक्त भोजन भी प्राप्त हो सकेगा। इस योजना के तहत बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार कम खर्च में अपने घरों पर इन्हें स्थापित कर सकेंगे। इस तरह यह योजना गो संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण परिवारों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनाएगी और इस तरह उनकी घरेलू बचत में इजाफा होगा। यह एक तथ्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली का अब अधिकाधिक उपयोग बढ़ता जा रहा है और इसके पारंपरिक साधनों की जगह ले ली है। इसका मुख्य कारण कम खर्च, आसानी से उपलब्धता तथा सुविधाजनक इस्तेमाल है। यह बात अभी तक इस्तेमाल किए जाने वाले ऊर्जा के साधनों में नहीं थी। उनमें असुविधा और खर्च दोनों ही काफी अधिक थे। दूसरी बात यह कि गो संरक्षण प्रदेश सरकार की एक प्रमुख नीति है जिसके अंतर्गत कई व्यापक कदम उठाए गए हैं। बायोगैस संयंत्रों में अधिकाधिक इस्तेमाल होने से गोबर का सही ढंग से उपयोग होगा और उसके फायदे भी मिलेंगे। स्पष्ट है कि इस कदम से गो संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ेंगे। बस ध्यान यह रखना होगा कि ग्रामीण जनसंख्या को इस बहुउपयोगी योजना का आसानी से लाभ मिल सके।

अमेरिकी मित्रता में डूबते भारतीय भरोसे के जहाज

– ईके मिश्र

अमेरिका के प्रति भारत की शिखरस्थ सहिष्णुता , एक राष्ट्र के रूप में हमारे स्वाभिमानी स्वायत्तता के सिद्धांतों को चुनौती दे रही है। प्लाऊ के झंडे तले परिचालन करने वाले वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी नौसेना का हमला हुआ, जिसके चालक दल में सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई। साल की शुरुआत में रूस के झंडे तले चलने वाले 'बेला वन' नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने अपने हेलीकॉप्टर उतार जब्तीकरण की कार्यवाही की थी। आरोप था, रूस का यह जहाज वेनेजुएला के प्रतिबंधित तेल को ले जा रहा था। इस जहाज और चालक दल पर गोलीबारी कर हिंसक कार्यवाही नहीं की गई थी। बल्कि कैप्टन को छोड़ बाकी सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित वापसी अमेरिका ने सुनिश्चित की। रूसी झंडे की महत्ता ने , न केवल सैन्य मुठभेड़ को दरकिनार किया बल्कि चालक दलों को भी सुरक्षित रखा । हालांकि जब्तीकरण के इस वाकये ने रूस की अंतरराष्ट्रीय छवि को धूमिल किया था। इस घटना के बाद समुद्री जलमार्गों में शैडो फ्लीट या गुप्त जहाजी बेड़ों की आवाजाही भारी मात्रा में बढ़ी है। दरअसल प्रत्यक्ष विवादों व प्रतिबंधों से बचने के लिए और कम लागत, सस्ते शुल्क तथा शिथिल नियमों का लाभ उठाने के लिए विश्व के कई देश समुद्री आवागमन के लिये सुविधाजनक राष्ट्र ध्वजों का वरण करते हैं। व्यापारिक दृष्टि से अपनाई गई यह सुविधा , जहाजों पर तैनात चालक दलों की दुविधा का बड़ा कारण बनती है और अब यह उनके जीवन को भी लील रही है। युद्ध और तनावपूर्ण स्थितियों में लिप्त पक्षों के सरलतम मारक लक्ष्यों में यह गुप्त जहाज बेड़े होते हैं। चूंकि बड़ी आर्थिक शक्तियां जो अक्सर ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था को अपनाती है , वृहद हितों व प्रतिष्ठा को ऊपर रखते हुए , सीधे संघर्ष और उत्तरदायित्व से बचना पसंद करती है। जबकि युद्धरत पक्षों के लिए ऐसे हमले विश्वस्तर पर सैन्य प्रवीणता सिद्ध करने का जरिया बनते है। भारतीय जीवन निधि पर किए गए अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद भारत सरकार की प्रतिक्रिया कूटनीतिक प्रोटोकॉल आधारित रही, जिसमें कार्यवाहक राजदूत जैसन मिक्स को दो बार तलब कर कड़ी निंदा की गई। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के अनुच्छेद 38 के अनुसार, सभी जहाजों और विमानों को ट्रांजिट पैसेज का अधिकार है, अनुच्छेद 17 के अनुसार, सभी विदेशी जहाजों को किसी भी देश के जलक्षेत्र में आवाजाही का अधिकार है , ऐसे में गैर-युद्धरत जहाजों को निशाना बनाना पूर्णतः अवैध है। इसके खिलाफ हमें अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को तलब कर , सख्ती से माफी व मुआवजे की मांग रखना चाहिए । आवश्यकता अनुसार हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। फारस की खाड़ी और होर्मुज में अमेरिका के द्वारा खड़ी की गई नाकाबंदी के बाद से शैडो फ्लीट समेत लगभग 200 वाणिज्यिक जहाजों को गुप्त रूप से रास्ता देने का दावा खुद ट्रंप कर रहे थे। यही नहीं अमेरिका ने जहाजों के गोपनीय परिवहन के लिए ,ढूस ट्रांसपोंडर ऑफ (लोकेशन बंद) करने की तकनीक और ओमान के तटीय क्षेत्र से गुजरने के मार्ग भी सुझाए। अब जो जहाज इस माहौल में परिवहन संचालन करते हो, उन्हें अचानक निशाने पर लेना स्पष्ट करता है कि अमेरिका समुद्री परिवहन में भी वही भ्रम की स्थितियां पैदा कर रहा है, जो भारत के रूस से तेल खरीदने पर करता है। तेल की वैश्विक आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए युद्धकाल में रूसी तेल क्रय को प्रोत्साहित करना और निज हित सधते ही, वही रूस का तेल खरीदने पर टैरिफ थोपना। आज भारत को आवश्यकता है कि इस अमेरिकी पटकथा का यथोचित रहस्योद्घाटन करे, भारतीय विदेशमंत्री विश्वपटल पर इसका मुखर उल्लेख तो करते हैं, लेकिन नायक की तरह इस पटकथा का अंत नहीं कर पा रहे हैं। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए अमेरिका आधारित नीतियों पर निर्भरता को खत्म कर के ही , हम राष्ट्रीय गौरव व नागरिक सम्मान को बनाए रख सकेंगे । हमें, अमेरिका को सहयोगी व साझेदार के रूप में देखने के फितूर से बाहर निकलना होगा, इस बात की प्रतीक्षा भी निरर्थक ही है कि, अमेरिकी नेतृत्व के बदलने से समीकरणों में कुछ विशेष अंतर आएगा। अमेरिकी उप विदेश मंत्री के बयाँ से यह स्पष्ट होता है, जो कहते है- 'हम समझौतों को लेकर भारत के साथ वह गलती नहीं करेंगे जो 20 साल पहले चीन के साथ की थी।' उनकी यह बात चीन को दी गई तकनीकी सहायता और बाजारों तक उन्नत पहुंच को लेकर थी, जिसने चीन को आज अमेरिका के समकक्ष खड़ा कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ हो या हार्मूज की नाकेबंदी , चीन ने सीना तान अमेरिकी को चुनौती पेश की है। टैरिफ के बदले टैरिफ , दुर्लभ खनिज के निर्यात पर प्रतिबंध , ताइवान पर सीधे चेतावनी और ईरान से पाकिस्तान के रास्ते निरंतर तेल आयात, यह सभी वो कदम हैं जो अमेरिकी साम्राज्य को स्पष्ट चुनौती देते हैं। पर क्या चीन आज इस मजबूत स्थिति में एकाएक पहुंचा है 1980 से 1990 के दशक में जब चीन अपनी विकास यात्रा को गढ़ रहा था,तब चीनी सर्वोच्च नेता 'डेंग शियाओपिंग' ने 'ताओगुआंग यांगहुई (अपनी ताकत छुपाओ, सही समय का इंतजार करो)' के सिद्धांत को प्रतिपादित किया जिसके तहत चीन ने अंतर्राष्ट्रीय विवादों में अमेरिका को सीधे चुनौती न देकर, ऊर्जा जरूरतों और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित विकास को प्राथमिकता दी। इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण तब देखने को मिला जब सन 1999 में कोसोवो युद्ध के दौरान अमेरिका ने यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में स्थित चीनी दूतावास पर हमला किया, जिसमें 3 चीनी पत्रकार मारे गए और बीसियों चीनी घायल हुए। इसके बाद चीन में भारी जनआक्रोश फैला , अमेरिकी दूतावास पर पथराव हुए, चीनी सेना भी तुरंत जवाबी कार्यवाही करना चाहती थी, लेकिन राष्ट्रपति जियांग जेमिन ने सैन्य टकराव के बजाए अमेरिका से औपचारिक माफी और मुआवजे की मांग की और मामले को शांत कर दिया। चीन यह समझता था कि उस दौर में अमेरिका से सीधा संघर्ष उसकी अर्थव्यवस्था और विकास लक्ष्यों को आहत करेगा , फलस्वरूप उसने भी सहिष्णुता के उन रास्तों को अपनाया, जो आज भारत अपना रहा है। भारत के लिए यह चुनौती दोहरी हो जाती है , अमेरिका और चीन दोनों भारत को तीसरी महाशक्ति बनने से रोकना चाहते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की अगुवाई में आज भारत अतुलनीय कार्य कर रहा है, कई सामरिक महत्व की निर्माण योजनाएं कार्य कर रही हैं, अंतरिक्ष में भारत की मौजूदगी बड़ी है, ऐसे दौर में अमेरिका से सीधा संघर्ष कई मोर्चों पर भारत को नुकसान पहुंचा सकता है। यद्यपि पारंपरिक रूप से भारत में मानव जीवन की महत्ता को सर्वोपरि माना गया है, तदर्थ हम भौतिक व्यापारिक हितों को पुष्ट करने के लिए अमेरिकी तुष्टिकरण की नीति पर पूर्णतः नहीं चल सकते हैं । राष्ट्र प्रथम की भारत नीति और भारतीयों की जीवन निधि को सार्वभौमिक मंच पर हमें प्रधानता के साथ आलोकित करना होगा। भारत सरकार भले तटस्थ रुख को अपनाए रखे लेकिन राष्ट्रवाद के उदात्त चरित्रों को, आनुषंगिक संगठनों को , छात्रों व स्वयंसेवकों को , हम भारतवासियों को, अमेरिकी राहों के आड़े आने दे, उनके चहेते दूतों के कानों में हमारे मृत भाइयों के विरह से उठे करुण कष्ट के कुछ स्वर पहुंचने दे , भारत स्थित उनके घर के कुछ बर्तन खड़काने का लोकतांत्रिक अवसर दे।

यदि ऐसा होता है, तो यह भारत व भारतवासियों का अमेरिकी नेतृत्व को सबसे मुखर और प्रखर प्रत्युत्तर होगा। जिसमें एक तरफ तो वह प्रधानमंत्री मोदी को अपना परम मित्र व प्रमुख साझेदार बताते हैं, लेकिन भारत के खिलाफ टैरिफ और भारतवासियों के विरुद्ध हथियार उठाते हैं। भारतीय जनमानस को स्वसीमित हितों से ऊपर राष्ट्रीय स्वाभिमान का एकस्वर आव्हान करना होगा।

'वसुधैव कुटुम्बकम्' की हमारी सांस्कृतिक सीख को हमें चरितार्थ करना होगा, संपूर्ण जगत जिसे हम परिवार मानते है उसे युद्धस्थ अराजकता के अंध से सहोदय के विश्व बंधुत्व में ज्योतिर्मय करना होगा।

।। यथार्थ गीता ।।

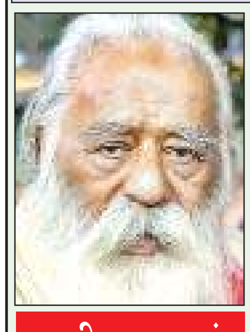

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ द्वादशोऽध्याय:

(गतांक से आगे

इस पर श्रीकृष्ण ने कहा- अर्जुन! निष्काम कर्ममार्ग अच्छा लगे चाहे ज्ञानमार्ग, दोनों ही दृष्टियों से कर्म तो करना ही पडेगा। इतने पर भी जो इन्द्रियों को हठ से रोककर मन से विषयों का स्मरण करता है वह दम्भाचारी है. जानी नहीं। अतः अर्जुन! तू कर्म कर। कौन-सा कर्म करे?, तो 'नियतं कुरु कर्म त्वम्'- निर्धारित किये हुए कर्म को कर। निर्धारित कर्म क्या है? तो बताया- यज्ञ की प्रक्रिया ही एकमात्र कर्म है। यज्ञ की विधि को बताया, जो आराधना-चिन्तन की विधि-विशेष है. परम में प्रवेश दिलानेवाली प्रक्रिया है। जब निष्काम कर्ममार्ग और ज्ञानमार्ग दोनों में ही कर्म करना है. यज्ञार्थ कर्म करना है. क्रिया एक ही है तो अन्तर कैसा? भक्त कर्मों का समर्पण करके इष्ट के आश्रित होकर यज्ञार्थ कर्म में प्रवृत्त होता है, तो दूसरा सांख्ययोगी अपनी शक्ति को समझकर (अपने भरोसे) उसी कर्म में प्रवृत्त होता है, पूरा श्रम करता है।

अध्याय पाँच में अर्जुन ने पुनः प्रश्न किया- भगवन्! आप कभी सांख्य-माध्यम से कर्म करने की प्रशंसा करते हैं, तो कभी समर्पण-माध्यम से निष्काम कर्मयोग की प्रशंसा करते हैं- इन दोनों में श्रेष्ठ कौन है? यहाँ तक अर्जुन समझ चुका है कि कर्म दोनों दृष्टियों से करना होगा, फिर भी दोनों में श्रेष्ठ मार्ग वह चुनना चाहता है। श्रीकृष्ण ने कहा- अर्जुन ! दोनों ही दृष्टियों से कर्म में प्रवृत्त होनेवाले मुझको ही प्राप्त होते हैं; किन्तु सांख्यमार्ग की अपेक्षा निष्काम कर्ममार्ग श्रेष्ठ है। निष्काम कर्मयोग का अनुष्ठान किये बिना न कोई योगी होता है और न ज्ञानी। सांख्ययोग दुष्कर है, उसमें कठिनाइयाँ अधिक हैं।

यहाँ तीसरी बार अर्जुन ने यही प्रश्न रखा कि भगवन् ! आपमें अनन्य भक्ति से लगनेवाले और अव्यक्त अक्षर की उपासना से (सांख्यमार्ग से) लगनेवाले, इन दोनों में श्रेष्ठ कौन है?

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

संसारविषवृक्षस्य द्वे फले अमृतोपमे।
सुभाषितं च सुरवदु सडगतिः सज्जने जने।।

इस संसार रूपी विषैले वृक्ष के दो फल हैं, जो अमृत के समान मधुर व सेवन करने योग्य हैं। पहला, सुभाषित, अर्थात् मधुर वाणी, जो अत्यन्त स्वादिष्ट है और दूसरा, साधु व्यक्तियों का संग-साथ, जिससे व्यक्ति का कल्याण होता है।

♦♦♦

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

– महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं।

परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है। सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं।

काँव-काँव

♦♦♦

भारत दुनिया को समाधान देने वाला देश है- मोदी
जनता अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ़े!
अमेरिका ईरान समझौते का मसौदा बनकर तैयार
इजरायली लॉबी की बेचैनी फिर बढ़ रही होगी!
मई महीने में रूस से कच्चे तेल के आयात में बढ़ोतरी
यह है अंकल सैम को सही जवाब!
अजय राय ने पूरी की नंगे पांव गिरिराज परिक्रमा
जेहिपे बिपदा परत है,सोई आवत यहि देस..
राममंदिर घोटाले की हो न्यायिक जांच -अवधेश
कुछ और जज राज्यसभा सदस्य बनने वाले हैं!
सीक्रेट बायोलैब्स को अमेरिका से फंडिंग-तुलसी
दिल्ली से हजारों लड़कियां आज भी लापता हैं!

♦♦♦

प्रेरक प्रसंग

मोह का नतीजा

एक नदी के किनारे दो मित्र घूम रहे थे। नदी में बाढ़ आ रही थी। बहुत-सी चीजें धारा में बहती दिखाई दे रही थीं।

अचानक एक कम्बल बहता हुआ उधर आया। वह बीच धारा में था। मित्रों में से एक को लालच हो आया। अपने साथी के रोकते रोकते वह पानी में कूद पड़ा।

वह अच्छा तैराक था। जरा-सी देर में कम्बल के पास पहुंच गया। कम्बल पानी में भीगकर बहुत भारी हो गया था। बाढ़ के कारण नदी का बहाव बहुत तेज़ था। उसमें तैरना बड़ा कठिन था। फिर उस भारी कम्बल को लेकर तैरना तो और भी मुश्किल था। वह आदमी जोर लगाकर किनारे की ओर आने की कोशिश करता कि बड़ी-बड़ी लहरें उसे उठाकर तीव्र धारा में पटक देतीं।

किनारे पर खड़े मित्र ने यह देखा तो वह घबरा गया। उसने चिल्लाकर कहा, अरे, कम्बल को छोड़ दो।

लेकिन मित्र का कम्बल के प्रति मोह पैदा हो गया था। मित्र की बात सुनकर उसने कहा, मैं क्या करूं!

मैं तो कम्बल को छोड़ रहा हूं, पर यह कम्बल मुझे नहीं छोड़ रहा है। पानी के तेज बहाव में संघर्ष करते-करते वह थक गया, फिर भी उसने कम्बल को नहीं छोड़ा।

उसे मोह का नतीजा जो होना था, वही हुआ।

उसने कम्बल को नहीं छोड़ा और वह कम्बल के साथ लहरों में समा गया।

मित्र को डूबते देखकर साथी को बड़ा दुःख हुआ। उसके मुंह से निकाला, मोह आदमी को डुबोकर ही चैन लेता है!

आपका पत्र मिला

प्लास्टिक जनित कचरे के खिलाफ जागरूकता बढ़े

पर्यटकों द्वारा प्लास्टिक थैलियों, डिस्पोजल ग्लास, पानी की बोतलें, चिप्स आदि की खाद्य थैलियां उपयोग के बाद कचरे के रूप में इधर-उधर फेंक दी जाती है, इससे न केवल पर्यटन स्थल की सुंदरता बिगड़ती है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण फैलता है और स्थल विशेष की पारिस्थितिकी पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। यह प्लास्टिक जनित कचरा भूमि की उर्वरता को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसका निस्तारण आसानी से सम्भव नहीं है, जलाने पर भी यह गम्भीर वायु प्रदूषण का कारण बनता है। यह कचरा आसानी से नष्ट नहीं किया जा सकता, परिणामतः यह दीर्घकाल तक यह थल,जल और वायु प्रदूषण का कारण बना रहता है। इस समस्या का निदान करना प्रकृति के हितों की रक्षार्थ परम् आवश्यक है। रोकथाम हेतु सभी जरूरी और अनिवार्य कदम उठाए जाना चाहिए। इस समस्या के समाधान हेतु कुछ सुझाव है, जिनका अनुसरण कर एक सीमा तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्लास्टिक की थैलियाँ प्रतिबंधित होने के बावजूद धड़ल्ले से बन रही है, बिक रही है, लोगों द्वारा उपयोग की जा रही है। सर्वप्रथम इनके उत्पादन,विक्रय ,वितरण और उपयोग को समाप्त किया जाए। विकल्प केतौर पर कागज/कपड़े की थैलियों या आसानी से समाप्त होने वाली थैलियों का उपयोग किया जाए। बोतलबंद पानी और पैकेट खाद्य सामग्री के विक्रय को प्रतिबंधित किया जाए, यह किसी भी दृष्टि में पर्यवरण और स्वास्थ्य के लिए हितकारी नही है। इसके लिए लोग स्वयं इस चीजों का उपयोग करना बंद कर दें, और दूसरों को भी इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करें।

मोहित सोनी
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

‘संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा॥

सुंदरकांड में हनुमान सिखाते हैं सफलता के सूत्र

किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरी है योग्यता। सबसे पहले आपको अपनी योग्यता का निर्धारण करना है, उसके बाद आपको यह तय करना है कि आप किस क्षेत्र में सफल होना चाहते हैं। रामचरित मानस का पांचवा अध्याय सुंदरकांड सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। वानरों के सामने एक असंभव सी दिखने वाली चुनौती थी। सौ योजन यानी करीब 400 किमी लंबा समुद्र लांघकर लंका पहुंचने की। जब वानरों के दल में समुद्र लांघने के बात आई तो सबसे पहले जामवंत ने असमर्थता जाहिर की। फिर अंगद ने कहा मैं जा तो सकता हूं लेकिन समुद्र पार करके फिर लौट पाऊंगा इसमें संदेह है। अंगद ने खुद की क्षमता और प्रतिभा पर संदेह जताया। ये आत्म विश्वास की कमी का संकेत है। जामवंत ने हनुमान को इसके लिए प्रेरित किया। हनुमान को अपनी शक्तियों की याद आई और उन्होंने अपने शरीर को पहाड़ जैसा बड़ा बना लिया। आत्म विश्वास से भरकर बोले की अभी एक ही छलांग में समुद्र लांघकर, लंका उजाड़ देता हूं और रावण सहित सारे राक्षसों को मारकर सीता को ले आता हूं। अपनी शक्ति पर इतना विश्वास था हनुमान को। जामवंत ने कहा नहीं आप सिर्फ सीमा मैया का पता लगाकर लौट आइए।

हमारा यही काम है। फिर प्रभु राम खुद रावण का संहार करेंगे। हनुमान ने एक ही उड़ान में समुद्र को लांघ लिया। रास्ते में सुरसा और सिंहिका ने रोका भी लेकिन उनका आत्म विश्वास नहीं डोला। जब हम किसी काम पर निकलते हैं तो अक्सर मन विचारों से भरा होता है। आशंकाएं, कुशंकाएं और भय भी पीछे-पीछे चलते हैं। हम अधिकतर मौकों पर अपनी सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं होते।

जैसे ही परिस्थिति बदलती है हमारा विचार बदल जाता है। ये काम में असफलता की निशानी है। अगर आप इन स्थितियों से गुजरते हैं तो साफ है कि आप में आत्म विश्वास की कमी है। सफलता के लिए सबसे जरूरी है आत्म विश्वास। जब तक हम खुद पर ही भरोसा नहीं करेंगे, हमारे प्रयास कभी सौ फीसदी नहीं होंगे।

दूसरों की धन-संपत्ति देखकर नीयत खराब न करें : स्वामी विवेकानंद

सुखी और सफल जीवन के लिए पैसों के साथ ही ईमानदारी और आत्म सम्मान बहुत जरूरी है। इन गुणों के साथ ही हमें दूसरों की धन-संपत्ति देखकर अपनी नीयत खराब नहीं करनी चाहिए। ये बात स्वामी विवेकानंद जी के एक किस्से से समझ सकते हैं।

प्रचलित किस्से के अनुसार एक दिन किसी व्यक्ति ने स्वामी जी से पूछा कि आप तो संन्यासी हैं, वैरागी हैं और आप कहते रहते हैं कि पैसा कमाओ, लेकिन आप ये बताएं कि हमें पैसा क्यों कमाना चाहिए। विवेकानंद जी ने उस व्यक्ति कि मैं दो प्रकार के धन कमाने के कहता हूं। एक धन वह है, जिससे घर-संसार चलता है और दूसरा धन वह है, जिससे हमारा चरित्र बनता है। स्वामी जी ने अपनी बात समझाने के लिए उस व्यक्ति को एक कहानी सुनाई। एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी।

उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के पुराने मालिक के हैं, जिससे ऊंट खरीदा है। पोटली में हीरे देखकर नौकर ने कहा कि हमें तो ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी।

अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। हीरों के मालिक ने सेठ को हीरा देने की बहुत कोशिश की, लेकिन सेठ ने हीरा नहीं लिया।

जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। इसलिए अब एक और हीरा नहीं चाहिए।

ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। उसने कहा कि मैं तो आपको ईमानदार समझ रहा था, लेकिन आपने तो पहले से ही हीरे रख लिए हैं।

हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे, गिनने के बाद उसे पूरे 50 हीरे मिल गए। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं।

ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपके पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए है। ये कहानी सुनाने के बाद विवेकानंद जी ने उस व्यक्ति को समझाया कि हमें धन कमाना चाहिए, लेकिन ईमानदारी और आत्म सम्मान बनाए रखना चाहिए। दूसरों की धन-संपत्ति देखकर हमें हमारी नीयत खराब नहीं करनी चाहिए।

मूर्तिपूजा का औचित्य

अलवर के दीवान राजा मंगल सिंह ने विवेकानंद को मुलाकात के लिए 1891 में बुलावा भेजा। मंगल सिंह ने विवेकानंद से कहा कि ÷स्वामीजी ये सभी लोग मूर्तिपूजा करते हैं। मैं मूर्तिपूजा में यकीन नहीं करता। मेरा क्या होगा? पहले तो स्वामीजी ने कहा कि ÷हर किसी को उसका विश्वास मुबारक।

फिर कुछ सोचते हुए स्वामीजी ने राजा का चित्र लाने के लिए कहा। जब दीवार से उतारकर राजा का तैल चित्र लाया गया तो स्वामीजी ने दीवान से तस्वीर पर थूकने के लिए कहा। दीवान उनकी बात से अजीब निगाहों से उन्हें देखने लगे। तब स्वामी जी ने कहा कि यह तो मात्र एक कागज का टुकड़ा है फिर भी आपको इसमें हिचक महसूस हो रही है क्योंकि आप सबको पता है कि ये आप के राजा का प्रतीक है? स्वामीजी ने राजा से कहा, ÷आप जानते हैं कि ये केवल चित्र है फिर भी इस पर थूकने पर आप अपमानित महसू करेंगे। यही बात उन सभी लोगों पर लागू होती है जो लकड़ी, मिट्टी और पत्थर से बनी मूर्ति की पूजा करते हैं। वो इन धातुओं की नहीं बल्कि अपने ईश्वर के प्रतीक की पूजा करते हैं।

शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से मिलते हैं कई लाभ

ईश्वर के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने का सभी को अलग-अलग तरीका होता है। हिंदू धर्म में पूजा को ईश्वर का आराधना का जरिया माना गया है। पूजा के दौरान

दीपक जलाना भी एक जरूरी प्रक्रिया है। ऐसे में यदि आप रोजाना मुख्य द्वार पर दीपक जलाते हैं तो इससे लक्ष्मी मां की कृपा आपके परिवार पर बनी रहती है। ऐसे में इन दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। **इस समय जलाएं दीया :** शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से व्यक्ति को बहुत से लाभ मिलते हैं। इससे नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही इससे राहु का दुष्प्रभाव भी कम हो सकता है। ऐसे में शाम को घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने के लिए सबसे उत्तम समय शाम के 6 से 8 बजे के बीच का माना गया है।

यहां रखें दीया : धार्मिक ग्रंथो के अनुसार शाम के समय दीपक को मुख्य द्वार पर जलाना बहुत-ही शुभ माना गया है। द्वार पर दीये को इस प्रकार रखें कि जब आप बाहर निकलें तो दीपक आपके दाहिनी ओर हो और दीए का बाती बाहर की ओर होनी चाहिए।

ऐसी होनी चाहिए बाती : आप घर के मुख्य द्वार पर सरसों के तेल या गाय के घी का दीपक जला सकते हैं। यदि आप मुख्य द्वार पर तेल का दीपक जला रहे हैं, तो इसके लिए रुई के स्थान पर लाल धागे का इस्तेमाल करना ज्यादा शुभ माना जाता है। **इन बातों का रखें ध्यान :** मुख्य द्वार पर दीपक जलाने के लिए कभी भी खंडित दीपक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। वरना इससे अशुभ परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं।

घर में इन जगहों पर रखें ठाकुर जी की बांसुरी, दूर होंगे सारे कष्ट

वास्तु का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। इसके जरिए हम अपने घर में एक खुशनुमा माहौल कायम कर सकते हैं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। मान्यता है कि प्राचीन काल में केवल हिंदू और बौद्ध धर्म के लोग ही वास्तु शास्त्र के नियम अपनाते थे लेकिन आधुनिक युग में सभी लोग सुख शांति, समृद्धि और खुशहाल जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तुशास्त्र को अपना रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग है जो वास्तु के नियम पर नहीं चलते। जिस कारण उन्हें काफी सारी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। जिसका कारण है घर में वास्तु दोष का होना। जिसे आप भगवान श्री कृष्ण की बांसुरी से दूर कर सकते है। **फैलाए सकारात्मकता :** घर में बांसुरी रखने से सकारात्मकता ऊर्जा आती है। वास्तु का कहना है कि जो लोग घर में बांसुरी रखते है उनके घर और परिवार में परस्पर प्रेम और उल्लास की भावना सदैव बना रह सकता है। साथ ही आप कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वास्तु में यह मानयता है कि बांसुरी को हमेशा नजर पड़ने वाले स्थान पर ही रखना चाहिए।

वास्तु टिप्स : इन पौधों को घर में लगाने से बढ़ सकती हैं आपकी दिक्कतें

यदि घर की हर चीज को वास्तु शास्त्र के अनुसार रखा जाए, तो घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। घर में पेड़-पौधे लगाते समय भी वास्तु का ध्यान रखा जाना जरूरी है, इससे व्यक्ति के सौभाग्य के रास्ते खुलते हैं। लेकिन वहीं कुछ पौधों को अशुभ भी माना गया है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार किन पौधों को घर के अंदर नहीं रखना चाहिए। न रखें सूखे हुए पौधे : अगर आपके घर में लगा कोई पौधा सूख जाता है या मुरझाया जाता है तो इसे एक अशुभ संकेत माना जाता है। साथ ही यह घर में किसी नकारात्मक ऊर्जा होने का भी संकेत देते हैं। ऐसे में व्यक्ति के हर काम में रुकावट आने लगती है। इसलिए ऐसी स्थिति में इन पौधों को घर से बाहर कर देना चाहिए। इसमें होता है बुरी आत्माओं का वास : वैसे तो मेहंदी के पौधे में बहुत-से गुण पाए जाते हैं, लेकिन फिर भी इसे घर के अंदर लगाना शुभ नहीं माना जाता। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे में बुरी आत्माओं का वास होता है यही कारण है कि मेहंदी के पौधे को घर

में लगाने की मनाही है। तरक्की में आ सकती है रुकावट : वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में बोनसाई का पौधा रखना शुभ नहीं माना गया। वास्तु शास्त्र की मानें तो यह पौधा व्यक्ति की तरक्की में रुकावट पैदा कर सकता है। ऐसे में इसे घर के अंदर बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए। आप चाहे तो इसे घर के बाह लगा सकते हैं। दुर्भाग्य लाता है यह पौधा : कई लोग घर में कैक्टस का पौधा लगाते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में कांटेदार पौधों को घर में लगाना शुभ नहीं माना गया। ऐसे में घर में कैक्टस का पौधा भी नहीं लगाना चाहिए, वरना यह पौधा दुर्भाग्य ला सकता है। जिससे घर-परिवार में तनाव और चिंता की स्थिति पैदा होने लगती है। वहीं कपास का पौधा भी घर के अंदर लगाना शुभ नहीं माना गया।

गुरुवार के दिन व्रत रखने का महत्व क्या है, व्रत कथा

हिंदू धर्म में गुरुवार को बृहस्पतिवार कहा जाता है, और इस दिन गुरुदेव की पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होता है. गुरुवार को बृहस्पति ग्रह का दिन माना जाता है. इस दिन गुरुदेव की विशेष पूजा करने से भक्त को बुद्धि, ज्ञान, और सफलता की प्राप्ति होती है। गुरुवार व्रत की कई कथाएं प्रचलित हैं उनमें से ही एक कथा हम आपको बता रहे हैं। वैसे गुरुवार व्रत की विधि सरल होती है। इस दिन किसी भी केले के पेड़ के सामने बैठकर हाथ में हल्दी चने की दाल लेकर व्रत कथा पढ़नी या सुननी चाहिए। जो भी लोग धार्मिक महत्व के बारे में जानते हैं वो इस दिन केले का सेवन नहीं करते और पीले रंग के कपड़े पहनते हैं. इतना ही नहीं खाने में भी पीले रंग का ही प्रयोग करते हैं।

गुरुवार की व्रत कथा

एक समय की बात है, एक गाँव में एक ब्राह्मण थे जिनका नाम श्रीधर था। श्रीधर बड़े भक्तिभाव से गुरुदेव की पूजा करते थे। वह गुरुवार को गुरुदेव की विशेष पूजा करने के लिए व्रत रखते थे। एक दिन, गाँव के एक दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर के पास आकर भीख मांगी। श्रीधर ने अपनी दानशीलता का परिचय दिया और उसे भोजन के लिए अपने साथ बुलाया।

वह दरिद्र व्यक्ति बड़े खुश होकर श्रीधर के साथ भोजन करने लगा। भोजन के दौरान, श्रीधर ने उससे गुरुदेव के प्रति अपनी भक्ति की बातें सुनाई। वह दरिद्र व्यक्ति भी गुरुदेव के प्रति श्रद्धाभाव से भरा हुआ था। भोजन के बाद, दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर से विनती की, भगवान, मैं एक गरीब आदमी हूँ और मेरे पास और कोई साधन नहीं है। कृपया मुझे कोई ऐसा उपाय बताएं जिससे मेरी दुर्दशा सुधरे और मैं सफल हो सकूं। श्रीधर ने उसे गुरुवार व्रत के महत्त्व के बारे में बताया और उसे साक्षात गुरुदेव की पूजा करने का उपदेश दिया। दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर की सीखों का पालन करते हुए गुरुवार को गुरुदेव की पूजा करना शुरू किया। विशेष रूप से गुरुवार को गुरुदेव की आराधना करने से, उसकी दुर्दशा में सुधार हुआ और उसका जीवन परिवर्तित हो गया। वह धनवान और सुखी हो गया। इस कथा से हमें यह सिखने को मिलता है कि गुरुवार को गुरुदेव की पूजा करना हमें ज्ञान, बुद्धि, और सफलता में मदद कर सकता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ मंगलवार, 16 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, द्वितीया तिथौ मंगल वासरे 24/53/ आर्दा नक्षत्रे 16/13/ वृद्धि योग 24/35/ बालव करणे 14/40/ मिथुन राशिगत चन्द्रमा घं. मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार- द्वितीया (शुद्ध) ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्षारम्भ।

मेष : अधिकारी से विरोध होगा। कार्य क्षेत्र की स्थिति तनावपूर्ण होगी। कार्य की आलोचना संभव है। पारिवारिक व्यय बढ़ेगा।

वृष : दैनिक कार्यों में व्यस्त रहेगे। आर्थिक कमी के चलते पारिवारिक तनाव धैर्य से विपरीत परिस्थितियों में सुधार होगा।

मिथुन : किसी शुभ सूचना से स्थिति में सुधार होगा। आमोद प्रमोद में रुचि लेंगे। संतान की ओर से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : विरोधी शिथिल होंगे। किसी पड़ोसी के विषय में कानूनी उलझन कष्ट देंगी। बिना सोचे कार्य में पछतावा होगा।

सिंह : अधूरे काम पूरे होंगे। महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। अपने विचारों के अनुरूप वातावरण का निर्माण करना चाहेंगे।

कन्या : कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति। पुरानी समस्याओं का समाधान। आर्थिक योजना में पूंजी निवेश कर सकते हैं।

तुला : व्यापार में सावधानी से कदम उठाएं। हानि संभावित है। कार्यक्षेत्र में अधिकारी से व्यवहार में सावधानी रखें। मतभेद की संभावना है।

वृश्चिक : घरेलू निर्णय के विषय में किसी सूचना से विचलित होंगे। वातावरण में सुधार होगा। असंतोष दूर होगा। जीवनसाथी के व्यवहार से परेशान होंगे

धनु : अधीनस्थों से उपेक्षा मिलेगी। संभव है कुछ खोना पड़े। महत्वपूर्ण परिचय तथा आर्थिक आश्वासन का लाभ उठा सकते हैं। अधूरे काम पूरे होंगे।

मकर : पारिवारिक जीवन में सुख सहयोग विशेष रहेगा। विरोधी के व्यवहार में सुधार आएगा। शुभ मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने से प्रसंन्नता भी बढ़ेगी।

कुंभ : स्वास्थ्य नरम होगा। काम में स्थिरता रहेगी। निकट के मित्रों से मेलजोल होगा। शत्रु सक्रिय होंगे। शत्रुओं से निपटना पड़ सकता है।

मीन : संचित धन में कमी होगी लेकिन लाभ अन्य वस्तु के रूप में प्राप्त होगा। एकाएक बनते हुए कार्यों में व्यवधान पैदा होंगे। मेहनत से आय होगी।

किसानों को डीजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी : जिलाधिकारी

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में ऑयल कंपनियों के अधिकारियों एवं जिला पूर्ति अधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत डीजल की सुचारु एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसानों को डीजल उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। यदि कोई पेट्रोल पंप संचालक किसानों को डीजल उपलब्ध कराने से अनावश्यक रूप से इंकार करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसानों की सुविधा हेतु

जिला पूर्ति कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डीजल उपलब्धता से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत के लिए किसान कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05248-297489 पर संपर्क कर सकते हैं। बैठक में संबंधित अधिकारियों को किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

जिला जज व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। जिला न्यायाधीश श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा संयुक्त रुप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों, मुलाकात कक्ष, बंदियों की सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सीय व्यवस्था, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, वीडियो कान्फ्रेंसिंग रूम तथा अभिलेखों की स्थिति का जायजा लिया गया। स्वच्छता, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संतोषजनक बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन, सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी, अभिलेखों के अद्यतन तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

किसानों ने तहसील परिसर में किया धरना-प्रदर्शन

ज्ञापन देकर की समस्याओं के निस्तारण की मांग

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की तहसील इकाई हैदरगढ़ द्वारा सोमवार को तहसील परिसर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के समापन पर विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा गया ।

एसडीएम राजेश विश्वकर्मा को सौंपे गए ज्ञापन में संगठन ने आरोप लगाया कि हैदरगढ़ तहसील में कई दिनों से न्यायिक एवं राजस्व न्यायालयों का कार्य प्रभावित है, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नामांतरण, वरासत, सीमांकन, खतौनी संशोधन सहित अन्य राजस्व मामलों का समयबद्ध निस्तारण नहीं हो पा रहा है। इसके चलते दूर-दराज से आने वाले किसानों का आर्थिक एवं मानसिक शोषण हो रहा है तथा उन्हें बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। किसान यूनियन ने मांग की कि लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर विशेष अभियान चलाया जाए और सभी मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। साथ ही

तहसील स्तर पर जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। संगठन ने सिंचाई व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। किसानों का कहना है कि धान की रोपाई का समय शुरू हो चुका है और किसान नर्सरी तैयार कर चुके हैं, लेकिन अभी तक नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया है। उन्होंने तत्काल नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग की। इसके अलावा ग्राम सभा शिवनाम से देवीपुर जाने वाली 11 हजार वोल्ट विद्युत लाइन के नीचे लटक रहे तारों को ऊंचा कराने तथा फिरोजाबाद क्षेत्र में अनुपयोगी विद्युत लाइन को हटाने की भी मांग की गई। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वादकारी स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं और उनकी शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।। तहसील अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में हुए धरना-प्रदर्शन में सुनील सिंह, प्रेम शंकर वर्मा, मासूक खान, भरतलाल गुप्ता, सचिन पांडे, आदिल खान, मालती सिंह, ऊषा मौर्या सहित सैकड़ों किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर एक नजर

भण्डारा संपन्न

हैदरगढ़ बाराबंकी। श्री नारायणी नमो नमो हैदरगढ के तत्वावधान मे अमावस्या तिथि पर सोमवार को पूड़ी सब्जी का प्रसाद वितरण श्री दादी जी की आरती के बाद जितेन्द्र कुमार सिंघल के प्रतिष्ठान पर हुआ। इस अवसर पर राजकुमार झुनझुनवाला,राजेंद्र झुनझुनवाला,रविंद्र झुनझुनवाला, उदय नारायण अग्रवाल,संजीव कुमार गोयल, हैप्पी अग्रवाल,शैलेंद्र सिंघल,शिवकुमार चतुर्वेदी,सियाराम अग्रवाल,अनुजा गर्ग,अंकित अग्रवाल रामकुमार मिश्रा, शक्ति सिंह,राम प्रकाश वैश्य,शांतम अग्रवाल, शिवओम अग्रवाल, अंशुमान झुनझुनवाला,राम प्रकाश वैश्य, संतोष झुनझुनवाला,रमेश अग्रवाल, शिव बहादुर सिंह, एवं अन्य दादी भक्त उपस्थित थे।

चोरी करके भाग रहे चोर को पकड़कर किया पुलिस के हवाले, अन्य दो चोर फरार

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत गोसूपुर गांव में रविवार की रात्रि चोरी कर भाग रहे चोरों में से एक चोर को गृहस्वामी व परिजनों ने दौड़ाकर पकड़ लिया।लेकिन अन्य चोर दो लाख के जेवरात व नगदी लेकर फरार होने में सफल रहे।पकड़े गए चोर को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया है। गोसूपुर गांव निवासी इरफान अली व उनकी पत्नी एक कमरे में सो रहे थे कि तभी छत से उतरकर आंगन में आए चोर उसी कमरे में घुस गये। चोरों ने इसी कमरे में मौजूद बक्शों का ताला तोड़कर उसमें रखे दो लाख रुपये के जेवरात एवं पांच हजार की नगदी चोरी कर ली।इसके बाद चोरों ने एक बड़े बक्शे का ताला भी तोड़ दिया। ताला टूटने की आवाज से महिला जग गई।पत्नी के शोर मचाते ही जगे इरफान ने कमरे से भाग रहे एक चोर को पकड़ लिया।उसके दो साथी भाग निकले।शोर सुनकर घर के अन्य लोग एवं ग्रामीण भी मौके पर आ गए।पकड़े चोर को एक पेड़ से बांध दिया गया।मौके पर पहुंची पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन जनपद बाराबंकी में किसान मसीहा चौ0 महेंद्र सिंह टिकैत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर जो कि श्रद्धेय माननीय मुकेश सिंह के द्वारा समाज में फैली कई कुरीतियों थी जिसका अंत करने के लिए कई प्रयास किया जिसमें मुख्य रूप से दहेज मुक्त शादी, देहदान , नेत्रदान रक्तदान, जैसे महत्वपूर्ण काम किया जिला बाराबंकी के जिला अस्पताल में 125 वा महात्मा टिकैत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज जिला अस्पताल में जिला अध्यक्ष हौसला प्रसाद की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ संपन्न हुआ जिसमें 18 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें जचौ उपरांत जिसमें से 12 लोगों ने रक्तदान कर गौरव प्राप्त किया जिसमें मुख्य रूप मयंक वर्मा, अमन शुक्ला, राजेंद्र प्रसाद, राहुल वर्मा, राम बहादुर, सुरेंद्र कुमार, धुर्वेंद्र कुमार, शैलेंद्र कुमार, नीरज, बनवारी लाल, दिलीप कुमार, योगेश वर्मा आदि लोगों ने रक्तदान कर गौरव प्राप्त किया इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित हुए प्रदेश सचिव उत्तम सिंह, बलराम यादव पूर्वांचल प्रवक्ता, फैसल मलिक जिला अध्यक्ष युवा , रामसेवक जिला महामंत्री, ओम प्रकाश जिला कोषाध्यक्ष,राजेश वर्मा मीडिया प्रभारी शाहिद अली रामानंद वर्मा, प्रमोद कुमार वर्मा रहीस अहमद वर्मा विशेष कुमार वर्मा आदि थे।

हत्या के प्रयास के अभियुक्त को सात वर्ष की सजा

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। 'ऑपरेशन कनविक्शन' के तहत चिन्हित अभियोग की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरुप न्यायालय द्वारा हत्या के प्रयास की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त को 07 वर्ष कारावास व 25,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए 'ऑपरेशन कनविक्शन' कार्ययोजना के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0/कर्म0गण/पैरोकार द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना देवा पर हत्या के प्रयास की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मु0अ0सं0-243/2024 धारा 307 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त रूपचन्द्र पुत्र इन्दल निवासी शाई कला थाना देवा जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में मा0 न्यायालय जिला सत्र न्यायाधीश बाराबंकी द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 07 वर्ष कारावास व 25,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

दांडी तुला धाम में डूबने से युवक की मौत

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जनपद के घुंघटेर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव स्थित दांडी तुला धाम पर कल एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान लखनऊ जनपद के महिंगवा थाना क्षेत्र के मुसफरी गांव निवासी 22 वर्षीय रोहित पुत्र अजय के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, रोहित रविवार दोपहर करीब 2 बजे अपने साथियों के साथ दांडी तुला धाम पर नहाने के लिए निकला था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके साथी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही रोहित पानी में समा गया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद उसके साथ आए दो युवक मौके से फरार हो गए। घटना के समय मंदिर परिसर में राम नाम संकीर्तन चल रहा था। वहां मौजूद लोगों ने रोहित को डूबते देखा और शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और श्रद्धालु मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद रोहित का शव तालाब से बाहर निकाला गया। रोहित अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। इस घटना से उसके परिवार में मातम छा गया है। घटना की सूचना पर एसडीएम फतेहपुर कार्तिकेय सिंह, क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम चौरसिया तथा थाना प्रभारी अभय कुमार मौर्य सहित भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। देखते ही देखते हजारों की संख्या में लोग तालाब के आसपास एकत्र हो गए। थाना प्रभारी अभय कुमार मौर्य ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुरुषोत्तम मास के आखिरी सोमवार को लोधेश्वर महादेवा में जुटी भारी भीड़

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। पुरुषोत्तम मास के आखिरी सोमवार को लोधेश्वर महादेवा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सोमवार एवं सोमवती अमावस्या होने के चलते मंदिर पर श्रद्धालुओं की भारी जुटी।तड़के से ही हजारों श्रद्धालुओं ने

गंगाजल, फल-फूल व पूजन सामग्री के साथ जलाभिषेक और दर्शन-पूजन कर मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। देर शाम तक मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गर्भगृह में विशेष व्यवस्था की गई। शिवलिंग के पास कटघरा लगाकर पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं को व्यवस्थित ढंग से जलाभिषेक कराया। महादेवा पुलिस चौकी प्रभारी रजनीश कुमार पांडेय सुरक्षा बल के साथ लगातार व्यवस्था संभालते रहे।मेला सचिव एवं उपजिलाधिकारी आनंद कुमार तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत ने मंदिर व मेला परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह और अतिरिक्त निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए लगातार भ्रमण किया। वहीं, शिवाभरण सरोवर में 32वीं वाहिनी पीएसी के जवान मोटर बोट के साथ तैनात रहे। प्रशासन और पुलिस की सतर्क व्यवस्था के बीच पुरुषोत्तम मास का मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में 15 से 21 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे 'योग सप्ताह' का शुभारंभ सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) ऑडिटोरियम, बाराबंकी में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति) सतीश चंद्र शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान परिषद श्री अवनीश कुमार सिंह एवं अंगद सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जनपद की योग आइकॉन सुश्री नंदिता वर्मा को योग क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं समर्पण से प्रभावित होकर मा0 सदस्य विधान परिषद श्री अवनीश कुमार सिंह ने उनकी उच्च शिक्षा का संपूर्ण व्यय वहन करने का आश्वासन दिया। अपने संबोधन में राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो संपूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं

संतुलित जीवन का मार्ग दिखा रही है। उन्होंने कहा कि योग सप्ताह के माध्यम से जनपद के अधिकाधिक नागरिकों को योग से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा आकाश में गुब्बारे छोड़कर तथा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को नियमित योग अपनाने तथा 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सहभागिता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय योग प्रशिक्षक डॉ. शशी कुमार अवस्थी द्वारा किया गया। अंत में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वीनम यादव ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, योग प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. ममता सचान का महत्वपूर्ण योगदान भी रहा। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग, बाराबंकी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना निदेशक राकेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वीनम यादव सहित आयुष विभाग के चिकित्सकगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं योग प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

विधायक ने किया अन्नपूर्णा भवन का लोकार्पण

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। ग्रामीण विकास को नई गति देने की दिशा में सोमवार को विकास खंड हैदरगढ़ की ग्राम पंचायत घरकुइयां में करीब नौ लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन क्षेत्रीय

विधायक दिनेश रावत ने फीता काटकर किया।उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण,जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दिनेश रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा भवन के निर्माण से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संचालन में पारदर्शिता आएगी तथा खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी। इससे ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और सुचारु रूप से मिल सकेगा। विधायक ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांवों को आत्मनिर्भर और सुविधा संपन्न बनाना है। इसी उद्देश्य से पंचायत स्तर पर विभिन्न विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सहयोग करने तथा सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

उद्घाटन समारोह में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुशील जायसवाल, ग्राम प्रधान सुशील कुमार मुनीम, पंचायत सचिव सत्यप्रकाश वर्मा, रामकिशोर मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित मिश्रा, मंडल महामंत्री संतोष कुमार, प्रधान माताफेर यादव, जितेंद्र कुमार खंड विकास अधिकारी हैदरगढ़ पूर्ति निरीक्षक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पिछले छह माह से लापता है पुरोहित

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जनपद के टिकैतनगर क्षेत्र से एक बुजुर्ग पुरोहित पिछले छह माह से लापता हैं। परिजनों ने उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से बड़ी रकम निकाले जाने पर सवाल उठाए हैं और इसे पुरोहित के लापता होने से जोड़कर जांच की मांग की है। पुलिस अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लगा पाई है। परिजनों के अनुसार, पूजा-पाठ का कार्य करने वाले यह बुजुर्ग पुरोहित करीब छह माह पहले अपनी मोपेड के साथ घर से निकले थे। उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका है। लंबे समय बीत जाने के बावजूद पुलिस उनकी तलाश में सफल नहीं हो सकी है।

लापता बुजुर्ग के पुत्र ने आरोप लगाया है कि पिता के गायब होने से पहले उनके बैंक खाते से यूपीआई के जरिए एक बड़ी रकम निकाली गई थी। परिवार को आशंका है कि इस वित्तीय लेनदेन और बुजुर्ग के लापता होने के बीच कोई संबंध हो सकता है। उन्होंने धनराशि निकालने वाले व्यक्ति की पहचान कर जांच करने की मांग की है। पीड़ित पुत्र का कहना है कि वह पिछले छह महीनों से अपने पिता की तलाश और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए लगातार पुलिस के चक्कर काट रहा है। उसने स्थानीय थाने में कई बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन न तो पिता का पता चला और न ही खाते से निकाली गई धनराशि के संबंध में कोई ठोस जानकारी मिली। परिवार ने क्षेत्र की एक महिला पर संदेह जताते हुए पुलिस को जानकारी दी थी, लेकिन इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित परिवार ने अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच, बुजुर्ग पुरोहित का पता लगाने और बैंक खाते से निकाली गई रकम की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाभार्थियों सीधे को सीधे मिल रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ : अंगद सिंह

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का साकार कर रहे हैं योगी और मोदी : संजय तिवारी

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। देश व प्रदेश की भाजपा सरकार बहुत ही संवेदनशील है सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो संकल्प लेते हैं उसे पूरा करके दिखा देते हैं उक्त बातें विधान परिषद सदस्य अंगद कुमार सिंह ने ब्लॉक सभागार रामनगर में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए कहीं ।

मुख्य अतिथि एमएलसी श्री सिंह ने आगे कहा कि पहले सरकारी योजनाएं कागजों पर चलती थी आज योजनाओं का पूरा पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के संकल्प के साथ काम कर रही है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 में विकसित राष्ट्र का जो सपना देखा है उसमें आप सभी के सहयोग की जरूरत है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने और उनका हक दिलाने का काम कर रही। विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने गांव गरीब के लिए जो सपना देखा था उसे योगी और मोदी साकार कर रहे हैं गांव के अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक व्यक्ति के पास सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है महिलाओं को समूह के माध्यम से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का काम किया जा रहा है प्रधानमंत्री आवास योजना आयुष्मान भारत योजना किसान सम्मान निधि हर घर जल स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाएं जिनका लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिल रहा है प्रदेश में कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा को लेकर उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उप जिला अधिकारी आनंद कुमार

तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा गांव के विकास के प्रति दृढ़ संकल्पित है सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सत प्रतिशत लाभार्थियों को मिल रहा है कार्यक्रम के आयोजक खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार ने शासन के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी बी डी ओ ने मनरेगा योजना वृद्धावस्था पेंशन विधवा पेंशन कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओ का लाभ लोगों को मिल रहा है उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा सरकारी योजनाओं के बारे में आप सभी को जानकारी होना आवश्यक है गांव गांव मेरे द्वारा चौपाल लगाकर तथा अन्य कार्यक्रमों में सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है अभियान चलाकर महिलाओं को समूह से जोड़ा जा रहा है आज ऐसा कोई गांव घर नहीं है जहां समूह के माध्यम से दीदी लखपति न हो। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया कार्यक्रम में पहुंचने पर खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार जेई एमआई अरुण कुमार व्यास एडीओ कृषि डॉ दलवीर सिंह खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्रा सीएचसी अधीक्षक डॉ प्रणव कुमार श्रीवास्तव सीडीपीओ अनिल कुमार पांडेय सप्लाई इंस्पेक्टर अनुज कुमार आदि के द्वारा बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी अंगद सिंह तथा ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया स्वास्थ्य मेले में दोनों अतिथियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच भी कराई इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र जिन लाभार्थियों का आवास बन गया है उन्हें ताला चाबी शौचालय के लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड तथा किसानों को निशुल्क बीज किट वितरण किया गया। क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान की गई।

इस मौके पर प्रधान संघ के जिला अध्यक्ष रामकुमार मिश्रा भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष एमएलसी प्रतिनिधि कुलदीप सिंह रामनगर मंडल अध्यक्ष विनय मिश्रा महादेव मंडल अध्यक्ष अमित कुमार सिंह एडीओ पंचायत अभय शुक्ला एडीओ आईएसबी जयराम वाल्मीकि सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

खबर एक नजर

चौकीदार की धारदार हथियार से हत्या

बछरावां, रायबरेली। ठकुराइन खेड़ा गांव के पास ग्राम पंचायत की पानी की टंकी पर चौकीदारी करने वाले युवक की धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह टंकी परिसर में खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ठकुराइन खेड़ा निवासी बिंदा प्रसाद 41 पुत्र रामसजीवन पिछले करीब पांच माह से गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत की पानी की टंकी पर चौकीदार के रूप में कार्यरत था। परिजनों के मुताबिक वह रोजाना की तरह रविवार शाम घर पर भोजन करने के बाद ड्यूटी के लिए टंकी पर गया था। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने टंकी परिसर में उसका खून से लथपथ शव पड़ा देखा। शव पर धारदार हथियार से किए गए हमले के निशान पाए गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां शव देखकर उनमें कोहराम मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में फॉरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार बिंदा प्रसाद मिलनसार प्रवृत्ति का व्यक्ति था और उसकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। ऐसे में हत्या की घटना से गांव के लोग भी हैरान हैं। थाना अध्यक्ष श्याम लाल पाल का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जल्दी घटना का खुलासा किया जाएगा।

दो पक्षों में मारपीट, दोनों ने दी तहरीर, एक पक्ष पर मुकदमा दर्ज, दूसरे ने उठाए सवाल

सलोन, रायबरेली। नसीराबाद थाना क्षेत्र के पूरे नंदा शुक्ला सुजवरिया गांव में रविवार शाम करीब 6 बजे फैक्ट्री प्लांट के लिए चिन्हित भूमि के पास दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक.दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। हालांकि, पुलिस ने फिलहाल एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है, जबकि दूसरे पक्ष का आरोप है कि उनकी शिकायत पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस के अनुसारए अवधेश शुक्ला पुत्र मणि प्रसाद शुक्ला निवासी पूरे नंदा शुक्ला सुजवरिया की तहरीर पर गांव के राजेश शुक्ला पुत्र माता प्रसाद शुक्ल, सुरेश शुक्ला पुत्र दशाराम शुक्ला, मनीष शुक्ला पुत्र सुरेश शुक्ला समेत चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि पुरानी रंजिश के चलते विपक्षियों ने उन्हें रोककर विवाद किया और लाइसेंसी पिस्टल के बट से सिर पर हमला कर घायल कर दिया। साथ ही जान से मारने की नीयत से हथियार निकालने का भी आरोप लगाया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष के राजेश शुक्ला का कहना है कि वह अपनी भूमिधरी जमीन पर मौजूद थे, तभी विपक्षी पक्ष कथित रूप से लाठी.डंडों से लैस होकर पहुंचा और गाली.गलौज करते हुए मारपीट की। उनका आरोप है कि उन्हें लंबे समय से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसकी शिकायत वह पहले भी विभिन्न स्तरोंए यहां तक कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर कर चुके हैं। राजेश शुक्ला ने यह भी दावा किया कि घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, इसके बावजूद उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इस मामले में थाना प्रभारी नसीराबाद पवन कुमार सोनकर ने बताया कि एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

धोखाधड़ी की कहानी पर आधारित

रायबरेली। प्रीति सिंह निर्देशित क्राइम थ्रिलर ष्आलिया बसु गायब है, 19 जून को लॉयन्सगेट प्ले पर रिलीज होगी। फिल्म एक महिला के रहस्यमय ढंग से गायब होने और उससे जुड़े रहस्यों, झूठ व धोखाधड़ी की कहानी पर आधारित है।

श्रद्धालुओं को वितरित किया गया प्रसाद

परशदेपुर, रायबरेली। अधिकमास के पावन अवसर पर परशदेपुर पुलिस चौकी परिसर में सोमवार को पुलिस की ओर से मानवीय और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी एक सराहनीय पहल के तहत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं और राहगीरों को प्रसाद वितरित कर सेवा और सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत चौकी इंचार्ज मोहित कुमार भारद्वाज ने भगवान शिव और बजरंग बली के मंदिर में विधि-विधान से पूजन.अर्चन कर बजरंग बली को भोग लगाने के साथ की। इसके बाद विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे में आसपास के ग्रामीणों, श्रद्धालुओं तथा आने.जाने वाले राहगीरों को छोला.चावल और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान पूरे परिसर में देवाधिदेव महादेव और बजरंग बली के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। देर शाम तक चले इस आयोजन ने पुलिस और आमजन के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और मानवीय जुड़ाव को और मजबूत करने का काम किया।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के प्रति पुलिस की सकारात्मक और संवेदनशील भूमिका का उदाहरण बताया। इस अवसर पर विश्वजीत सिंहए सर्वेश यादव, मनमोहन शर्मा, रामलौटन, बबलू द्विवेदी, ऋषभ शर्मा, सुधीर सिंह, सतीश तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कहानी में कॉमेडी, सस्पेंस और ड्रामा

रायबरेली। अरशद वारसी और विक्रांत मैसी अभिनीत नई सीरीज़ प्रीतम एंड पेड्रो का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कॉमेडी, सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर यह सीरीज़ 3 जुलाई से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इसका निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है, जबकि निर्माता राजकुमार हिरानी हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायबरेली। मुहर्रम, श्रावण मास में कांवड़ यात्रा, शिवरात्रि, आस्तिक देव मेला, स्वतंत्रता दिवस, नाग पंचमी, रक्षा बंधन, गंगा स्नान, जन्माष्टमी सहित अन्य आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न संगठनों से आए धर्मगुरुओं एवं प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान निर्धारित स्थलों एवं मार्गों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारी आयोजन स्थलों एवं मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर चिन्हित समस्याओं का शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को निर्देश दिए गए कि जलभराव, गड्ढों एवं साफ-सफाई से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से दूर किया जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत लाइनों की जांच कर ढीले तारों एवं कम ऊंचाई वाले तारों को ठीक कराया जाए, जिससे कांवड़ यात्रा एवं जुलूस के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। सभी उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को आपसी समन्वय के साथ मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि सभी थानों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों से अपील की कि आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार ही त्योहार मनाएं तथा किसी नई परंपरा की शुरुआत न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में प्रशासन से तत्काल संपर्क करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जुलूस एवं कांवड़ यात्रा में भड़काऊ अथवा अश्लील गीत-संगीत पर भी रोक रहेगी।

गरीब व्यक्ति का अगर हुआ शोषण तो नहीं बख्शा जाएगा अधिकारी-डा मनोज कुमार पाण्डेय

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के कार्यकाल की मंत्री ने की जमकर सराहना

स्वतंत्र भारत संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को कमालपुर के पटेल पार्क में जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनकल्याण एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान डेढ़ दर्जन विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें लाभान्वित किया। सोमवार को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ मनोज कुमार पाण्डेय ने पूर्व की सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पहले की सरकारों में लोगों का शोषण किया जाता था। कार्य धरातल पर नहीं होता था। वही अब भाजपा सरकार में लोगों की समस्याओं को निराकरण करने के साथ-साथ योजनाओं को लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल की जमकर सराहना की। आयोजित जनकल्याण शिविर व स्वास्थ्य मेले में 18 विभागों ने स्टाल लगाएं। डॉ पांडेय ने सभी विभागों के अधिकारियों को आगाह करते हुए बताया कि किसी भी गरीब व्यक्ति का अगर शोषण किया गया तो उस विभाग के अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

विशेष तौर पर विद्युत विभाग के अधिकारियों स्वास्थ्य विभाग के ढुलमुल रवैया और लोगों को समस्याओं के प्रति उदासीनता देखते हुए जमकर फ टकार लगाई। अपने कार्यों में सुधार लाने की चेतावनी दी। सीएचसी रोहनिया में मरीजों को बाहर की दवा लिखे जाने की शिकायत पर अधीक्षक को फ टकार लगाई। कार्यक्रम में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण, नेत्र परीक्षण, महिलाओं को स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत अंत्योदय कार्ड योजना पात्र गृहस्थी की पात्रता संबंधित जानकारी, प्रधानमंत्री आवास योजना संबंधित जानकारी, श्रम विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी, बाल विकास योजना अंतर्गत महिलाओं को पुष्टाहार वितरण, समस्त प्रकार की पेंशन योजनाओं की जानकारी एवं पेंशन हेतु पात्रता के आधार पर ऑनलाइन आवेदन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत शौचालय हेतु पात्रता का पंजीकरण एविद्युत कनेक्शन विद्युत बिल समस्याओं का निराकरण एविकलांग कल्याण विभाग द्वारा परीक्षण एवं उपकरण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण सूक्ष्म गर्भाधान एजल जीवन मिशन के जल के संबंधित समस्याओं का निराकरण, निशुल्क बोरिंग एवं डीजल पंप सेट हेतु आवेदन की जानकारी, महिला कल्याण एवं नारी सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी सहित संबंधित विभाग स्टॉल लगाये गये। इस दौरान बीडीओ सुनील कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश यादव, रोहनियां सीएचसी अधीक्षक डॉ अनवर, एसडीओ आशीष कुमार,आशीष तिवारी, मंडल प्रभारी शिवपूजन द्विवेदी, प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह गुड्डू, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, राकेश तिवारी, इफ्तिखार अहमद, पवन तिवारी, डॉ हर्षवर्धन द्विवेदी, अमित द्विवेदी, रामनारायण सिंह, श्रीराम पाल आदि लोग रहे।

कल जिला पंचायत सभागार में महिला जनसुनवाई

रायबरेली। जनहित में महिलाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से उ0प्र0 राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत 17 जून 2026 को उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी का जनपद भ्रमण प्रस्तावित है।

कार्यक्रम के तहत महिला उत्पीड़न दहेज उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए जिला पंचायत सभागार में पूर्वाह्न 11. 00 बजे से महिला जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। जनपद की यदि किसी भी महिला को महिला उत्पीड़नए दहेज उत्पीड़न या घरेलू हिंसा से संबंधित कोई शिकायत है तो वे निर्धारित समय पर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्या प्रस्तुत कर सकती हैं, जिससे उनका त्वरित निस्तारण कराया जा सके।

भाजपा की जिला वर्ग प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न, बूथ से लेकर सोशल मीडिया तक कार्यकर्ताओं को मिली बारीक ट्रेनिंग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी रायबरेली द्वारा आयोजित जिला वर्ग प्रशिक्षण कार्यशाला का रविवार को भव्य समापन हुआ। दो दिवसीय कार्यशाला में वरिष्ठ नेताओं ने बूथ प्रबंधन, मीडिया रणनीति और संगठनात्मक कौशल के गुर सिखाए। समापन पर प्रशिक्षणार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा भी ली गई। प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह ने सप्तम सत्र में बूथ प्रबंधन को जीत का मूलमंत्र बताया। उन्होंने पन्ना प्रमुख, बूथ समिति की संरचना और मन की बात को घर-घर पहुंचाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। कहा मजबूत बूथ ही 2027 की नींव रखेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ मनोज कुमार पांडेय की अध्यक्षता में हुए अष्टम सत्र में पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री नीरज सिंह ने विचार परिवार के प्रमुख कार्य विषय पर प्रशिक्षण दिया। डॉ पांडेय ने कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण का आह्वान किया और सत्र समापन की घोषणा की। नवम सत्र में प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने मीडिया प्रबंधन की बारीकियां समझाईं। आईटी सेल के प्रदेश आयोजक कामेश्वर मिश्रा ने सोशल मीडिया, आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और नमो ऐप के प्रभावी इस्तेमाल पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि नई तकनीक ही जनता से सीधे जुड़ने का सबसे तेज माध्यम है। दशम सत्र व्यावहारिक अभ्यास पर आधारित रहा। ग्यारहवें एवं समापन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कार्यकर्ता विकास एवं संभाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित और संतुष्ट कार्यकर्ता ही संगठन को अजेय बनाता है। सभी सत्रों के बाद प्रशिक्षणार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित हुई। राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का विधिवत समापन किया गया। कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के प्रमुख और सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए। जिला नेतृत्व ने सभी वक्ताओं का आभार जताते हुए प्रशिक्षण को आगामी चुनावों के लिए संजीवनी बताया।

पीएम आवास की फाइनल सूची बनाने के लिए पंचायतों में खुली बैठकों का आयोजन आरम्भ

अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों को ही लाभ देना, प्रशासन की मूल मंशा-सीबी सिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की स्थायी पात्रता सूची तैयार करने की प्रक्रिया के तहत सोमवार को विकास खण्ड की दस पंचायतों में खुली बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में मौजूद ग्रामीणों को आवास पात्रता सूची मे शामिल नाम पढ़कर सुनाये गये। ब्लाक क्षेत्र की मानपुर, दिदौर, बरदर, कोन्सा, बथुआखास, कोरिहर, मलिकमऊ चौबारा, मनेहरू, हाजीपुर व सुल्तानपुर खेरा में आयोजित खुली बैठकों में वहाँ तैनात ग्राम सचिवों ने आवास सूची पढ़ कर सुनाई। सूची सत्यापन के दौरान ग्राम सचवों ने विशेष रूप जानकारी ली कि लाभार्थी को पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त हुआ है अथवा नहीं?

किसी मृतक लाभार्थी का वारिस है या नहीं? सर्वेक्षण में चिन्हित भूमिहीन परिवारों की वास्तविक एवं अद्यतन स्थिति क्या है? प्रथम बार लाभार्थी की वास्तविक पात्रता एवं वर्तमान स्थिति क्या है? एडीओ (आरडी) सीबी सिंह ने बताया कि इन बैठकों का उद्देश्य आवास प्लस सर्वेक्षण के माध्यम से पात्र परिवारों की पहचान करना, अपात्र लोगों को हटाना और प्राप्त आपत्तियों का समाधान करके पारदर्शी तरीके से अंतिम सूची तैयार करना है। प्रशासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब परिवारों को ही योजना का वास्तविक लाभ मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति न छूटे। उन्होने बताया कि आपत्तियों और सुझावों का परीक्षण करने के बाद पंचायत स्तर से अनुमोदित सूची को जिला स्तर पर भेजा जायेगा। बाद में अन्तिम पात्रता सूची तैयार होगी।

रचना देवगन बनीं जिला अध्यक्ष, सौम्या पटेल को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी

प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्निहोत्री ने की नियुक्तियों की घोषणा, विधि प्रकोष्ठ में बढ़ी सक्रियता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधि प्रकोष्ठ का विस्तार किया है। सोमवार को लखनऊ बार एसोसिएशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्निहोत्री ने राष्ट्रीय संगठन प्रभारी एडवोकेट अनिल कुमार शर्मा की उपस्थिति में नई नियुक्तियों की घोषणा करते हुए अधिवक्ताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे। प्रदेश अध्यक्ष ने एडवोकेट रचना देवगन को जिला अध्यक्ष, विधि प्रकोष्ठ लखनऊ तथा एडवोकेट सौम्या पटेल को प्रदेश सचिव, विधि प्रकोष्ठ महिला उत्तर प्रदेश के पद पर मनोनीत किया। नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्होंने दोनों पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाजहित से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्निहोत्री ने कहा कि हिंदू महासभा समाज, संस्कृति और राष्ट्रहित के विषयों पर निरंतर कार्य कर रही है। संगठन में योग्य एवं कर्मठ अधिवक्ताओं की भागीदारी से विधिक क्षेत्र में संगठन की मजबूती बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियां संगठन के विस्तार और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नवमनोनीत पदाधिकारी संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए हिंदू समाज के हितों की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ रचना देवगन ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि विधि प्रकोष्ठ के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं प्रदेश सचिव विधि प्रकोष्ठ महिला उत्तर प्रदेश सौम्या पटेल ने कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ.साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि महिला अधिकारों, सामाजिक न्याय और कानूनी जागरूकता से जुड़े विषयों पर विशेष रूप से कार्य किया जाएगा। साथ ही महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जीएन शुक्ला, महामंत्री जितेन्द्र सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, मध्य उपाध्यक्ष अनुज बाजपेई एवं अंजनी प्रकाश यादव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मिथलेश अवस्थी, संयुक्त मंत्री गोविन्द कन्नौजिया, जितेन्द्र कुमार वर्मा एवं सुधांशु तिवारी सहित बार एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डिलाइट परिवार ने बेजुबानों की प्यास बुझाने के लिए शहर मे रखवाये हौद

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली जब सूरज आग बरसा रहा हो और पारा 40-45 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका हो, तब इंसान तो किसी न किसी तरह अपनी प्यास बुझा लेता है। लेकिन ज़रा सोचिए, उन बेजुबान पशु.पक्षियों का क्या, जो अपनी तकलीफ़ किसी से कह भी नहीं सकते, उनकी सूखी ज़बान, तपती देह और पानी की तलाश में भटकती निगाहें, क्या हमें विचलित नहीं करतीं। इसी गहरी संवेदना और मानवीय सोच को एक खूबसूरत आयाम दिया है रायबरेली के रामविलास यादव के डिलाइट परिवार ने। उन्होंने शहर के कई स्थानों पर पानी के हौद रखवाए हैं, जो इस भीषण गर्मी में बेजुबान जीवों के लिए जीवन का अमृत बन गए हैं। यह सिर्फ पानी से भरे हौद नहीं हैं, ये दया, करुणा और इंसानियत से लबालब भरे हुए हैं। कल्पना कीजिए, एक नन्हा पक्षी, जो प्यास से बेहाल होकर इधर-उधर भटक रहा है, अचानक एक हौद देखता है। वह धीरे से उतरता है, चोंच डुबोता है और अपनी प्यास बुझाता है। फिर पंख फड़फड़ाकर एक नई ऊर्जा के साथ उड़ान भरता है। या कोई थका-हारा पशु, जो पानी की तलाश में मीलों चला आया है, उसे जब यह हौद मिलता है, तो उसकी आँखों में एक अजीब सी चमक आ जाती है। उस पल एहसास होता है कि एक छोटी-सी कोशिश भी किसी के लिए पूरी दुनिया बन सकती है। डिलाइट परिवार की यह कार्य केवल पानी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दे रही है। यह हमें याद दिलाती है कि हमारी इंसानियत की पहचान केवल मनुष्यों के प्रति हमारे व्यवहार से नहीं होती, बल्कि हर छोटे-बड़े जीव के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी से भी होती है। यह हमें प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व के महत्व को समझाती है। रामविलास यादव और उनके परिवार की यह कार्य दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे एक साधारण विचार और थोड़ी सी मेहनत से सैकड़ों-हज़ारों बेजुबान जिंदगियों को बचाया जा सकता है। आइए, हम भी इस नेक पहल का हिस्सा बनें। अपने घर, दुकान या मोहल्ले के बाहर एक बर्तन पानी ज़रूर रखें। क्योंकि हर बूंद जीवन है और हर जीवन अनमोल। इस गर्मी में, आइए हम सब मिलकर बेजुबानों के लिए सहारा बनें, और अपनी संवेदनाओं को पानी के रूप में प्रवाहित करें। कार्यक्रम मे डिलाइट परिवार के सदस्य अंशू कुमार मौर्य, विनय कुमार, अजय अवस्थी, अवनीश, राहुल कुमार, संजय यादव, रविन्द्र भारद्वाज, विशाल सहित अन्य लोग शामिल रहें।

चकबंदी कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न तहसीलों में चल रहे चकबंदी कार्यों की स्थिति, प्रगति, लंबित प्रकरणों एवं उनके निस्तारण की समीक्षा विस्तारपूर्वक की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चकबंदी कार्यों को पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपादित किया जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान प्राप्त आपत्तियों एवं विवादों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जाए, राजस्व एवं चकबंदी विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति प्रदान करें।

सलोन में प्रतिबंधित पेड़ों की कटान, वन विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली। सलोन थाना क्षेत्र में वन विभाग की कथित लापरवाही के चलते हरे.भरे प्रतिबंधित पेड़ों की अवैध कटान का मामला सामने आया है। क्षेत्र में वन माफ़ियाओं के बेखौफ होकर पेड़ काटने की शिकायतें स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आरोप है कि विभागीय उदासीनता के कारण पर्यावरण संरक्षण के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सलोन क्षेत्र के सांडा सैदन गांव में नीम सहित प्रतिबंधित पेड़ों की कटान जोर.शोर से किए जाने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर हरे.भरे पेड़ों की अवैध कटाई खुलेआम जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग को कई बार सूचना देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। उनका कहना है कि उच्च अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय कर्मचारियों को मौके पर भेजने की बात कही जाती है, लेकिन कार्रवाई के बजाय मामला कथित रूप से ठेकेदारों से बातचीत तक सीमित रह जाता है। इससे अवैध कटान करने वालों के हौसले बुलंद हैं। इस मामले में जब संवाददाता ने वन विभाग के रेंजर श्यामसुंदर त्रिपाठी से बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि संबंधित पेड़ कटान के लिए न तो कोई परमिट जारी किया गया है और न ही उन्हें इस संबंध में पूर्व जानकारी है। उन्होंने मामले की जानकारी मिलने के बाद जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही। क्षेत्र में हो रही कथित अवैध कटान को लेकर लोगों में नाराजगी है और वन विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना यह होगा कि विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है और प्रतिबंधित पेड़ों की कटान पर रोक लगाने के लिए कितनी प्रभावी कार्रवाई होती है।

कल होगी दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

हरिद्वार। दुनिया के सबसे बड़े पारद शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा 17 जून को हरिद्वार में की जाएगी। शिवलिंग 5210 किलोग्राम वजनी पारद ध्यान लिंगम का निर्माण गिरनार के ध्यान गुरु रघुनाथ येमूल गुरुजी ने वर्षों की साधना, अनुसंधान और अथक परिश्रम के बाद किया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

■ 10 साल की रिसर्च का है परिणाम

समेत अनेक राजनीतिक और कॉर्पोरेट जगत की हस्तियां शामिल होंगी। लगातार रिसर्च के बाद तैयार किए गए 5210 किलोग्राम वजन और अद्वितीय आकार के कारण इस पारद ध्यान लिंगम को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल करने की प्रक्रिया भी जारी है। इसे विश्व का सबसे बड़ा पारद शिवलिंग माना गया है। ध्यान गुरु रघुनाथ गुरुजी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान और हीलिंग के क्षेत्र में कार्यरत हैं। गिरनार में लगातार 12 वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्होंने योग, ध्यान, हीलिंग और हस्तरेखा अध्ययन में कार्य प्रारंभ किया। अध्यात्म में विज्ञान की खोज के अपने संकल्प के तहत नाथ योगी परंपरा और प्राचीन रसायन शास्त्र के सिद्धांतों पर आधारित इस पारद ध्यान लिंगम के निर्माण का नेतृत्व उन्होंने किया। यह दिव्य पारद ध्यान लिंगम हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर भादराबाद टोल प्लाजा के समीप स्थित शिर्डी साई बाबा मंदिर में स्थापित किया गया है। वर्तमान में यह श्री साई शिव गंगा धाम, हरिद्वार में श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु उपलब्ध है। रघुनाथ गुरुजी ने बताया कि परम पूज्य पीर योगी महंत सोमनाथ बाप्पू और पद्मभूषण डॉ. विजय भटकर के विशेष आशीर्वाद से यह कार्य पूर्ण हो सका। ध्यान गुरु रघुनाथ ये मूल गुरुजी के मार्गदर्शन में निर्मित यह पारद ध्यान लिंगम भविष्य में ध्यान, आध्यात्मिक अनुसंधान और सकारात्मक ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बनेगा, ऐसा विश्वास व्यक्त किया गया।

राहुल ने फिर उठाया परीक्षाओं में पेपर लीक का मुद्दा

कल के कोटा प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं से 17 जून को राजस्थान के कोटा में होने वाले छात्रों की गूंज विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। विपक्ष के नेता ने सरकार पर आरोप लगाया कि बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने, परीक्षाएं रद्द होने और भर्ती प्रक्रिया में देरी के कारण सरकार भारत के युवाओं में उम्मीद जगाने में विफल रही है। गांधी ने पर कहा कि आज के भारत में युवाओं को सपने देखने की हिम्मत करने के लिए सज़ा दी जा रही है और कड़ी मेहनत से अब सफलता की गारंटी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हर पेपर लीक, रद्द हुई परीक्षा और रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया एक सिस्टम की विफलता है और यह लाखों छात्रों और नौकरी चाहने वालों के सपनों पर एक चोट है। युवाओं में निराशा और गुस्से को समझते हुए गांधी ने कहा कि जब सरकार सुनने से इनकार कर दे, तो लोगों को अपनी आवाज़ और ज़ोर से उठानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से कोटा में एकजुट होने और अपनी चिंताओं को ऐसा बनाने के लिए कहा जिन्हें नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन हो। गांधी ने इस अभियान को भारत के युवाओं के भविष्य की लड़ाई बताते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसी दहाड़ बनें जिसे नज़रअंदाज़ न किया जा सके।

सैटेलाइट तस्वीरों में देश से मानसूनी बादल गायब

यूपी-एमपी समेत 16 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ा

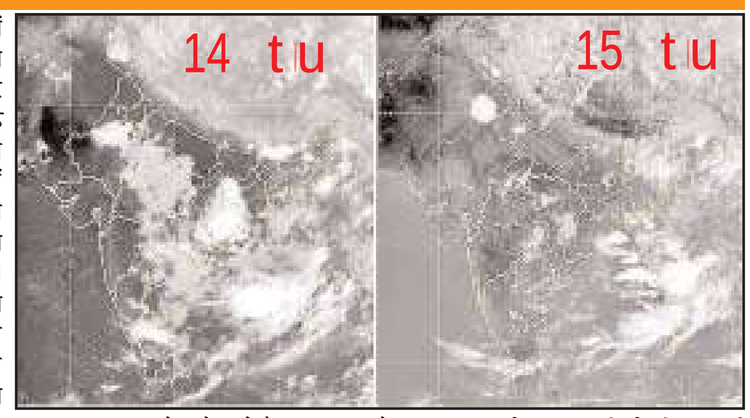

नई दिल्ली। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश

■ राजस्थान में रेतीला बवंडर, दिल्ली में तूफान आया

में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मानसूनी गतिविधियां कमजोर होने से 16 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ गया है। इनमें राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। मानसून दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है। पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रुक गया है। इधर, राजस्थान के चूरू, झुंझुनू और सीकर में सोमवार दोपहर रेत का बवंडर उठा। चुरू में कुछ मिनटों में पूरा शहर धूल से भर गया। दिन में अंधेरे जैसी स्थिति हो गई। दिल्ली के कई इलाकों में भी धूल भरी आंधी और तेज हवाएं चलीं। इसके बाद तेज बारिश भी हुई। पालम मौसम केंद्र पर दोपहर 2:30 बजे हवा की रफ्तार 92 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इस बार पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून को आगे बढ़ाने वाली हवाएं प्रभावित हो रही हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में पर्याप्त नमी के बावजूद बादल नहीं बन पा रहे हैं।

कश्मीर की वादियों में सुकून तलाश रहे सैलानी

श्रीनगर। देश के कई हिस्सों में आसमान से बरसती आग और भीषण गर्मी के बीच, उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के टंगमर्ग में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल द्रंग सैलानियों के लिए एक नया और ताजा सुकून देने वाला ठिकाना बनकर उभरा है। चिलचिलाती धूप से परेशान होकर कश्मीर घाटी पहुंच रहे पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, खूबसूरत नजारों और

■ चिलचिलाती गर्मी के बीच द्रंग में ठंडक का अहसास

शांत वातावरण का जमकर लुत्फ उठा रहे हैं, जो उनके इस सफर को हमेशा के लिए यादगार बना रहा है। पंजाब के लुधियाना से कश्मीर घूमने आईं तनवीर कौर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि द्रंग, गुलमर्ग, पहलगाम और श्रीनगर की खूबसूरती ने उनका दिल जीत लिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का सचमुच कोई मुकाबला नहीं है और देश के बाकी हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। उन्होंने दूसरों से भी कश्मीर के इस अनोखे आकर्षण का अनुभव करने की अपील की।वहीं, हरियाणा से अपने आठ लोगों के समूह के साथ आई सोनल ने कश्मीर को धरती का स्वर्ग बताते हुए कहा कि यहां का अनुभव उनकी उम्मीदों से कहीं बढ़कर रहा है। द्रंग वॉटरफॉल के बारे में सोशल मीडिया रील्स पर बड़ा सुना था और देखा भी था लेकिन जो नज़ारे यहां आकर देखने को मिले वैसा अनुभव और कहीं नहीं मिलता। उन्होंने यहां के शानदार मौसम और स्थानीय लोगों के मिलनसार व्यवहार की तारीफ करते हुए कहा कि जिसने कश्मीर नहीं देखा, उसने एक अद्भुत अनुभव को मिस कर दिया। उनके समूह के अन्य सदस्यों ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि बाहर लोग कश्मीर के बारे में चाहे जो भी सुनें, लेकिन हकीकत बिल्कुल अलग और बेहद खूबसूरत है। टंगमर्ग से करीब 3 किलोमीटर और विश्व प्रसिद्ध गुलमर्ग से लगभग 16 किलोमीटर दूर स्थित द्रंग अपनी मखमली हरियाली और कांच की तरह साफ बहते झरने के लिए जाना जाता है। यह खूबसूरत जगह जहां गर्मियों में अपने ठंडे और सुहावने मिजाज से पर्यटकों को लुभाती है, वहीं सर्दियों में इसके झरने का पानी जम जाने से बनने वाली बर्फ की खूबसूरत कलाकृतियां देश भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। देश के कई हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच बारामुला के द्रंग पर्यटन स्थल पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं और यहां के ठंडे मौसम व प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं। सैलानियों का कहना है कि द्रंग, गुलमर्ग और कश्मीर की खूबसूरती का कोई मुकाबला नहीं है और यह गर्मी से राहत पाने के लिए बेहतरीन जगह है।

अमरनाथ यात्रा : बेस कैंप से यात्रा मार्ग तक हाई अलर्ट

श्रीनगर। श्री अमरनाथ यात्रा 2026 को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने पीसीआर कश्मीर के कॉन्फ्रेंस हॉल में बड़ी सुरक्षा समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी,

■ सीसीटीवी और आरएफआईडी से होगी 24 घंटे निगरानी

आरएफआईडी और क्यूआरटी से निगरानी की जाएगी। इस दौरान यात्रा रूट, बेस कैंप और संवेदनशील जगहों की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। डीजीपी ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और आपसी तालमेल मजबूत करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील इलाकों, यात्रा रूट, रेलवे ट्रैक और पर्यटन स्थलों पर निगरानी बढ़ाने, रोजाना इलाके में गश्त और सर्च ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने कहा कि यात्रा रूट पर रोज एंटी-सैबोटेज चेक हो और सभी मुख्य सड़कें 24 घंटे सुरक्षा घेरे में रहें। डीजीपी प्रभात ने सीसीटीवी नेटवर्क और आरएफआईडी आधारित ट्रैकिंग सिस्टम का पूरा इस्तेमाल करने पर जोर दिया। इससे यात्रियों और अधिकृत वाहनों की सुरक्षा बढ़ेगी और इमरजेंसी में तुरंत मदद मिल सकेगी। उन्होंने स्थानीय लोगों और यात्रियों को कट-ऑफ टाइमिंग की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार करने को भी कहा। इस दौरान डीजीपी ने आगामी मुहर्रम और सालाना मेला खीर भवानी की सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने भीड़ प्रबंधन और सभी एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर दोनों आयोजनों को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के निर्देश दिए। डीजीपी ने अंत में सभी अफसरों को अमरनाथ यात्रा 2026 को पूरी तरह सुरक्षित और सफल बनाने के लिए तैयार रहने को कहा।

दिल्ली का तुगलकाबाद अग्निकांड : इंतकाम की आग में झुलसीं तीन जिंदगियां

बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर पाई थी सरिता

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित पांच मंजिला इमारत में 12 जून की रात लगी भीषण आग कोई हादसा नहीं, बल्कि बदले की भावना से रची गई आपराधिक साजिश थी। गोविंदपुरी थाना पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि पैसों के विवाद के चलते एक महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर इमारत में खड़ी स्कूटी में आग लगाने की साजिश रची थी। इस आग में तीन लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मामले में नवजीवन कैंप निवासी सरिता (27), उसके बॉयफ्रेंड निरंजन (33) और निरंजन के भाई राजकुमार (27) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, वारदात में शामिल नाबालिग लड़की (17) को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने की घटना में तीसरी मंजिल पर रहने वाले पंकज पांडेय (28), उसकी बहन सोनिया उर्फ सोनी (20) और उनकी नानी सुशीला देवी (75) की मौत हो गई थी। पंकज की मां गुड्डी देवी और बहन मोनी घायल हुई थीं। इसके अलावा पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दीपक की पत्नी मुमताज और उनकी दो सालियां भी झुलस गई थीं। मामले का खुलासा एक सीसीटीवी फुटेज से हुआ। जांच के दौरान पड़ोसी भवन में स्थित एक कार्यालय के कैमरे की रिकॉर्डिंग में एक युवती आग लगने से पहले इमारत में प्रवेश करती और घटना के तुरंत बाद बाहर निकलती दिखाई दी। फुटेज के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान कर शनिवार रात उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने पूरी साजिश का खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि सरिता का पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दीपक से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। दीपक, निरंजन का चचेरा भाई है। आरोप है कि विवाद के चलते सरिता दीपक से बदला लेना चाहती थी। इसके लिए उसने निरंजन और राजकुमार के साथ मिलकर दीपक की स्कूटी में आग लगाने की साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के लिए 17 वर्षीय लड़की को भेजा गया था। उसे पेट्रोल और माचिस सरिता ने उपलब्ध कराई थी। स्कूटी में लगाई गई आग ने देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया और एक मामूली रंजिश ने तीन लोगों की जान ले ली। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की जांच जारी है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड

पूर्व विधायक सुरेश राठौर को भेजा गया जेल

देहरादून। अंकिता भंडारी केस गिरफ्तार हुए पूर्व विधायक सुरेश राठौर को न्यायालय ने जेल भेज दिया गया है। राठौर की जमानत प्रार्थनापत्र भी नामंजूर कर दी गई है। पुलिस ने जांच में एक्सटॉरशन की धारा बढ़ाई है। पार्टी से निष्कासन समाप्त करने और पार्टी में पद पाने की लालसा के लिए एक्सटॉरशन करने का आरोप लगाया

■ जमानत अर्जी भी हुई नामंजूर

है। पुलिस ने पेश दलील में कहा कि अगर एक्सटॉरशन की मंशा न होती तो वीडियो में नाम लेकर और फिर उसे रिकॉर्ड कर राठौर वायरल न करते। मामले में सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के खिलाफ हरिद्वार के झबरेड़ा, बहादराबाद और नेहरू कॉलोनी व डालनवाला थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि दोनों ने सोशल मीडिया पर ऑडियो-वीडियो वायरल किए थे, जिनमें भाजपा नेताओं के संबंध में आपत्तिजनक और छवि धूमिल करने वाली सामग्री प्रसारित की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। इसी आधार पर कई जगह उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच अंतिम चरण में : नायडू

मंत्री बोले इसे पूरा करने में जल्दबाजी नहीं करेंगे

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ़्लाइट एआई171 की त्रासदी के एक साल बाद, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि जांच अपने आखिरी चरण में है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि अधिकारी इस प्रक्रिया में जल्दबाज़ी नहीं करेंगे और अंतिम रिपोर्ट जारी करने से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माने जाने वाले नियमों का पालन करना जारी रखेंगे। मंत्री ने कहा कि यह जांच एक गंभीर प्रक्रिया है जो तय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत की जा रही है। नायडू ने कहा कि जांच की एक प्रक्रिया है जो पूरी तरह से प्रोटोकॉल पर आधारित है। जांच प्रक्रिया का आधार अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल है। इसे बहुत गंभीर जांच बताते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वे इसे जल्द से जल्द करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम प्रक्रिया को छोड़ नहीं सकते और इसमें जल्दबाजी नहीं कर सकते। हम पूरी तरह से प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। मेरा मानना है कि वे अंतिम चरण में हैं, इसलिए हमें जल्द से जल्द अंतिम रिपोर्ट मिल जाएगी। हादसे को एक साल पूरा होने पर नायडू ने उन लोगों को याद किया जिनकी जान चली गई थी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज, जब हम दुखद एयर इंडिया फ्लाइट ढ्ढ-171 हादसे की पहली बरसी मना रहे हैं, तो हम गहरे दुख के साथ उन लोगों को याद करते हैं जिनकी जान चली गई और उनके परिवारों व प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मंत्री ने कहा कि जांचकर्ता तय प्रक्रियाओं के अनुसार पूरी लगन और पेशेवर तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम दुर्घटना के कारणों का बारीकी और निष्पक्षता से पता लगाने और एविएशन सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केमिकल से पकाए आमों से रहें सावधान

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही बाजारों में आम की बहार दिखाई देने लगती है, लेकिन इस मिठास के बीच एक ऐसी चिंता भी बढ़ रही है जो लोगों की सेहत पर भारी पड़ सकती है। फल कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार, मांग बढ़ने के साथ

■ सेहत पर भारी पड़ सकता है नकली पीलापन

कई स्थानों पर आमों को जल्दी पकाकर बाजार में उतारने के लिए रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जाता है। ऐसे फलों की बढ़ती मौजूदगी ने उपभोक्ताओं के बीच चिंता बढ़ा दी है।

बाहर से पीले और अंदर कच्चे होते हैं ऐसे आम

फल व्यापारियों के अनुसार कृत्रिम रूप से पकाए गए आम बाहर से पूरी तरह पीले और आकर्षक दिखाई देते हैं, लेकिन कई बार अंदर से कच्चे रहते हैं। इनमें प्राकृतिक रूप से पके आमों जैसी खुशबू और स्वाद भी नहीं होता। ग्राहकों का कहना है कि चमकदार और एक समान रंग वाले आम खरीदने के बावजूद कई बार स्वाद उम्मीद के अनुरूप नहीं मिलता।

बीमार कर सकते हैं ये आम

डॉक्टरों का मानना है कि रसायनों की मदद से पकाए गए फलों के सेवन से पेट दर्द, दस्त, उल्टी, सिरदर्द, चक्कर आना और गले में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर इसका असर अधिक गंभीर हो सकता है। यही कारण है कि बाजार में बिकने वाले फलों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर नियमित निगरानी की मांग लगातार उठ रही है। पभोक्ताओं का कहना है कि फलों की जांच और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका मानना है कि प्राकृतिक तरीके से पकाए गए फलों को बढ़ावा देने और नियमों का सख्ती से पालन कराने से लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण फल मिल सकेंगे। गर्मी के इस मौसम में विशेषज्ञ लोगों को आम खरीदते समय सावधानी बरतने और फल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हैं, ताकि स्वाद के साथ स्वास्थ्य भी सुरक्षित रह सके।

इन बातों का रखें ध्यान

बहुत अधिक चमकीले और एक समान पीले रंग के आमों की जांच-परख कर खरीदें।
प्राकृतिक रूप से पके आमों में हल्की और मीठी खुशबू आती है।
आम को अच्छी तरह धोकर ही सेवन करें।
खरीदने के बाद कुछ समय पानी में भिगोकर रखने से सतह पर मौजूद अशुद्धियां हटाने में मदद मिल सकती है।

चार राज्यों में फैलाई जा रही थीं स्लीपर सेल की जड़ें

भोपाल। राजधानी भोपाल की शांत फिजा में एक बार फिर आतंकी गतिविधियों में लिप्त कट्टरपंथी के गिरफ्तार किए जाने के बाद आतंकी गतिविधियो के एक बड़े नेटवर्क का

■ सेकंड हेड कमांडर सहित तीन गिरफ्त में

खुलासा हो रहा है। मध्यप्रदेश आतंक निरोधी दस्ता (एटीएस) ने भोपाल के पुराने शहर के काजी कैंप से मोहम्मद फराज को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से नईम नाम के कट्टरपंथी को गिरफ्तार कर 16 जून तक की रिमांड पर लिया है। रिमांड पर चल रहे मोहम्मद फराज उर्फ खादिल से हुई पूछताछ के बाद चार राज्यों में स्लीपर सेल के जिहाद की जड़ें जमाने के प्रयास सामने आए हैं। फराज और नईम की गिरफ्तारी के बाद एमपी एटीएस ने राजस्थान एटीएस व एसटीएफ की मदद से राजस्थान के अलवर जिले के टप्पुकरा थाना क्षेत्र से शाकिर मेव नाम के संदिग्ध आतंकी को पकड़ा है। शाकिर मेव सेकंड हेड कमांडर की भूमिका में था और फराज के बाद साजिश में अहम भूमिका निभाता था। शाकिर मेव को 20 जून तक की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। फराज की पूछताछ में कई चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। वह मध्यप्रदेश के बाहर भी अपना स्लीपर सेल खड़ा कर रहा था। इसके लिए उसे नईम और पाकिस्तान के साथ एक खाड़ी देश में बैठे हैंडलर डायरेक्शन दे रहे थे। फराज की पूछताछ के बाद एटीएस ने धार निवासी हाजी अहजर को गिरफ्तार किया है। एमपी एटीएस ने हरियाणा के नूंह से भी एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह भी फराज के संपर्क में कई महीनों से था और जिहादी नेटवर्क को स्थानीय स्तर पर खड़ा करने का प्रयास कर रहा था। हालांकि नूंह में हिरासत में लिए गए युवक की अधिकृत गिरफ्तारी अभी नहीं की है।

एक नजर

कार की छत पर लेटकर बनाया वीडियो

पुलिस ने सिखाया सबक

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में रविवार सुबह एक खतरनाक स्टंट का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। हरी फाटक अंडर ब्रिज रोड पर सुबह करीब 4.41 बजे एक किआ सेल्टोस कार की छत पर युवक के लेटे हुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। जानकारी के अनुसार चिंतामन गणेश मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर दौड़ती कार की छत पर एक शख्स लेटा हुआ दिखाई दिया। वीडियो सामने आने के बाद कई सवाल उठे - क्या युवक नशे में था, सो रहा था या जानबूझकर स्टंट कर रहा था? अगर अचानक ब्रेक लगता या गाड़ी मुड़ती तो बड़ा हादसा हो सकता था। वीडियो में साफ दिख रहा था कि कैसे एक पल की लापरवाही जानलेवा बन सकती थी। इस वीडियो के वायरल होते ही पुलिस ने इसे संज्ञान में लेते हुए उज्जैन वाहन क्रमांक स्क्क13 ष्ठश्व 0723 को ट्रेस किया। जांच में हेमेंद्र सिंह पाटीदार निवासी आजाद नगर - जो कार की छत पर लेटा था और अथर्व पाटीदार निवासी पार्श्वनाथ सिटी, जो कार चला रहा था, की पहचान हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 3000 का चालान काटा। साथ ही सख्त हिदायत दी कि भविष्य में इस तरह की खतरनाक हरकत न करे।

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में वैदिक मंत्र पाठ अनिवार्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के एक आदेश के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस आदेश में 16 जून, 2026 से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र से सभी सरकारी स्कूलों में रोज़ाना वैदिक मंत्रों, जिनमें गायत्री मंत्र और सरस्वती वंदना शामिल हैं, का पाठ करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस कदम से तीखी राजनीतिक बहस छिड़ गई है; विपक्षी कांग्रेस ने सरकार पर सरकारी शिक्षा का भगवाकरण करने की कोशिश का आरोप लगाया है, जबकि सत्ताधारी बीजेपी ने इस फैसले का बचाव करते हुए इसे छात्रों में सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक विकास को बढ़ावा देने की कोशिश बताया है।

सेंसेक्स में 736 और निफ्टी में 231 अंक की उछाल

नई दिल्ली। सेंसेक्स में 736 और निफ्टी में 231 अंक की उछाल दर्ज की गई। आज पूरे दिन के कारोबार के बाद अमेरिकी डॉलर (स्ष्ठ) के मुकाबले रुपया 47 पैसे मजबूत हुआ। सोमवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ बंद होने के कारणों पर विशेषज्ञों ने कहा, अमेरिका-ईरान शांति समझौते से वैश्विक स्तर पर सकारात्मक संकेत गया है। अमेरिका और ईरान के बीच 107 दिन के युद्ध को समाप्त करने की सहमति बनने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई है।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स-निफ्टी का उच्चतम स्तर क्या रहा- सोमवार के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 736.38 अंक या 0.97 फीसदी बढ़कर 76,264.33 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 1,293.12 अंक उछलकर 76,821.07 तक पहुंचा था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231 अंक या 0.98 फीसदी बढ़कर 23,853.90 पर समाप्त हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को (19 जून) को स्विट्जरलैंड में शांति समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य भी खोला जाएगा।

कितनी नीचे गिरी कच्चे तेल की कीमतें- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब रविवार को ईरान के साथ डील का एलान किया तो इसके बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी दबाव कम हुआ। कच्चे तेल की कीमतें वैश्विक बाजारों में तीन महीने के निचले स्तर पर आ गईं। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 5 फीसदी गिरकर करीब 82.90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

प्रमुख शेयरों और वैश्विक बाजारों का हाल क्या- सेंसेक्स की 30 कंपनियों में ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और मारुति लाभ हासिल करने वाली शीर्ष कंपनियां रहीं। एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5 फीसदी से अधिक उछला, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक भी लगभग 5 फीसदी चढ़ा। शंघाई और हांगकांग के सूचकांक भी तेजी के साथ बंद हुए।

बाजार की मौजूदा स्थिति पर विशेषज्ञों की राय क्या?

एक्सिस डायरेक्ट के अनुसंधान प्रमुख राजेश पाल्विया ने कहा कि अमेरिका-ईरान शांति समझौता वैश्विक जोखिम वाली संपत्तियों के लिए सकारात्मक है। कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल सुधार भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक है। यह महंगाई के दबाव को कम करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता में सुधार में मदद करता है। एक्सचेंज आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,082.18 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

डॉलर के मुकाबले रुपये का हाल क्या?

नई दिल्ली। सोमवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 58 पैसे बढ़कर 94.60 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी गिरावट आई। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में दिन की मजबूत शुरुआत और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर खुला और फिर बढ़कर 94.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 67 पैसे बढ़कर 95.18 पर बंद हुआ था। पीटीआई के मुताबिक जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद से भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए संभावनाएं बेहतर हुई हैं।

चांदी 8,906 बढ़कर 2.51 लाख पर व सोना 2,846 महंगा होकर 1.50 लाख हुआ

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में 15 जून को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (ढ्ढक्च्न्न) के अनुसार, एक किलो चांदी 8,906 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.43 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,846 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सोना-चांदी में ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर शुरू होने से आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, महंगाई का डर कम हुआ और डॉलर कमजोर पड़ा, जिससे निवेशक सोने-चांदी की तरफ लौटे हैं।

सोना इस साल 17 हजार और चांदी 21 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 17 हजार रुपए और चांदी 21 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें- हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- ;4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। कीमत क्रॉस चेक करें- सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के तरीके

मैग्नेट टेस्ट- असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है। **आइस टेस्ट-** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है। **स्मेल टेस्ट-** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है। **क्लॉथ टेस्ट-** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

किसानों को नहीं होगी दिक्कत

17 लाख टन यूरिया आयात की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को बताया कि वह 17 लाख टन यूरिया आयात करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रही है। इससे देश में खाद की घरेलू आपूर्ति और मजबूत होगी। उर्वरक विभाग की संयुक्त सचिव वंदना प्रेयसी ने एक अंतर-मंत्रालयी बैठक में कहा कि खरीफ सीजन के

- **खरीफ सीजन के लिए खाद का भंडार पर्याप्त**

लिए खाद की उपलब्धता में कोई बड़ी चुनौती नहीं है। देश में खाद का स्टॉक फिलहाल काफी अच्छी स्थिति में है। कृषि मंत्रालय ने इस खरीफ सीजन के लिए 383.9 लाख टन खाद की जरूरत का अनुमान लगाया है। इसके मुकाबले आज देश में 196.65 लाख टन स्टॉक मौजूद है। यह सामान्य स्तर से काफी ज्यादा है। किसानों ने अब तक 102.78 लाख टन रासायनिक खाद खरीद ली है। यह कुल जरूरत का लगभग 37 प्रतिशत है। सरकार की बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने की वजह से यह संभव हुआ है। सरकारी कंपनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (हृस्नरु) ने 17 लाख टन यूरिया आयात करने के लिए टेंडर निकाला था। इसके लिए दुनिया भर की कंपनियों से 60 लाख टन से ज्यादा की बोलियां मिली हैं। इसमें सबसे कम कीमत लगभग 445 डॉलर प्रति टन रही है। रासायनिक खाद के साथ-साथ जैविक खाद की मांग भी तेजी से बढ़ी है। किसानों ने अब तक 11.82 लाख टन जैविक खाद खरीदी है। पिछले साल इसी समय यह आंकड़ा केवल 3.31 लाख टन था। इससे पता चलता है कि किसान अब रासायनिक खाद के बजाय जैविक विकल्पों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारत ने अपनी खाद सुरक्षा मजबूत रखी है। संकट के इस दौर में भारत ने 50 लाख टन से ज्यादा यूरिया और पीएंडके (फास्फेटिक और पोटाश) खाद सुरक्षित कर ली है। भारत ने ओमान, मलेशिया, वियतनाम, रूस, जॉर्जिया, नाइजीरिया, मिस्र और नीदरलैंड जैसे देशों से यूरिया मंगाया है। वहीं डीएपी के लिए रूस, मोरक्को, अमेरिका, जॉर्डन और सऊदी अरब जैसे देशों से संपर्क किया गया है। फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य में भारत के 16 जहाज मौजूद हैं। इनमें से आठ जहाजों में यूरिया, चार में डीएपी, तीन में सल्फर और एक में अमोनिया लदा है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्थितियों पर पैनी नजर रख रही है। कंपनियों के सब्सिडी बिलों का भुगतान हर हफ्ते किया जा रहा है और इसके लिए पर्याप्त बजट मौजूद है। भारत में यूरिया का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। साल 2014-15 में यह 225 लाख टन था, जो 2023-24 में बढ़कर 314.07 लाख टन हो गया। पिछले साल स्थानीय मांग पूरी करने के लिए 100 लाख टन से ज्यादा यूरिया आयात किया गया था। पीएंडके खाद का उत्पादन भी 2014-15 के 159.54 लाख टन से बढ़कर 211.22 लाख टन हो गया है। सरकार का कहना है कि भारत की खाद सुरक्षा पूरी तरह स्थिर और मजबूत है।

भारत में कैसे आएगा विदेशी निवेश? वित्त मंत्री सीतारमण ने बताई सरकार की रणनीति

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संकेत दिया कि विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कदम सिर्फ शुरुआत हैं और आने वाले समय में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए और भी उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे माल, कच्चे तेल और उर्वरकों के आयात का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को पहले से तैयार रहना होगा।

बॉन्ड मार्केट बनेगा विदेशी निवेश का बड़ा केंद्र- माइंडमाइन समिट 2026 को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सरकार और रिजर्व बैंक के विश्लेषण से यह सामने आया है कि भारतीय बॉन्ड बाजार विदेशी पूंजी को आकर्षित करने का एक मजबूत माध्यम बन सकता है। इसी दिशा में सरकार ने 5 जून को फुली एक्सेसिबल रूट (स्नक्र) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार किया, जिससे सरकारी बॉन्ड में भी विदेशी निवेशकों की भागीदारी आसान हो सके। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर छूट भी दी गई है। सीतारमण ने कहा, ये कदम विदेशी पूंजी को वापस आकर्षित करने की दिशा में पहला चरण हैं। फिलहाल ध्यान बॉन्ड बाजार पर है, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

रिजर्व बैंक के कदमों से बैंकों को मिलेगा फायदा- रिजर्व बैंक ने 5 जून को बैंकों को 3 से 5 वर्ष की अवधि वाले फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा पर करेंसी स्वैप सुविधा का उपयोग करने की अनुमति दी थी। यह सुविधा 30 सितंबर तक उपलब्ध रहेगी। इससे बैंक अमेरिकी डॉलर में प्राप्त जमाओं को आरबीआई के साथ स्वैप कर सकेंगे और मुद्रा जोखिम का बेहतर प्रबंधन कर पाएंगे। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को विदेशी वाणिज्यिक उधारी जुटाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आरबीआई ने विशेष विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा भी शुरू की है। 5 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 71.1 करोड़ डॉलर से घटकर 681.61 अरब डॉलर रह गया था।

मई में भारत के निर्यात का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत का व्यापार जगत इस समय तेजी से आगे बढ़ रहा है। मई के महीने में देश के व्यापार में बड़ी बढ़त देखी गई है। सरकार ने इसके नए आंकड़े जारी कर दिए हैं। आंकड़ों के मुताबिक मई में भारत का सामान का निर्यात 18 फीसदी

- **4.3 लाख करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा**
- **सोना और पेट्रोलियम ने बढ़ाई चमक**

बढ़ गया है। अब यह बढ़कर 45.2 अरब डॉलर यानी 4,30,197.81 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। दुनिया भर में भारतीय सामान की मांग बढ़ रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस पर खुशी जताई है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह पूरा साल निर्यात के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इस बार पेट्रोलियम सेक्टर ने बहुत शानदार काम किया है। मई 2026 में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात बहुत ज्यादा बढ़ा है। इसमें 54.89 फीसदी की भारी तेजी आई है। इसके साथ ही यह निर्यात 8.42 अरब डॉलर का हो गया है। इसने देश के कुल निर्यात को बढ़ाने में बड़ी मदद की है। हालांकि पश्चिम एशिया के बाजार से थोड़ी निराशा मिली है। मई में पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 5.30 अरब डॉलर रहा। पिछले साल मई 2025 में यह आंकड़ा 5.38 अरब डॉलर था। इस बार वहां मामूली गिरावट आई है। निर्यात के साथ-साथ देश का आयात भी बढ़ा है। मई में भारत का आयात 20.62 फीसदी बढ़ गया है। भारत ने कुल 73.41 अरब डॉलर (करीब 6,98,690.74 करोड़ रुपये) का सामान बाहर से मंगाया है। आयात ज्यादा होने से देश का व्यापार घाटा भी बढ़ गया है। मई में यह घाटा 28.21 अरब डॉलर (2,68,492.93 करोड़ रुपये) रहा है। इस आयात को बढ़ाने में सोने की बड़ी भूमिका रही है। लोग जमकर सोना खरीद रहे हैं।

बाजार की उठापटक में कैसे बचाएं अपनी पूंजी

नई दिल्ली। प्रयागराज में रहने वाले अमित कुमार पिछले कुछ दिनों से सुबह की चाय चैन से नहीं पी पा रहे हैं। वजह है शेयर बाजार का मौजूदा मिजाज। कुछ दिन पहले तक जब छोटे और मझोले शेयर रॉकेट की तरह भाग रहे थे। पिछले हफ्ते जैसे ही बड़ी कंपनियों ने कमान संभाली और छोटे शेयरों में

- **जानिए मल्टी-फैक्टर फंड की रणनीति**

मुनाफावसूली हुई, अमित के पोर्टफोलियो का रंग हरे से लाल हो गया। आज के बाजार में बार-बार बदलते चक्र को भांपना और सही समय पर सही दांव लगाना किसी आम निवेशक के बस की बात नहीं है। इसीलिए एक अचूक रणनीति तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जिसे मल्टी-फैक्टर फंड कहा जाता है।

क्या होते हैं ये मल्टी-फैक्टर फंड- पारंपरिक म्यूचुअल फंड कंपनियों के आकार यानी उनके कुल बाजार मूल्य के हिसाब से शेयरों का चुनाव करते हैं। इस ढर्रे के विपरीत मल्टी-फैक्टर फंड इस बात पर ध्यान नहीं देते कि कोई कंपनी कितनी बड़ी है, बल्कि वे कंपनी के कामकाज के तरीके और उसके बर्ताव का आकलन करते हैं। इसके लिए वे कुछ ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित मजबूत कारकों को चुनते हैं। ये फैक्टर ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो जोखिम को कम करते हुए बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। पारंपरिक सूचकांकों के पीछे भागने के बजाय, यह फंड कई मजबूत कारकों, जैसे कंपनी का वास्तविक मूल्य, गुणवत्ता, रफ्तार, या उतार-चढ़ाव की स्थिरता, को एक साथ मिलाकर एक बेहद मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करता है।

यह रणनीति काम कैसे करती है- पारंपरिक म्यूचुअल फंड काफी हद तक फंड मैनेजर के अनुभव, अनुमान और व्यक्तिगत नजरिये पर निर्भर करते हैं। वहीं, मल्टी-फैक्टर फंड मानवीय भावनाओं, डर और लालच को पूरी तरह से किनारे कर देते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह से कड़े नियमों और कंप्यूटर आधारित गणितीय प्रणाली पर काम करती है।

इसकी पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- यह फंड बाजार के दो या दो से अधिक प्रमाणित स्तंभों को एक साथ चुनता है। इसके मुख्य चार स्तंभ हैं- गुणवत्ता (कम कर्ज और अधिक मुनाफा), वास्तविक मूल्य (सस्ते दामों पर मिलने वाले अच्छे शेयर), रफ्तार (तेजी से ऊपर की ओर भागते शेयर) और कम उतार-चढ़ाव (स्थिर शेयर जो बाजार के झटकों में ज्यादा नहीं डगमगाते)।

थोक महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। मई में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.68त्न पर

- **मई में 9.68 प्रतिशत पहुंची;**
- **ईंधन महंगा हुआ, अनाज और तेल की कीमतें भी बढ़ीं**

पहुंच गई है। इससे पहले अप्रैल में यह 8.26 प्रतिशत पर थी। मई में महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 15 जून को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और फ्यूल के दाम बढ़ना है। इसके अलावा अनाज और तेल भी महंगा हुआ है। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच साढ़े तीन महीने से तनाव है। स्थितियां सामान्य नहीं हुईं तो महंगाई और बढ़ सकती है। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 3.78 प्रतिशत से बढ़कर 4.99 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 3.11 प्रतिशत से बढ़कर 4.49 प्रतिशत पर पहुंच गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 24.89 प्रतिशत से बढ़कर 30.33 प्रतिशत हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 6.68 प्रतिशत से बढ़कर 7.48 प्रतिशत रही। मई में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.93 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.48 प्रतिशत थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के टारगेट 4 प्रतिशत के बेहद करीब पहुंच गई है।

यूएस-ईरान शांति समझौते के एलान के बाद झूमे एशियाई बाजार

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते का एलान करने के बाद ही एशियाई बाजार झूम उठे। जापान का निक्केई सूचकांक 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इंट्राडे रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। शांति समझौते के एलान और होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की खबर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों में उछाल आया। दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचकांक में भी 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। **बाजारों का कैसा रहा हाल-** ऑस्ट्रेलियाई शेयर बाजार में भी खुलने के साथ ही तेजी दर्ज की गई। एएसएक्स200 125 अंकों के साथ बढ़कर 8928 पर कारोबार कर रहा था। सूचकांक के 11 में से सात क्षेत्रों में तेजी देखी गई। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कच्चा तेल के वायदा भाव में 4.77 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 80.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अगस्त में डिलिवरी के लिए ब्रेंट वायदा भाव में भी करीब 4 फीसदी की गिरावट आई और यह 83.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एसएंडपी 500 वायदा में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि नैस्डैक वायदा में 1.4 प्रतिश की तेजी आई है। निक्केई वायदा तेजी के बाद 68,685 के अंक तक पहुंच गया, जबकि शुक्रवार को यह 66,020 पर था। अमेरिकी शेयर बाजारों के संकेतक भी मजबूती दर्शा रहे हैं। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1 प्रतिशत और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स में 0.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे वॉल स्ट्रीट में सकारात्मक शुरुआत के संकेत मिले।

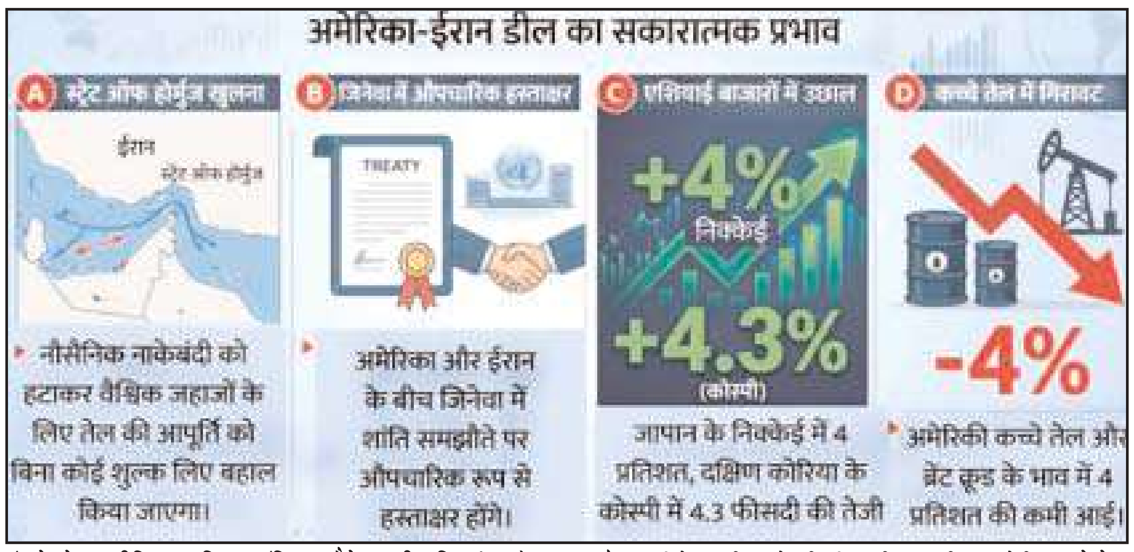

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर किया शांति समझौते का एलान- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर शांति समझौते का एलान करते हुए लिखा कि %ईरान के साथ समझौता पूरा हो गया है। सभी को बधाई। मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के खोलने की अनुमति देता हूं और साथ ही अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक अवरोध को भी तुरंत हटाने की अनुमति देता हूं। विश्व के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल को बहने दो। **ईरान ने भी की समझौते की पुष्टि-** ईरान के कानून और उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने भी शांति समझौते की पुष्टि की। दोनों देशों के बीच 19 जून को जिनेवा में शांति समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह शांति समझौता सिर्फ कूटनीति का परिणाम नहीं है बल्कि ईरान की सैन्य उपलब्धियों का भी कर्जदार है। इस शांति समझौते का साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का भी अंत हो जाएगा और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी। 108 दिनों के बाद इस संघर्ष की समाप्ति से पूरी दुनिया भी राहत की सांस लेगी। **कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट-** कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 3 डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई। सोमवार के शुरुआती कारोबार में अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 3.45 डॉलर गिरकर 83.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क क्रूड 3.95 डॉलर टूटकर 80.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम में भी गिरावट की उम्मीद की जा रही है।

कितनी जरूरी है बचत, पैसा कहां रखना रहेगा सबसे सुरक्षित

नई दिल्ली। जीवन में खुशियां बिना बताए आ सकती हैं, लेकिन मुसीबतें हमेशा अचानक और बिना दस्तक दिए ही आती हैं। बीमारी, अचानक नौकरी छूटना या कोई बड़ा अप्रत्याशित खर्च, ऐसी स्थितियां हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार के घरेलू बजट को पल भर में तहस-नहस कर सकती हैं। ऐसे ही कठिन समय में जो पैसा आपकी रक्षा करता है, उसे वित्तीय भाषा में इमरजेंसी फंड कहते हैं।आंकड़े बताते हैं कि देश में कर्ज लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है और घरेलू देनदारियां रिकॉर्ड स्तर पर हैं। ऐसे दौर में हर समझदार व्यक्ति के पास एक इमरजेंसी फंड होना अनिवार्य है, ताकि संकट के समय किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े और न ही भारी ब्याज पर कर्ज का बोझ उठाना पड़े। **कैसे तय करें इमरजेंसी फंड की मात्रा-** एक ही आकार का जूता सबके पैरों में फिट नहीं बैठता, यही नियम इस फंड पर भी लागू होता है। अपनी नौकरी की स्थिरता, वैवाहिक स्थिति और जिम्मेदारियों के आधार पर तय करें कि आपको कितने महीनों का खर्च बचाकर रखना है। **स्थिर नौकरी और अकेले युवा-** यदि आपकी नौकरी पूरी तरह सुरक्षित है और आप पर कोई निर्भर नहीं है, तो आपके लिए 3 महीने का आवश्यक खर्च बचाकर रखना पर्याप्त है। **विवाहित और मानक स्थिति-** यदि आप शादीशुदा हैं, तो कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च का बैकअप अपने पास रखें ताकि किसी भी उतार-चढ़ाव में परिवार सुरक्षित रहे। **बच्चे, भारी कर्ज या अनिश्चित आय-** यदि आपके बच्चे हैं, आप पर होम लोन की किस्त का बोझ है, या आपकी आय निश्चित नहीं है, तो आपको 12 महीने का खर्च सुरक्षित रखना चाहिए। **कहां रखें यह पैसा-** इमरजेंसी फंड का मकसद मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इस पैसे को ऐसी जगह रखें जहां जोखिम शून्य हो और आप इसे पलक झपकते ही निकाल सकें। पूरे पैसे को एक ही जगह रखने के बजाय इन तीन विकल्पों के मिश्रण में बांटें-

बचत खाता- अपने कुल फंड का लगभग 1 से 2 महीने का खर्च हमेशा अपने साधारण बचत खाते में रखें, जिसे आप रात के 12 बजे भी एटीएम या यूपीआई के जरिये निकाल सकें।

स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

नई दिल्ली। मॉन्टेरी (मैक्सिको), 15 जून (एपी) यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने रविवार की रात को ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में लंबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया। उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए। अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में मदद की। स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया। स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था। विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर काबिज ट्यूनीशिया के लिए उमर रेकिक ने गोल किया। ट्यूनीशिया अपने सातवें विश्व कप में खेल रहा है, लेकिन वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है। वही गोल से ज्यादा चर्चा अयारी की प्रतिक्रिया की हो रही है। गोल करने के बाद उन्होंने न तो दौड़ लगाई, न कोई खास सेलिब्रेशन किया और न ही दर्शकों के सामने खुशी जताई। उन्होंने सिर्फ दोनों हाथ ऊपर उठाए और शांत खड़े रहे, जबकि उनके साथी खिलाड़ी उन्हें बधाई देने पहुंच गए। अयारी का यह फैसला अचानक नहीं था। स्वीडन के लिए खेलने वाले इस मिडफील्डर का ट्यूनीशिया से गहरा पारिवारिक संबंध है। उनका जन्म स्वीडन के सोलना शहर में हुआ, लेकिन उनके पिता ट्यूनीशिया से हैं। उनकी मां मोरक्को मूल की हैं। इसी वजह से अयारी के पास ट्यूनीशिया का प्रतिनिधित्व करने का भी विकल्प था। हालांकि उन्होंने स्वीडन की युवा टीमों से खेलते हुए आगे बढ़ने का फैसला किया और 2023 में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया। फुटबॉल में अक्सर खिलाड़ी अपने पूर्व क्लब या अपने करीबी संबंध रखने वाली टीम के खिलाफ गोल करने पर जश्न नहीं मनाते। अयारी ने भी कुछ ऐसा ही किया। ट्यूनीशिया उनकी पारिवारिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसी सम्मान को दिखाने के लिए उन्होंने संयमित प्रतिक्रिया दी। उनका यह व्यवहार सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है। कई प्रशंसकों ने इसे खेल भावना और अपने मूल से जुड़े रहने का बेहतरीन उदाहरण बताया।

88वें मिनट में जापान के दाइची ने पलटा पासा, नीदरलैंड जीत से चूकी, 2-2 से ड्रॉ

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड और जापान के बीच खेला गया रोमांचक मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में डच टीम दो बार बढ़त बनाने में सफल रही, लेकिन जापान ने हर बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल कर लिया। मैच का निर्णायक मोड़ 88वें मिनट में आया, जब दाइची कामदा ने गोल कर जापान को बराबरी दिला दी। मुकाबले की शुरुआत से ही नीदरलैंड ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बनाए रखा। डोनियल मालेन को गोल करने के दो अच्छे मौके मिले, लेकिन जापान के गोलकीपर जियोन सुजुकी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को बढ़त नहीं लेने दी। दूसरी ओर जापान ने संयमित रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जवाबी हमलों के जरिए मौके बनाने की कोशिश की। हालांकि, पहले 45 मिनट में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं और हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत के पांच मिनट बाद ही नीदरलैंड को सफलता मिल गई। 50वें मिनट में रयान ग्रावेनबेर्च की फ्री-किक पर कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने शानदार हेडर लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, जापान ने ज्यादा देर इंतजार नहीं किया। 57वें मिनट में ताकेफुसा कुबो ने बॉक्स के अंदर बेहतरीन मूव बनाया और गेंद केइतो नाकामुरा को थमाई। नाकामुरा ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया। जापान के बराबरी करने के सात मिनट बाद ही नीदरलैंड ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 64वें मिनट में रयान ग्रावेनबेर्च ने अपना दूसरा असिस्ट दर्ज कराया। उनके पास पर क्रिसेंसियो समरविल ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, जो सीधे गोलपोस्ट में जा समाया। इस गोल के साथ नीदरलैंड 2-1 से आगे हो गया। मैच समाप्ति की ओर बढ़ रहा था और डच टीम जीत के करीब नजर आ रही थी। लेकिन 88वें मिनट में जापान को कॉर्नर मिला। कॉर्नर पर कोकी ओगावा के प्रयास के बाद गेंद दाइची कामदा तक पहुंची और उनका शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोल में चला गया। इस गोल ने जापान को दूसरी बार बराबरी दिला दी।

जापान के फैंस ने पेश की मिसाल स्टेडियम में चलाया सफाई अभियान

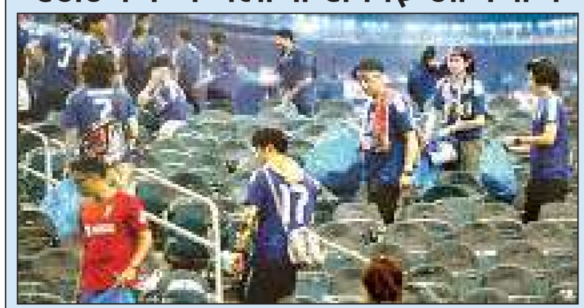

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में जापान और नीदरलैंड्स के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। भले ही नतीजा जापान के पक्ष में नहीं आया, लेकिन टीम के लिए यह किसी जीत से कम नहीं था। जापान के मुकाबले नीदरलैंड्स की टीम काफी मजबूत है, इसके बावजूद जापान ने ड्रॉ खेला। मैच के बाद जापान के प्रशंसकों ने स्वच्छता के प्रति जो जागरूकता दिखाई इससे इन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया। दरअसल, जापान और नीदरलैंड्स का मैच खत्म होने के बाद जापान के फैंस स्टेडियम की सफाई करते हुए नजर आए। उन्होंने इधर-उधर पड़े कूड़े को उठाया और सीटों के आसपास पड़ी गंदगी को भी साफ करते हुए दिखाई दिए। फीफा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जापानी फैंस का यह दिल जीत लेने वाला वीडियो शेयर किया।

फीफा विश्व कप में 12 साल बाद आइवरी कोस्ट की धमाकेदार वापसी

नई दिल्ली। अमाद डियालो के 90वें मिनट में गोल से 12 साल बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रॉसबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्थानापन्न विंगर डियालो (56वें मिनट में मैदान पर उतरे) ने पेनल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को चकमा देकर गोल कर दिया। विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी। इस तरह से विश्व कप में चौथी बार और 2014 के बाद पहली बार हिस्सा ले रहे आइवरी कोस्ट ने नॉकआउट चरण में पहुंचने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया। आइवरी कोस्ट के लिए एली वाही ने 52वें मिनट में क्रॉसबार पर शॉट मारा। इससे पहले इक्वाडोर के जॉन येबोआ और निलसन एंगुलो ने पहले हाफ में ऐसा करके गोल करने का सुनहरे मौके गंवा दिये थे। पांचवीं बार विश्व कप में भाग ले रहा इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने ला ट्राई (इक्वाडोर की टीम) की पीली जर्सी पहनी हुई थी। डियालो के गोल से पहले इक्वाडोर की टीम मजबूत नजर आ रही थी। उसे हाफ टाइम के बाद सबसे अच्छा मौका 68वें मिनट में मिला जब गोंज़ालो प्लाटा ने लगभग 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाया जिसे गोलकीपर याहिया फोफाना ने रोक दिया। आइवरी कोस्ट को यान डियोमांडे के आक्रामक खेल से काफी मजबूती मिली। उन्होंने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए। इनमें डियोमांडे के शानदार क्रॉस पर वाही का शानदार शॉट भी था जो मामूली अंतर से गोल में जाने से रह गया था। आइवरी कोस्ट ने क्वालीफाइंग के 10 मैचों में 8-0-2 का रिकॉर्ड बनाते हुए एक भी गोल नहीं खाया। अब उसका सामना चार बार के विश्व कप चैंपियन जर्मनी से होगा, जिसने रविवार को ग्रुप ई में क्यूरासाओ को 7-1 से हराया था। इक्वाडोर का मुकाबला क्यूरासाओ से होगा। दोनों मैच 20 जून को खेले जाएंगे।

दोहा डायमंड लीग के जरिये वापसी करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा 19 जून को होने वाली दोहा डायमंड लीग के जरिये प्रतिस्पर्धा में वापसी करेंगे । तोक्यो ओलंपिक 2020 चैम्पियन और पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता चोपड़ा ने 2025 विश्व चैम्पियनशिप में निराशाजनक आठवें स्थान पर रहने के बाद प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया है । दोहा डायमंड लीग में भालाफेंक की प्रविष्टियों में चोपड़ा का नाम शामिल है । उन्होंने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में 90 मीटर का आंकड़ा पारी किया था । हरियाणा के 28 वर्ष के चोपड़ा इस समय स्विटजरलैंड के बियेने में अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी के साथ 47 दिन के आफ सीजन अभ्यास शिविर में भाग ले रहे हैं । आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिये रविवार को घोषित भारतीय एथलेटिक्स टीम में भी चोपड़ा का नाम सशर्त शामिल किया गया है । उन्हें इसके लिये भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का 82. 61 मीटर का क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करना होगा । अगर वह ग्लास्गो में अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हैं तो भारत के तीन भालाफेंक खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे । रोहित यादव और यशवीर भारतीय एथलेटिक्स सीरिज 9 के जरिये क्वालीफाई कर चुके हैं । दोहा डायमंड लीग में मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट और हाल ही में रोम डायमंड लीग में 92 . 62 मीटर का थ्रो फेंकने वाले श्रीलंका के रूमेश तरंगा पथिरागे भाग लेंगे । पेरिस ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम का नाम सूची में नहीं है । ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (सत्र का सर्वश्रेष्ठ 86 . 08 मीटर) अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन (85.33 मीटर), चेक गणराज्य के याकूब वालेश (85.24 मीटर) के नाम प्रतियोगियों की सूची में हैं । चोपड़ा ने दोहा में 90 . 23 मीटर का थ्रो फेंका था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर ने छठे और आखिरी थ्रो में 91 . 06 मीटर फेंककर खिताब जीता।

सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ धक्का-मुक्की, भारत हारा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ धक्का-मुक्की हो गई। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच दांबुला में त्रिकोणीय सीरीज का मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के बीच यह मैच टाई छूटा जिसके बाद मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला जहां भारत ए को हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान वैभव अपना आपा खो बैठे और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद बीच बचाव कर मामले को शांत कराया गया। यह मामला सुपर ओवर के आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद हुई जब कुगाथस माथुलन ने वैभव को गेंद डाली। भारत ए को उस समय आखिरी गेंद पर आठ रन की जरूरत थी। माथुलन ने शानदार यार्कर डाली जिस पर वैभव शॉट नहीं खेल पाए। इसके बाद वह जश्न मनाने लगे और श्रीलंका ए के खिलाड़ी भी इसमें शामिल हो गए। सूर्यवंशी किस कारण भड़के इसका कारण अभी पता नहीं चल सका है, लेकिन माना जा रहा है कि वह माथुलन के जश्न मनाने के तरीके या मैच खत्म होने के बाद उनसे कुछ कहा गया इसलिए भड़क उठे। ऐसा लगा कि उन्हें यह बात पसंद आई कि खराब लाइटिंग होने के बाद भी सुपर ओवर करवाया गया। मैच खत्म होने के बाद वैभव की खिलाड़ियों के साथ तीखी बहस हुई और फिर उन्होंने एक श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का दिया। इसके बावजूद वैभव का गुस्सा शांत नहीं हुआ और वह पीछे हटते हुए भी विरोधी खिलाड़ी को लगातार खरी-खोटी सुनाते नजर आए। वहीं टॉस जीतकर श्रीलंका-ए ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 13 गेंदों पर 11 रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने 14 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए, लेकिन साहन अराचिगे ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। 266 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका-ए ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी की और निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 265 रन बनाकर मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में लगातार विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश की, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने अंत तक हार नहीं मानी और स्कोर बराबर कर दिया। टाई होने के बाद मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए और भारत-ए के सामने 17 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में भारत-ए की टीम दबाव में बिखर गई और सिर्फ 10 रन ही बना सकी। इस तरह श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में छह रन से जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ श्रीलंका-ए ने तीन अंक हासिल किए और अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। वहीं, भारत-ए को टूर्नामेंट में दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

लगातार तीसरे मैच में नहीं चला वैभव का बल्ला

विवादों के बीच वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन भी चिंता का विषय बना हुआ है। वनडे ट्राई सीरीज में वह लगातार तीसरे मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 21 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजी क्रम भी पूरी तरह संघर्ष करता नजर आया। अनुकूल रॉय 8 रन, निशांत सिंधु 6 रन, आयुष बडोनी 15 रन और प्रभसिमरन सिंह 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

एक नजर

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर टी20 श्रृंखला जीती

नई दिल्ली। शेरफेन रदरफोर्ड ने आखिरी ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया जिससे वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दो गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से जीत हासिल कर श्रृंखला अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सभी विकेट गंवाकर निर्धारित 20 ओवर में 169 रन बनाए। उसकी तरफ से दुनिथ वेलालगे ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 170 रन बनाकर जीत हासिल की। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने 33 रन देकर पांच विकेट लिए तथा उन्हें मैच और श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रदरफोर्ड 40 गेंदों पर 54 रन बनाकर नाबाद रहे। जेसन होल्डर ने अंतिम ओवर से पहले तीन छक्के जड़े। वह पांच गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। रोवमैन पावेल ने 33 और शिमरोन हेटमायर ने 32 रन का योगदान दिया।

दिल्ली में 19 से 24 जून तक एशियाई सीनियर तलवारबाजी चैम्पियनशिप में शीर्ष सितारे

नई दिल्ली। दिल्ली में 19 से 24 जून तक होने वाली एशियाई सीनियर तलवारबाजी चैम्पियनशिप में ओलंपिक पदक विजेताओं समेत 34 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे । भारत में पहली बार यह टूर्नामेंट हो रहा है जो इस साल के आखिर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों का सीधा क्वालीफायर भी है । टूर्नामेंट से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिये जरूरी रैंकिंग अंक भी मिलेंगे । भारत की चुनौती की अगुवाई ओलंपियन भवानी देवी (साबरे) करेंगी जिन्होंने 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था । चैम्पियनशिप के साथ ही एशियाई तलवारबाजी परिसंघ की आमसभा भी 19 जून को होगी जिसमें 42 सदस्य देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे ।

भुल्लर मोरक्को में संयुक्त 31वें स्थान के साथ भारतीयों में शीर्ष पर

नई दिल्ली। अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर यहां अंतरराष्ट्रीय सीरीज मोरक्को में अंतिम दौर में एक ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त 31वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। भुल्लर ने एशियाई टूर की इस 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में कुल छह अंडर का स्कोर बनाया। अन्य भारतीयों में करणदीप कोच्चर (78) और अजितेश संधू (77) संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर रहे।

अवसाद से जूझ रही थी, क्रिकेट छोड़ना चाहती थीः श्रेयंका पाटिल

नई दिल्ली। भारत की ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल ने बताया कि चोट के कारण एक साल से अधिक समय तक खेल से दूर रहने के दौरान वह अवसाद से जूझ रही थीं और उन्होंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में भी सोचा था। रविवार को यहां महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 64 रन की जीत में किफायती गेंदबाजी करने वाली श्रेयंका ने इस मुश्किल दौर से निकलने और राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी करने का श्रेय अपने मजबूत सहयोगी ढांचे को दिया। जुलाई 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान अंगुली में फ्रैक्चर होने के बाद श्रेयंका लगभग 14 महीने तक खेल से दूर रहीं। चोट की परेशानियां यहीं नहीं रुकीं। उन्हें दोनों पैरों की पिंडली में गंभीर समस्या और बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर का भी सामना करना पड़ा जिसके बाद आखिरकार इस साल की शुरुआत में महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से उन्होंने वापसी की। श्रेयंका ने कहा, ''अगर मैं कहूं मैं अवसाद में नहीं थी या मैंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में नहीं सोचा तो यह झूठ होगा। चोट के दौर में शुरुआत में मुझे ऐसा ही महसूस हुआ था। लेकिन मेरे अंदर एक आवाज थी जो कह रही थी, 'चाहे कुछ भी हो, मुझे यह खेल खेलना पसंद है। मैं यहां सिर्फ इसलिए हूं क्योंकि मुझे इसे खेलना पसंद है'।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं उस चीज को नहीं छोड़ सकती थी जिसे करना मुझे पसंद है। मैंने हिम्मत बनाए रखी मेरे पापा मेरे से बात करते रहे और मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा साथ दिया। मेरे आसपास का माहौल और मेरा मजबूत सहयोगी ढांचा- मैं हमेशा अच्छे लोगों से घिरी रही। इसी चीज ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की।'' इस स्पिनर ने कहा, ''अब मुझे मैदान पर वापस आकर अच्छा लग रहा है और मैं इस एहसास को जाने नहीं दूंगी।'' श्रेयंका ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन ओवर में सिर्फ 17 रन दिए जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 170 रन के स्कोर का आसानी से बचाव किया।

एशियाई खेलः भारतीय टेनिस दल की अगुआई करेंगे सुमित और सहजा

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग के एकल खिलाड़ी सुमित नागल और सहजा यमलापल्ली जापान में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में देश के टेनिस अभियान की अगुआई करेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोमवार को इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए छह सदस्यीय पुरुष और महिला टीम चुनी। टीम का चयन नंदन बल की अध्यक्षता वाली एआईटीए की चयन समिति ने किया। इसमें अनुभवी खिलाड़ियों और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिश्रण है। संघ को उम्मीद है कि मौजूदा फॉर्म और भविष्य की संभावनाओं के मेल से टीम जापान में सफल होगी। पुरुषों की टीम में दुनिया के 277वें नंबर के खिलाड़ी नागल, युवा मानस धामने (378 रैंकिंग) और पिछले डेविस कप मुकाबले के हीरो दक्षिणेश्वर सुरेश (478) शामिल हैं। टीम में युगल के तीन विशेषज्ञ भी हैं जिनकी अगुआई युकी भांबरी (दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी) करेंगे। अन्य दो युगल खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी (दुनिया के 61वें नंबर के खिलाड़ी) और अनिरुद्ध चंद्रशेखर (दुनिया के 90वें नंबर के खिलाड़ी) हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारतीय मुक्केबाज उस्ती नाद लाबेम ग्रां प्री में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारतीय मुक्केबाज बुधवार से चेक गणराज्य में शुरू हो रही आमंत्रण ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम में हिस्सा लेंगे। लवलीना (75 किग्रा) के अलावा एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और परवीन हुड्डा (65 किग्रा) महिला टीम की सदस्य हैं। दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगी क्योंकि वे चोट से उबर रही हैं। पुरुष टीम में जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिव सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप (65 किग्रा), सुमित (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) को जगह मिली है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने, अलग-अलग संयोजन को आजमाने और यूरोप के प्रतिस्पर्धी माहौल में मजबूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सामना करने का अनुभव मिलेगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट में से एक है और यह हमारे खिलाड़ियों को दुनिया भर के मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करने का बेहतरीन मंच देता है।'' उन्होंने कहा, ''इस टीम में हमारे कई बेहतरीन मुक्केबाज शामिल हैं। ऐसे मौके बहुत जरूरी हैं क्योंकि इनसे उन्हें अनुभव मिलता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अलग-अलग प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को परख पाते हैं।''

टीमः महिलाः साक्षी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), परवीन (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)।

पुरुषः जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप (65 किग्रा), सुमित (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का डोमैन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारत के लिये सर्वाधिक 412 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने के दिलीप टिर्की के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले स्टार मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 खेलने और बेल्जियम के जॉन जॉन डोमैन के 481 अंतरराष्ट्रीय मैचों के विश्व रिकॉर्ड पर लगी हैं । एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच के साथ ही मनप्रीत ने भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष टिर्की के 412 मैचों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली । अब 17 जून को जर्मनी के खिलाफ मैच के जरिये वह भारत के लिये सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जायेंगे । 33 वर्ष के मनप्रीत ने रोटरडम से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''मुझे सफर की शुरुआत याद आ रही है जब मीठापुर के एक बच्चे ने भारत के लिये खेलने का सपना देखा था । यह सफर 15 साल लंबा हो गया और 400 से ज्यादा मैच खेलूंगा, यह कभी नहीं सोचा था ।'' उन्होंने कहा कि अभी यह भी कहा कि सफर अभी थमा नहीं है और उनकी नजरें विश्व रिकॉर्ड तथा ओलंपिक 2028 पर लगी है जिसके लिये वह फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहे हैं । 2011 में भारत के लिये पदार्पण करने वाले मनप्रीत ने कहा ,'' निश्चित तौर पर मैं दुनिया में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना चाहता हूं । बेल्जियम के जॉन जॉन डोम का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं लेकिन उसके लिये फिट रहना सबसे अहम है । अगर मैं फिट नहीं हूं तो खुद ही नहीं चाहूंगा कि टीम में रहूं ।'' पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने कैरियर को विस्तार देने के लिये मनप्रीत ने फिटनेस पर काफी मेहनत की है और वह यो यो टेस्ट में सबसे अच्छे नतीजे देने वाले खिलाड़ियों में से हैं। तोक्यो ओलंपिक 2020 में अपनी कप्तानी में भारत को 41 साल बाद ओलंपिक पदक दिलाने वाले इस मिडफील्डर ने कहा ,''मुझे पेरिस ओलंपिक के बाद लगा कि कैरियर लंबा करना है तो फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देना होगा ।बढ़ती उम्र के साथ यह ध्यान देना जरूरी है कि क्या खाना है, क्या नहीं खाना है, जिम में क्या करना है और क्या नहीं। दस साल पहले मैं कुछ भी खा लेता था लेकिन अब सोचना पड़ता है ।''

आईपीएल का सबसे अधिक देखा गया मैच बना आरसीबी और टाइटन्स का फाइनल

नई दिल्ली। आधिकारिक प्रसारणकर्ता के अनुसार हाल में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग को रिकॉर्ड एक अरब 20 करोड़ दर्शक मिले जो पिछले वर्ष के आधार पर सात प्रतिशत का इजाफा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद में हुए फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर अपना लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जीता। विज्ञप्ति में कहा गया ''आईपीएल 2026 को एक अरब 20 करोड़ से अधिक दर्शक मिले जो प्रति वर्ष के आधार पर सात प्रतिशत के इजाफे को दर्शाता है। इस सत्र में दर्शक स्क्रीन से चिपके रहे क्योंकि मैच देखने का समय 870 अरब मिनट तक पहुंच गया। फाइनल ने दर्शकों की संख्या दोगुनी कर दी और यह अब तक का सबसे अधिक देखा जाने वाला टाटा आईपीएल मैच बन गया जिसे स्क्रीन पर 40 करोड़ से अधिक लोगों ने देखा।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''2026 सत्र में डिजिटल स्क्रीन पर अच्छी प्रगति देखी गई। कनेक्टेड टीवी 22 प्रतिशत बढ़ा। डिजिटल वीडियो पर देखे जाने वाले व्यूज 25 अरब तक पहुंच गए जो साल दर साल आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

अब सिंजेंटा के सहयोग से सशक्त बनेगा अन्नम एआई

आधुनिक तकनीक से बदलेगी खेती की तस्वीर, किसानों को मिलेगी डेटा और एआई की ताकत

नई दिल्ली, ब्यूरो। अन्नदाता किसानों को सही समय पर बेहतर निर्णय लेने में मदद करने के मकसद से उनकी भाषा में बिल्कुल मुफ्त और रीयल-टाइम कृषि सलाह उपलब्ध कराने और फसलों की स्थिति, कीटों के खतरे के साथ ही खेती से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां किसानों को त्वरित तौर पर मुहैया कराने के लिए भारत सरकार से लेकर देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी संगठनों के सहयोग व समन्वय से बन रहे भारत के पहले ओपन-डेटा आधारित कृषि इंटेलिजेंस इकोसिस्टम 'अन्नम एआई' के साथ रणनीतिक साझेदारी के लिए कृषि नवाचार क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनी सिंजेंटा आगे आई है। सिंजेंटा भारत में बीज, फसल संरक्षण, बायोलॉजिकल समाधान और डिजिटल कृषि क्षेत्रों में अपनी दीर्घकालिक उपस्थिति और गहन विशेषज्ञता के बल पर इस प्लेटफॉर्म की वैज्ञानिक क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगी। साथ ही सिंजेंटा अपनी

वैज्ञानिक विशेषज्ञता के आधार पर फसल स्वास्थ्य, कीट प्रकोप और गर्मी के प्रभाव का पूर्वानुमान लगाने वाले उन्नत मॉडल विकसित करने में सहयोग देगा। इससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को सबसे अधिक लाभ होगा जो मौसम की अनिश्चितता और जानकारी की कमी जैसी समस्याओं से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। बताया जा रहा है कि अन्नम एआई भारत के किसानों के लिए एक डिजिटल साथी की तरह काम करेगा जो उन्हें आधुनिक तकनीक की शक्ति से जोड़कर उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने और जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करने में मदद करेगा।

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित एक उच्चस्तरीय कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति में अन्नम एआई को लेकर सिंजेंटा के साथ यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ है जो भारतीय कृषि को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ओपन डेटा और उन्नत विज्ञान की शक्ति से लैस करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। आईआईटी रोपड़ की अगुवाई में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पूर्ण समर्थन और गूगल समेत कई वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के सहयोग से तैयार हो रहा एलायंस फॉर नेक्स्ट-जेन नरिशमेंट थ्रू एग्रीकल्चर मॉडर्नाइजेशन यानी अन्नम एआई प्लेटफॉर्म देश के करोड़ों किसानों को निःशुल्क, रीयल-टाइम और क्षेत्र-विशेष कृषि जानकारी उपलब्ध कराएगा। इसमें सिंजेंटा अपनी व्यापक अनुसंधान एवं विकास क्षमता तथा कृषि विज्ञान विशेषज्ञता का योगदान देकर उन्नत फसल स्वास्थ्य मॉडल, कीट प्रकोप पूर्वानुमान प्रणाली और तापीय तनाव (हीट स्ट्रेस) आकलन मॉडल विकसित करेगी। इन एआई-संचालित उपकरणों से किसान स्थानीय मौसम, मिट्टी और फसल की स्थिति के अनुरूप सटीक परामर्श प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी, फसल हानि कम होगी और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से बेहतर मुकाबला किया जा सकेगा। खास तौर से भारतीय किसानों को अनियमित मौसम, बढ़ते कीट प्रकोप, जलवायु परिवर्तनशीलता और समय पर सही जानकारी नहीं मिल पाने सरीखी जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है उसके समाधान के लिए विकसित किया जा रहा अन्नम एआई ओपन-डेटा, बहुभाषी एआई परामर्श और क्षेत्र-विशेष के मौसम के आंकड़ों का उपयोग करेगा जिससे सतत कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी।

जब व्यवस्था हुई फेल, तब व्यापारी अभिमन्यु जायसवाल बने राहगीरों की प्यास बुझाने का सहारा

स्वतंत्र भारत बढ़नी सिद्धार्थनगर। एक ओर नगर पंचायत बढ़नी में करोड़ों रुपये की लागत से संचालित हर घर जल योजना भीषण गर्मी के दौरान लोगों को पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में असफल नजर आई, वहीं दूसरी ओर नगर के निवासी एवं व्यापारी अभिमन्यु जायसवाल ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए राहगीरों के लिए निःस्वार्थ भाव से शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था कर मिसाल पेश की है।

भीषण गर्मी के इस दौर में जहां लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं पश्चिम रेलवे क्रॉसिंग के निकट अभिमन्यु जायसवाल द्वारा प्रतिदिन शुद्ध ठंडे पानी की व्यवस्था की जा रही है। इस सेवा का लाभ स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ दूर-दराज से आने-जाने वाले राहगीर भी उठा रहे हैं। विशेष बात यह है कि अभिमन्यु जायसवाल न तो किसी राजनीतिक दल से जुड़े हैं और न ही किसी चुनावी तैयारी के तहत यह कार्य कर रहे हैं। यह पूरी व्यवस्था उनके व्यक्तिगत प्रयास और सामाजिक सरोकार की भावना का परिणाम है। बिना किसी प्रचार-प्रसार या स्वार्थ के वह लगातार लोगों की प्यास बुझाने का कार्य कर रहे हैं।

नितेश रौनियार, विष्णु अग्रहरि, राजेश गुप्ता, श्री राम, अनीश आदि नगरवासियों का कहना है कि जब सरकारी योजनाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही हैं, ऐसे समय में अभिमन्यु जायसवाल जैसे लोग समाज के लिए प्रेरणा बनकर सामने आते हैं। उनकी यह पहल मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। गौरतलब है कि भीषण गर्मी में पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में अभिमन्यु जायसवाल द्वारा शुरू की गई यह निःशुल्क जल सेवा न केवल राहगीरों को राहत पहुंचा रही है, बल्कि समाज को यह संदेश भी दे रही है कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी जनसेवा का बड़ा कार्य किया जा सकता है।

सपा ने मनाई पूर्व मंत्री स्व. रामरती बिन्द की पुण्यतिथि

स्वतंत्र भारत मिर्जापुर। पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्व. रामरती बिन्द जी की प्रथम पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी द्वारा स्थानीय जिला कार्यालय लोहिया ट्रस्ट पर श्रद्धांजलि गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में स्व. रामरती बिन्द जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि कर्मठता, सादगी व ईमानदारी की मिसाल माने जाने वाले समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य, मिर्जापुर, भदोही के पूर्व सांसद तथा दो बार विधायक रहे प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्व. रामरती बिन्द जी को पूर्वांचल का गांधी कहा जाता था और पूरे प्रदेश में उनके लोकप्रियता की एक अलग ही पहचान थी। इस अवसर पर पार्टी के नव मनोनीत जिला सचिव महेश मौर्य का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए उम्मीद व्यक्त की गई कि उनके दायित्व ग्रहण से पार्टी को और मजबूती प्राप्त होगी तथा आने वाले समय में जिले की पांचों विधानसभा में जीत दर्ज करते हुए प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। इस श्रद्धांजलि गोष्ठी में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष यादव, डॉ. शक्ति श्रीवास्तव , भरत बिंद, रवि सोनकर, रामजी यादव, मनोज चौहान, राहुल यादव संदेश, संतोष बाल्मीकि, छविनाथ विश्वकर्मा, रवि यादव, दिव्यांशु यादव, वीरेन्द्र यादव, सुशील सिंह इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मां शीतला के दरबार में श्रद्धालुओं का लगा रहा गुलजार

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। क्षेत्र के प्रसिद्ध गड़बड़ा राजा गांव स्थित गड़बड़ा मां शीतला मंदिर में सोमवार को ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष अमावस्या एवं पर्व सोमवती अमावस्या, मिथुन संक्रान्ति व ज्येष्ठ अमावस्या होने के कारण लगा श्रद्धालुओं का गुलजार। मंदिर का कपाट खुलते ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी मां के दर्शन-पूजन के लिए उत्साह के साथ कतार में खड़े नजर आए। ÷जय मां शीतला÷ के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। स्थानीय क्षेत्र के साथ ही पड़ोसी जनपद प्रयागराज, भदोही, जौनपुर, सोनभद्र, वाराणसी, मध्य प्रदेश के रीवा,सीधी, मऊगंज और अन्य आसपास के इलाकों से भी हजारों श्रद्धालु गड़बड़ा धाम पहुंचे। भक्तों ने मां शीतला को माला, फूल, चुनरी, नारियल, हलवा-पूड़ी और अन्य प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर के आसपास महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से कड़ाही चढ़ाकर मां को प्रसाद का भोग लगाया और बाद में श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया। कई परिवारों ने अपने छोटे बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया, वहीं श्रद्धालुओं ने सत्यनारायण भगवान की व्रत कथा सुनकरमंदिर के पुजारी देवी माली ने बताया कि करीब 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामनाएं मांगी। थाना प्रभारी हलिया राजीव श्रीवास्तव अपने दल बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था मे लगे रहे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताईं योजनाएं

स्वतंत्र भारत हलिया(मिर्जापुर)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हलिया विकास खंड सभागार में सोमवार को विशेष जनसम्पर्क - सरकार आपके द्वारष् कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया ने मंच से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ सीधे और सरल तरीके से मिले, इसके लिए प्रशासन गांव-गांव तक पहुंच रहा है। सभागार को तिरंगा गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था। मंच पर मौजूद अधिकारियों ने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनके निस्तारण का आश्वासन अधिकारियों ने दिया।इस दौरान खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दिनेश अग्रहरी, सीएम फेलो गौरव सिंह, एडीओ कृषि नरेंद्र कानापुरिया, तारा चंद अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। ड्रमण्डगंज क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में बीते गुरुवार को पिकअप वाहन व बाइक की टक्कर में प्रयागराज जिला निवासी मृतक बाइक सवार अब्बू कोल के भाई ने रविवार को अज्ञात पिकअप वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया। प्रयागराज जिले कोरांव थाना क्षेत्र के बैदवार कलां गांव निवासी मृतक बाइक सवार के भाई सूर्यभान ने दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि बीते 11 जून को भाई अब्बू लाल ड्रमंडगंज क्षेत्र के देवहट गांव गया था। जहां देवहट गांव निवासी आशीष बिंद के साथ बाइक से ड्रमंडगंज बाजार गया। ड्रमंडगंज से बाइक से लौटते समय रास्ते में पिकअप वाहन संख्या यूपी 63 टी 9692 के अज्ञात चालक ने लापरवाही पूर्वक व तेज गति से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। जिससे भाई अब्बू व आशीष को गंभीर चोटें आ गई। जहां दोनों को एंबुलेंस से प्रयागराज के कोरांव सीएचसी उपचार हेतु ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने भाई अब्बू लाल को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल बाइक चालक आशीष का स्वरूप रानी चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। मृतक बाइक सवार के भाई की तहरीर पर पुलिस अज्ञात पिकअप चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच में जुट गई है।प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार ने बताया कि मृतक बाइक सवार के भाई की तहरीर पर अज्ञात पिकअप वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

विकास खण्ड सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग का स्टाल बना आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्लॉक सभागार हलिया में आयोजित कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाया गया स्टाल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।स्टाल पर खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश यादव, प्रदीप कुमार मौर्य और विनय कुमार अग्रहरि ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमं ब्लॉक के स्कूलों में स्मार्ट क्लास, विज्ञान कक्ष, लैब और डिजिटल टीवी के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि डिजिटल संसाधनों से पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाया गया है। साथ ही शिक्षकों द्वारा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया जा रहा है। स्टाल पर आए लोगों को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया भी समझाई गई।इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा अपने अपने विभाग की योजनाओ की जानकारी दिया गया है

टड़ियांव चिकित्सालय में भारी अव्यवस्थाएं, 44 कर्मचारी अनुपस्थित

स्वतंत्र भारत मऊ। मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव के आकस्मिक निरीक्षण में घोसी स्थित 100 शैय्या चिकित्सालय टड़ियांव की स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर खामियां उजागर हुईं। निरीक्षण के दौरान ओटी बंद मिला, ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था बाधित पाई गई तथा मरीजों की भर्ती और ओपीडी सेवाएं संचालित नहीं थीं।अस्पताल में दवाओं का अभिलेखीकरण अव्यवस्थित, स्टॉक पंजिका अद्यतन नहीं तथा शीघ्र एक्सपायर होने वाली दवाओं के रख रखाव में भी लापरवाही मिली।

परिसर और भवन में व्यापक गंदगी, खराब सफाई व्यवस्था, दागयुक्त बेडशीटें तथा बंद लिफ्ट भी पाई गई।निरीक्षण के दौरान अधीक्षक सहित 44 अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिस पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी कमियां तत्काल दूर करने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की चेतावनी दी।

तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत चुनार(मिर्जापुर)। सुशासन को समर्पित प्रधानमंत्री के द्वारा 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के बारह वर्ष पूर्ण होने के उपल क्ष मे नरायनपुर ब्लाक मुख्यालय के सभागार मे सोमवार को तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलामंत्री डाँ विजय कुमार सिंह,मण्डल अध्यक्ष नरायनपुर व चन्द्रशेखर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम मे स्वास्थ्य विभाग, महिला कल्याण विभाग,कृषि विभाग,लघु सिचाई विभाग द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को गुणो के बारे मे बताते हुए योजनाओं से लाभान्वित होने की बात बताई गई।बालविकास विभाग के द्वारा मुख्य सेविका संतोषी देवी के कुशल नेतृत्व मे आंगनवाड़ी कार्यकत्रियो ने बाजरा,सैजन पत्ती,भिण्डी, केला, चौराई, चना इत्यादि का स्टाल लगाकर उपस्थित महिलाओ को इसके गुणो की विस्तृत जानकारी व महिलाओ को स्वस्थ मातृत्व के लिए नियमित रुप से सेवन करने की बात कार्यकत्रि पूर्णिमा देवी ने बताई अतिथियो ने सभी स्टालो पर पहुंच कर संबंधित स्टालो पर लगे सामानो के विषय मे विस्तृत जानकारी लिया। इस दौरान मण्डलअध्यक्ष चुनार मंगरु साहनी, सर्वेश पटेल, पूर्वमण्डल अध्यक्ष नन्दलाल केशरी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत,ग्रामीण विकास, कृषि, कृषि रक्षा, सहकारिता,समाज कल्याण, अवर अभियंता लघु सिचाई, कुमुद, कार्यकत्री सुमन देवी, मनोरमा, ममता, सुमन गुप्ता आदि सहित आंगनवाड़ी कार्यकत्रिया मौजूद रही।

ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के लिए आवेदन शुरू

स्वतंत्र भारत मऊ। जनपद मऊ में एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना 2026-27 के तहत वस्त्र (टेक्सटाइल) क्षेत्र से जुड़े पारंपरिक हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपायुक्त उद्योग हरेंद्र प्रताप ने बताया कि योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को प्रशिक्षण, मानदेय तथा उन्नत टूलकिट प्रदान की जाएगी। योजना के लिए आवेदक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी, न्यूनतम 18 वर्ष आयु का तथा पारंपरिक हस्तशिल्प या वस्त्र व्यवसाय से जुड़ा होना आवश्यक है। आवेदन प्रक्रिया 15 जून से शुरू होकर 4 जुलाई 2026 की शाम 5 बजे तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी msme.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, मऊ से संपर्क किया जा सकता है।

कौशल विकास संगोष्ठी में आत्मनिर्भर भारत निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जोर

स्वतंत्र भारत मऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रामनगर खालिसा स्थित बीएसआरके कौशल विकास संस्थान में टेलीकॉम उद्यमियों के लिए संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य जयभीम कुमार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। वहीं राजकीय आईटीआई मऊ के प्रधानाचार्य अरुण कुमार यादव ने शिक्षा और कौशल को आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।संस्थान के प्रबंधक प्रवीण कुमार राय ने दूरसंचार क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं और संस्थान में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कैम्पस प्लेसमेंट व्यवस्था की भी जानकारी दी।

मोबाइल की लत से बचपन पर संकट अभिभावकों की बढ़ी चिंता

स्वतंत्र भारत मऊ। क्षेत्र में बच्चों के बीच मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। सुबह से लेकर देर रात तक कई बच्चे मोबाइल पर गेम खेलने, वीडियो देखने और सोशल मीडिया के उपयोग में व्यस्त रहते हैं जिससे उनकी पढ़ाई, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।ग्रामीण क्षेत्र की सीमा, भगेलू और सुमित्रा देवी सहित कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चे मोबाइल छोड़ने का नाम नहीं लेते। पढ़ाई के समय भी उनका ध्यान मोबाइल पर ही लगा रहता है। इससे न केवल शिक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि आंखों और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।अभिभावकों का कहना है कि पहले बच्चे मैदानों में खेलते थे और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते थे लेकिन अब अधिकांश समय मोबाइल स्क्रीन के सामने बीत रहा है। इससे बच्चों के स्वभाव में भी बदलाव देखने को मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने सिटी विकास खण्ड के पिपराडाढ़ ग्राम में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

स्वतंत्र भारत मिर्जापुर। प्रदेश के मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन एनआरआई एवं निवेश

सरकार द्वारा संचालित योजनाएं अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना केन्द्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'

प्रोत्साहन विभाग नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी जी' अपने जनपद भ्रमण के दौरान देर शाम सिटी विकासखंड के ग्राम पिपराडाढ में जन चौपाल आयोजित कर केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों से वार्ता कर क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। चौपाल में मंत्री जी द्वारा उपस्थित

ग्रामीणों के द्वारा क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओ को गम्भीरता पूर्वक सुना तथा उसके निस्तारण का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा कृषि फार्म पर वृक्षारोपण किया गया तथा आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग द्वारा संचालित व लगाए गए प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री जी द्वारा आंगनवाड़ी द्वारा संचालित गोद भराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम के तहत गर्भवती माताओं को पोषण पोटली दिया तथा नवनिहाल बच्चों को अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर ग्राम स्तरीय अधिकारियों कर्मचारियों से वार्ता कर कार्यों के बारे में समीक्षा की गई। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाएं गांव के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है तथा जनता की समस्याओं का समाधान उनके दरवाजे पर ही करना उद्देश्य है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा लाल बहादुर सरोज, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवा सूचिस्मिता मौर्य, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए धर्मजीत सिंह गौरव उमर, वीरेंद्र प्रताप यादव उपस्थित रहे।

सोमवती अमावस्या पर शिव मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

स्वतंत्र भारत मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना के मोहल्ला सैदपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में सोमवार को सोमवती अमावस्या के अवसर पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालु महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारी मुकुंद पाठक व सुमंत गिरी ने बताया कि इस दिन व्रत एवं पूजन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान मंदिर समिति के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14

लखनऊ, मंगलवार, 16 जून 2026

ईरान डील पर ट्रंप को घेर रहे डेमोक्रेट्स

सांसद क्रिस मर्फी बोले- ये 'सरेंडर' जैसा समझौता

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर ईरान संग पीस डील होने का एलान किया। ईरान ने भी एमओयू को अंतिम रूप दिए जाने पर बयान जारी किया। दुनिया ने राहत की सांस ली है। इस बीच अमेरिकी सांसद स्वागत तो कर रहे हैं लेकिन तंज भी कस रहे हैं। सांसद क्रिस मर्फी ने इसे आत्मसमर्पण करार दिया है।डेमोक्रेट्स ईरान के साथ हुए समझौते का स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि यह युद्ध अनावश्यक था और यह समझौता केवल स्थिति को वहीं वापस ले जाता है जहां से शुरुआत हुई थी। डेमोक्रेट सांसद क्रिस मर्फी ने एक्स पर एक पोस्ट लिखा। जिसमें दो अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा, अगर ईरान के साथ कोई अंतिम समझौता होता है, तो वह तेहरान के सामने 'सरेंडर' जैसा लगेगा। हालांकि, ऐसे समझौते का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध जारी रहने से अमेरिका और कमजोर होगा। मर्फी ने कहा कि मौजूदा हालात में लंबी जंग अमेरिका के हितों को ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी। इसलिए अगर समझौते के जरिए संघर्ष खत्म होता है, तो यह विकल्प युद्ध जारी रखने से बेहतर होगा। मर्फी ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से एकमात्र रियायत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की थी। जबकि यह जलडमरूमध्य संघर्ष से पहले भी खुला हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान पहले से ही जेसीपीओए के तहत परमाणु हथियार विकसित न करने के लिए प्रतिबद्ध था, जो एक ऐसा समझौता था जिसे बाद में ट्रंप ने छोड़ दिया था।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते का दुनिया ने किया स्वागत

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते को दुनिया भर में एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। कई महीनों से जारी तनाव, सैन्य टकराव और समुद्री व्यापार में बाधाओं के बीच आए इस समझौते से पश्चिम एशिया में स्थिरता लौटने की उम्मीद जगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समझौते की घोषणा के बाद कतर, तुर्किये, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस सहित कई देशों ने इसका स्वागत किया है। अंतरराष्ट्रीय नेताओं का मानना है कि यह समझौता न केवल क्षेत्रीय तनाव कम करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री यातायात को भी राहत देगा। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा पूरी तरह खुलने की

■ ट्रंप की घोषणा के बाद कई देशों ने दी प्रतिक्रिया

संभावना को इस समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जा रहा है। समझौते की घोषणा के बाद विभिन्न देशों के नेताओं ने इसे शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करते हुए कहा कि भविष्य की वार्ताएं सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में आगे बढ़नी चाहिए। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन ने इसे क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण घटनाक्रम बताया। वहीं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि यह समझौता युद्ध समाप्त करने, क्षेत्रीय स्थिरता बढ़ाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने इस सफलता में शामिल मध्यस्थ देशों की भी सराहना की।

एक नज़र

पुतिन और जेलेंस्की ने की ट्रंप से फोन पर बातचीत

रूस बोला- जी-7 शिखर सम्मेलन में होगी यूक्रेन युद्ध पर चर्चा

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अलग-अलग फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब ट्रंप अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। वहीं, यूक्रेन युद्ध इस सप्ताह होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव के अनुसार, पुतिन और ट्रंप के बीच बातचीत लगभग एक घंटे तक चली। उशाकोव ने पत्रकारों को बताया कि यूक्रेन के मुद्दे पर ट्रंप ने शत्रुता खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह इस दिशा में यूरोपीय सहयोगियों और कीव को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन में भी इस मुद्दे पर चर्चा होगी। उशाकोव के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस में नागरिक ठिकानों पर हाल के हमलों ने समाधान की प्रक्रिया को और जटिल बना दिया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस बयान की पुष्टि नहीं की है और न ही बातचीत पर कोई टिप्पणी की है। उशाकोव ने कहा कि ट्रंप का मानना है कि युद्ध का जल्द अंत होने से अमेरिका और रूस के संबंधों में वास्तव में एक नए स्तर की शुरुआत हो सकती है।

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर, धार्मिक स्थल में लगी आग

बमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने, पांच की मौत

कीव। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव-पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था।

अमेरिका में क्रैश हुआ विमान, 12 की मौत

स्काईडाइविंग के लिए ले जा रहा था यात्री

मिसौरी। अमेरिका के मिसौरी राज्य में स्काइडाइविंग के लिए यात्रियों को ले जा रहा एक विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान पर सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने एक बयान में कहा कि उसके जवान घटनास्थल पर मौजूद हैं और बटलर पुलिस विभाग तथा बेट्स काउंटी शेरिफ कार्यालय की सहायता कर रहे हैं। दुर्घटना बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के निकट हुई। बटलर शहर कैनसस सिटी से लगभग 65 मील दक्षिण में स्थित है। मिसौरी हाईवे पेट्रोल के सार्जेंट जस्टिन इविंग ने बताया कि विमान स्काइडाइविंग के लिए लोगों को ऊपर ले जा रहा था। रविवार सुबह करीब 11.30 बजे आपातकालीन सेवाओं को सूचना मिली कि एक विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की लपटों में घिर गया है। इविंग ने कहा कि दुर्घटना के कुछ ही समय बाद राहत एवं बचाव दल ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन उन्होंने घटनास्थल को बेहद भयावह बताया।

जी7 शिखर सम्मेलन से पहले जिनेवा में बवाल

जिनेवा। जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए। हजारों प्रदर्शनकारी नो जी-7 बैनर के तहत सड़कों पर उतरे और युद्ध, आर्थिक असमानता, पूंजीवाद तथा वैश्विक नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति तब बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों और दंगा-रोधी पुलिस के बीच झड़पें शुरू हो गईं। पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। इस दौरान एक टेस्ला कार में आग लगा दी गई और संयुक्त राष्ट्र से जुड़े एक कार्यालय में भी तोड़फोड़ की गई। सम्मेलन से पहले पूरे शहर में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं।

कांगो में इबोला वायरस से मृतकों की संख्या पहुंची 181

किंशासा। कांगो में इबोला संक्रमण के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 782 हो गई है, जबकि मृतकों की संख्या 181 तक पहुंच गई है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार देर शाम सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक बयान में यह जानकारी दी। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि वास्तविक मामलों की संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि संक्रमण की पुष्टि 15 मई को हुई थी, जबकि इसके कई सप्ताह पहले शुरू होने की आशंका है। इसके अलावा संक्रमितों के संपर्कों का पता लगाने की कवरेज दर घटकर 56 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले सप्ताह की तुलना में काफी कम है। यह ताजा प्रकोप दुर्लभ बंडिबुग्यो वायरस के कारण फैला है। इस वायरस के लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

मैक्रों ने शेयर किया पीएम मोदी से मुलाकात का वीडियो

नीस। बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों में शामिल आदित्य धर की फिल्म धुरंधर का लोकप्रिय गीत आरी आरी अब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

■ बैकग्राउंड में बज रहा था धुरंधर का ये गाना

को भी पसंद आ गया है। मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीस यात्रा की प्रमुख झलकियों को साझा करते हुए इस गाने का इस्तेमाल किया। मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें आरी आरी गाने की धुन का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा था, फ्रांस के पास सभी क्षमताएं हैं। यहां न तो प्रतिभा की कमी है और न ही ऊर्जा की। धुरंधर फिल्म का यह गाना आत्माओं के मिलन और बदलती हवाओं की बात करता है, जिसे भारत-फ्रांस संबंधों और बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नीस स्थित विला केरीलोस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस वर्ष भारत और फ्रांस के संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाए जाने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी।

दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने रक्षा सहयोग के सभी क्षेत्रों में हुई प्रगति और उसकी गहराई पर संतोष व्यक्त किया तथा रक्षा प्लेटफॉर्म और उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह-डिजाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन पर विशेष ध्यान देते हुए इसे और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की समृद्ध विरासत का जिक्र किया और मानव अंतरिक्ष उड़ान तथा स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के सहयोग को बढ़ाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों नेताओं ने कहा कि भारत का शांति अधिनियम छोटे और उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों सहित सहयोग के नए अवसर प्रदान करता है।

अमेरिका-ईरान समझौते पर इस्राइल का विद्रोही रुख

तेल अवीव। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते को लेकर इस्राइल ने पहली बार खुलकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई

■ लेबनान को लेकर खींची लाल रेखा

है। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने साफ शब्दों में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से तैयार हुआ यह समझौता इस्राइल पर लागू नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस्राइल एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है तथा वह अपनी सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और क्षेत्र में जारी संघर्ष को रोकने के लिए एक प्रारंभिक समझौते की घोषणा की है।

बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि इस्राइल इस समझौते का हिस्सा नहीं है और इसलिए यह उस पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्राइल अमेरिका का सम्मान करता है और राष्ट्रपति ट्रंप का आभारी है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में कोई भी बाहरी समझौता उसके निर्णयों को नियंत्रित नहीं कर सकता। उनके अनुसार, किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से ऊपर इस्राइल की सुरक्षा और उसके नागरिकों की रक्षा है। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने की कीमत इस्राइल को कई बार चुकानी पड़ी है।

इस्राइल-हमास युद्ध : अब तक 73 हजार फलस्तीनियों ने गंवाई जान

मॉस्को। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइल-हमास युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 73,000 के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब अक्टूबर से लागू युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का

■ आईडीएफ के हमले अभी भी जारी

सैन्य अभियान जारी हैं। इस्राइल का कहना है कि वह हमास और अन्य उन उग्रवादियों को निशाना बना रहा है जो सुरक्षा के लिए खतरा हैं। साथ ही उसका दावा है कि यह कार्रवाई युद्धविराम उल्लंघनों और समय-समय पर होने वाले हमलों के जवाब में की जा रही है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्धविराम लागू होने के बाद से अब तक करीब 1,000 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं संघर्षविराम के बाद पांच इस्राइली सैनिकों की भी मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 73,001 लोगों की मौत हो चुकी है। सात अक्तूबर 2023 से जारी संघर्ष में 1,73,200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह युद्ध सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इस्राइल पर हुए हमले के बाद शुरू हुआ था। उस हमले में

लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। हमास संचालित सरकार के तहत काम करने वाले स्वास्थ्य मंत्रालय में चिकित्सा पेशेवर कार्यरत हैं और वह विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां और स्वतंत्र विशेषज्ञ आम तौर पर उसके आंकड़ों को विश्वसनीय मानते हैं। हालांकि मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता, लेकिन उसका कहना है कि मृतकों में लगभग आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

ज्वालामुखी के किनारे कर रहा था स्टंट

सना। यमन के मशहूर एडवेंचर क्रिएटर और सोशल मीडिया स्टार अंतर अल अब्सी, जिन्हें लोग यमन का स्पाइडरमैन कहते थे, की एक

■ एक गलती और खत्म हो गई जिंदगी

■ यमन के स्पाइडरमैन की जिंदगी का दर्दनाक अंत

खतरनाक स्टंट के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। 30 वर्षीय अंतर अल अब्सी दक्षिणी यमन के अल धाले प्रांत स्थित हराधत दमत ज्वालामुखीय क्रेटर की खड़ी चट्टानों पर चढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे क्रेटर में गिर गए। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को झकझोर दिया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अंतर अल अब्सी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ज्वालामुखीय क्रेटर की लगभग सीधी चट्टान पर चढ़ रहे थे। वीडियो में वह चट्टान से लटके हुए दिखाई देते हैं, लेकिन कुछ ही क्षण बाद उनकी पकड़ छूट जाती है और वह नीचे गिर जाते हैं। बताया गया है कि यह क्रेटर करीब 120 मीटर गहरा है। हादसे के बाद तुरंत बचाव दल को मौके पर भेजा गया।

यमन के नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण ने विशेष बचाव दल, गोताखोरों और जल-रिकवरी टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। हालांकि दुर्गम और पथरीले इलाके के कारण राहत कार्य आसान नहीं था। करीब चार घंटे तक चले अभियान के बाद गोताखोरों ने क्रेटर के भीतर मौजूद पानी से अंतर अल अब्सी का शव बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, शव पानी की सतह से लगभग 30 मीटर नीचे मिला।

ब्रिटेन की संसद के बाहर जुटे हजारों कश्मीरी

लंदन। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सेना प्रदर्शनकारियों का बर्बरता से दमन कर रही है। इस मानवाधिकार

■ पीओके में सेना की बर्बरता पर जवाबदेही की मांग

उल्लंघन और बल प्रयोग के खिलाफ हजारों ब्रिटिश कश्मीरी रविवार को लंदन में वेस्टमिंस्टर के पैलेस के बाहर एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप करने और जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में नागरिकों की मौतों, महिलाओं के उत्पीड़न, घायलों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग पर चिंता जताई। अपनी मांगों के समर्थन में बैनर और तख्तियां लिए हुए प्रदर्शनकारियों ने अशांति से प्रभावित लोगों के लिए न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पीओके की स्थिति पर ध्यान देने का आग्रह किया। ब्रिटेन की संसद के बाहर प्रदर्शनीकारियों ने संयुक्त राष्ट और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों से क्षेत्र के घटनाक्रम की जांच करने की अपील की। ब्रिटिश संसद के बाहर जमावड़े के दौरान पीड़ितों के लिए जवाबदेही और न्याय की मांग वाले नारे गूंज रहे थे।

रैली को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि पीओके के निवासी लंबे समय से बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें आर्थिक राहत, सस्ती बिजली, बेहतर शासन और अधिकारियों द्वारा किए गए वादों का पूरा होना शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए और घायल हुए।

जश्न | अब तक का सबसे महंगा शो, 567 करोड़ खर्च

ट्रम्प ने जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट कराई

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप यानी स्नष्ट मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मनाया।

■ जीत के बाद विजेता राष्ट्रपति से मिला

यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ रुपए) खर्च किए। ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है। इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले हुए। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन रहे इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच हुई। 4 राउंड तक चले मुकाबले में अमेरिकी फाइटर गेथजे ने अपने स्पेनिश विरोधी टोपुरिया को हराकर उलटफेर किया। गेथजे को लाइटवेट टाइटल बेल्ट मिली, जबकि टोपुरिया को अपने करियर की पहली हार मिली। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके कई सीनियर अफसर, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद थे। पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की।

ट्रम्प ने कहा- यह धरती का सबसे बड़ा शो

राष्ट्रपति ट्रम्प और कई अधिकारियों ने आयोजन की तारीफ की। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने स्नष्ट को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया। इस इवेंट में कुल 14 फाइटर ने हिस्सा लिया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस आयोजन का सबसे बड़ा फायदा यूएफसी ब्रांड को मिल सकता है। एक समय ऐसा था, जब इस खेल को प्रायोजकों और कई

आयोजकों ने स्वीकार नहीं किया था। एक अमेरिकी सीनेटर ने इसे कभी मानव मुर्गा लड़ाई तक कहा था।

33 साल पहले शुरू हुआ था यूएफसी का सफर

अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप (यूएफसी) आज दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) लीग है। इसकी शुरुआत 1993 में अमेरिका में हुई थी। उस दौर में बॉक्सिंग, कराटे, कुश्ती और ब्राजीलियन जिउ-जित्सु जैसी अलग-अलग फाइटिंग शैलियों के समर्थक अपनी-अपनी तकनीक को सबसे प्रभावी बताते थे। इस पर काफी बहस होती थी कि असली मुकाबले में कौन-सा मार्शल आर्ट सबसे ज्यादा कारगर साबित होगा। इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए स्नष्ट का पहला टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसमें ब्राजीलियन जिउ-जित्सु विशेषज्ञ रॉयस ग्रेसी चैंपियन बने। ग्रेसी शारीरिक रूप से कई प्रतिद्वंद्वियों से छोटे और हल्के थे, लेकिन उन्होंने अपनी तकनीक के दम पर बड़े और ताकतवर फाइटर्स को हराकर सबको चौंका दिया। समय के साथ खेल का स्वरूप भी बदल गया। अब फाइटर्स सिर्फ एक शैली पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि बॉक्सिंग, रेसलिंग, जूडो, कराटे, ताइक्कांडो, जिउ-जित्सु और किक बॉक्सिंग जैसी कई तकनीकों को मिलाकर मुकाबला करते हैं। यही वजह है कि इसे आज 'मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स' कहा जाता है।

बाजार दर्पण

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइल: 9415016089